THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 217 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.12 2080 गुरुवार, 26 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केंद्रीय कर्मी चूके तो नहीं होगा भुगतान

केंद्रीय कर्मचारी ध्यान दें..

- एलटीसी का टिकट तीन कंपनियों के माध्यम से बुक किए जाते हैं
- कंपनियों को 24 घंटे में कम से कम किराए वाला एक स्लॉट रखना होगा
- कर्मचारी इसी स्लॉट में अपनी एयर टिकट बुक करेंगे
- प्रक्रिया का स्क्रीन शॉट लेना होगा और क्लेम फॉर्म के साथ लगाना पड़ेगा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में ऐसे कर्मचारी, जिन्हें एलटीसी मिलता है, उनके लिए जरूरी खबर है। कर्मियों ने अपनी हवाई यात्रा का क्लेम लेने में अगर एक भी चूक कर दी तो उन्हें परेशानी झेलनी पड़ सकती है। उन्हें बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड, अशोक ट्रैवल एंड टूर और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन से एलटीसी पर जाने के लिए एयर टिकट खरीदना पड़ता है। अब डीओपीटी ने उक्त कंपनियों को कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं। कंपनियों के द्वारा 24 घंटे में कम से कम किराए वाला एक स्लॉट रखा जाएगा। कर्मचारी, इसी स्लॉट में अपनी एयर टिकट बुक करेंगे। उन्हें इस प्रक्रिया का स्क्रीन शॉट भी लेना होगा। उसे क्लेम फार्म के साथ लगाना पड़ेगा। हालांकि, तय स्लॉट में अगर टिकट बुक होती है तो स्क्रीन शॉट की प्रति जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। वजह, टिकट पर बुकिंग का समय और स्लॉट, दोनों अंकित रहेंगे। जो कर्मचारी तय स्लॉट से अलग जाकर टिकट बुक करेंगे, उन्हें क्लेम लेने के दौरान वह स्क्रीन शॉट फाइल में लगाना होगा।

कर्मियों के लगातार आ रहे प्रतिवेदन

डीओपीटी द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक, केंद्रीय कर्मचारी, एलटीसी का टिकट तीन कंपनियों के माध्यम से बुक करते हैं। क्लेम लेने के दौरान उन्हें स्क्रीन शॉट भी जमा कराना पड़ता है। मौजूदा प्रक्रिया में कर्मियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस बाबत स्पष्टता के लिए डीओपीटी के पास कर्मियों के लगातार प्रतिवेदन आ रहे थे। सरकार द्वारा अधिकृत कंपनी से टिकट कराने के बाद उसका स्क्रीन शॉट लेना है या नहीं, कर्मचारी इस संबंध में जानकारी चाहते थे। डीओपीटी के मुताबिक, बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड, अशोक ट्रैवल एंड टूर और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन, तीनों कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर कम से कम रेट वाली एयर टिकटों की जानकारी देनी है।

>14

14 बच्चों को एसआईवी -हेपेटाइटिस संक्रमित ब्लड चढ़ा दिया

कानपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। थैलेसीमिया के 14 बच्चों को संक्रमित ब्लड चढ़ा दिया गया। इसके बाद बच्चे एचआईवी और हेपेटाइटिस बी-सी से पीड़ित हो गए। इसका खुलासा तब हुआ, जब 4 दिन पहले कानपुर के हैलट अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित 180 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। इसमें से 12 बच्चों हेपेटाइटिस और 2 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव मिले।

हैलेट अस्पताल के बाल रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार आर्या ने यह दावा किया है। कानपुर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने उनका दावा खारिज करते हुए कहा- हमारे यहां किसी भी बच्चे को ब्लड नहीं चढ़ाया गया। डॉ. आर्या के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। मामला सुर्खियों में आने के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जांच के आदेश दिए हैं।

कानपुर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने बताया- कानपुर में जो भी थैलेसीमिया के लिए आता है, उसकी सबसे पहले स्क्रीनिंग की जाती है।

बिजली बिल का मुद्दा सुलझने पर और मामले सुलझने की उम्मीद

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में, तेलंगाना हाईकोर्ट ने केंद्र के उस ऑर्डर को खारिज कर दिया, जिसमें उसे आंध्र प्रदेश राज्य को 6,750 करोड़ की बकाया राशि का भुगतान करना था, इस फैसले से तेलंगाना प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। 29 अगस्त, 2022 के यूनियन गवर्नमेंट के आर्डर को चुनौती देते हुए, रिट पिटीशन का एक बैच फाइल किया गया। हाईकोर्ट ने पार्टियों (तेलंगाना-आंध्र प्रदेश) को ये सहूलियत दी कि वे कानून में जो सोल्यूशन हैं, उसका सहारा लें।

इन दोनों प्रदेशों के बीच भुगतान का विवाद काफी लंबे समय से चल रहा है। आंध्र सरकार ने तर्क दिया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलग होने के बाद दी गई बिजली के 3,441.78 करोड़ रूपए और 3,315.14 करोड़ रूपए तेलंगाना सरकार को चुकाने चाहिए। वहीं, तेलंगाना सरकार ने दावा किया है कि उसे पड़ोसी से पावर यूटिलिटी के 17,828 करोड़ मिलने चाहिए।

तेलंगाना सरकार ने यूनियन होम मिनिस्ट्री की वर्चुअल मीटिंग में इस विवाद से संबंधित कागज पेश किए हैं। इसमें कहा गया है कि आंध्र प्रदेश से पावर यूटिलिटी के कुल 17,420 करोड़ तेलंगाना को मिलने चाहिए, जब एपीजेनेको की बकाया राशि 4,887 करोड़ रुपए है, तो इसे काट कर तेलंगाना को बचे हुए 12,532 करोड़ मिलने चाहिए। राज्य सरकार ने अपने बजट में इसकी व्यवस्था भी रखी है। ये मुद्दा सीरियस मोड में तब आ गया, जब आंध्र प्रदेश सरकार यूनियन मिनिस्ट्री के पास पहुंच गई। पावर मिनिस्टर ने जोर देते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश री-ऑर्गेनाइजेशन एक्ट, 2014 में एक प्रावधान था, जिससे वो केंद्र को निर्देश देने का अधिकार देती है। यूनियन पावर मिनिस्टर तेलंगाना सरकार के खाते से तय राशि काटने पर यूनियन फाइनेंस मिनिस्ट्री से सलाह ले रहे थे। यह राशि उतनी ही है जितनी उसे आंध्र प्रदेश सरकार को देना है।

केंद्र के दावे पर तेलंगाना सरकार ने नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा कि केंद्र सरकार के पास अगर हस्तक्षेप की शक्तियां थीं, तो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलग होने के बाद से विभिन्न मसलों पर अब तक चुप क्यों थी? प्रमुख अधिकारियों ने कहा कि केंद्र ने भले ही कुछ मामलों में निर्देश दिए हों, लेकिन अधिकांश मसले अनसुलझे हैं। इन दोनों राज्यों के बीच बिजली के बकाया भुगतान के मसले पर यूनियन होम मिनिस्ट्री और यूनियन होम मिनिस्ट्री के नेतृत्व में हुई, साउथ जोनल काउंसिल की मीटिंग में चर्चा हुई। तेलंगाना सरकार हमेशा इस बात पर अडिग रही कि वह बकाया राशि का भुगतान करना चाहती है, लेकिन पहले जो राशि उसे मिलनी है उसका ध्यान रखा जाए।

इसके जवाब में, तेलंगाना सरकार ने जोर दिया कि यदि आंध्र प्रदेश सरकार चाहे तो, वह कोर्ट के बाहर समझौते के लिए तैयार है, लेकिन आंशिक भुगतान स्वीकार नहीं है। तेलंगाना पावर यूटिलिटीज ने शिकायत की कि ऐसे कई मौके आए जब आंध्र प्रदेश पावर यूटिलिटी ने ऐसे फैसले लिए, जो कि तेलंगाना के हितों के खिलाफ थे। यह सारी कार्यवाई साउथन रीजनल लोड डिस्पैच सेंटर से राय लिए बिना की गई। उन्होंने इस बात पर असहमति जताई, जिसमें आंध्र प्रदेश यूटिलिटीज ने मीटिंग के दौरान दावा किया कि वह गवर्नमेंट आफ इंडिया की यूनियन गवर्नमेंट के दिए हुए निर्देशों के अनुसार काम कर रही थी। तेलंगाना सरकार ने यह भी दावा किया कि आंध्र प्रदेश पावर यूटिलिटीज ने राज्य के स्तर पर बिजली के भुगतान संबंधी विवाद को सुलझाने की मांग पर ध्यान नहीं दिया, और भुगतान ना करना पड़े, इसके लिए 'फोरम शॉपिंग' करते रहे। यह देखना बाकी है कि क्या दोनों प्रदेश बिजली के बकाया समझौते के लिए किसी की मध्यस्थता स्वीकार करेंगे? यदि ऐसा हो जाता है, तो यह अलग होने के बाद के सभी मसलों को सुलझाने की तरफ एक बड़ा कदम होगा। आंध्र प्रदेश रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट द्वारा 10 साल में सभी विवादों के निपटारे की समय सीमा, अगले 1 साल से पहले खत्म हो रही है

पातालकोट ट्रेन के 2 कोच जले

2 लोग झुलसे; यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

आगरा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में बुधवार को पातालकोट एक्सप्रेस के दो जनरल कोच पूरी तरह जल गए। रेलवे ने 2 लोगों के झुलसने और अस्पताल में भर्ती कराने की बात कही है। कहा जा रहा है कि कई यात्रियों ने ट्रेन से कूदकर जान बचाई। हादसा रेल मंडल में भांडई रेलवे स्टेशन के पास शाम 4.45 बजे हुआ। उस समय ट्रेन की स्पीड 70 से 80 किमी के बीच थी।

मौके पर रेलवे के अधिकारी और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। गांववालों की मदद से आग पर काबू पाया गया। दोनों कोच को ट्रेन से अलग कर दिया गया है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

वहीं, रेलवे की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि सबसे पहले गार्ड ने धुआं उठता देखा।

इसके बाद उसने डाइवर को इस बात की सूचना दी। इस दौरान एक से दूसरी बोगी में आग पहुंच गई। जिसमें दो यात्रियों के घायल होने की बात सामने आ रही है।

बोगी में सवार एक यात्री वर्षा जैन ने बताया कि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया है। हम लोग सांस नहीं ले पा रहे थे, इस वजह से बोगी से बाहर भागना पड़ा। वहीं, ग्वालियर के रहने वाले एकांत सिंह ने बताया कि चेन खींचकर ट्रेन को रोका गया।

वहीं, आगरा वेस्ट के डीसीपी सोनम कुमार ने बताया कि पातालकोट एक्सप्रेस की 2 बोगियों में आग लगने की सूचना मिली। तुरंत पुलिस और फायर सर्विस की 5 गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। 2 घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए भेजा गया है। कोई जनहानि नहीं है।

महुआ बोलीं- फेक डिग्री वाले की जांच कब होगी

निशिकांत दुबे ने कहा- सवाल अडाणी, डिग्री या चोरी का नहीं, आपके भ्रष्टाचार का है

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप में घिरीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की चिट्ठी पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच करने में नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर पूरा सहयोग करेगा। इस पर महुआ ने कहा- अश्विनी वैष्णव ने फेक डिग्री वाले को चिट्ठी लिखी है कि मेरे खिलाफ जांच में सपोर्ट करेंगे। मैं अब तक इंतजार कर रही हूं कि पिछले साल जब फर्जी दुबे अपने बच्चों के साथ अवैध तरीके से एयरपोर्ट के एटीसी रूम में घुस गए थे। गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय इसकी जांच कब करेगा। भाजपा के हिट जॉब की परतें खुल रही हैं।

महुआ ने एक और पोस्ट में लिखा- झूठ कौन बोल रहा है? दो दिन पहले फेक डिग्री वाले ने कहा- एनआईसी ने दुबई से लॉगइन खोले जाने समेत सभी जानकारियां जांच एजेंसी को दे दी हैं। अब अश्विनी वैष्णव कह रहे हैं कि लोकसभा या एथिक्स कमेटी ने जानकारी मांगी तो हम देंगे। भाजपा के मुझ पर हमलों का स्वागत है, लेकिन अडानी गोड्डा (दुबे) शायद सर्वश्रेष्ठ रणनीतिकार नहीं हैं। इस पर दुबे ने कहा- सवाल संसद की गरिमा, भारत की सुरक्षा व कथित सांसद की मालिकाना हक, भ्रष्टाचार और आपराध का है। जबाब देना है कि दुबई में एनआईसी मेल खुला की नहीं? पैसे के बदले प्रश्न पूछे कि नहीं? विदेश जाने आने के खर्च किसने उठाए? कभी लोकसभा स्पीकर या विदेश मंत्रालय से विदेश जाने की परमिशन ली या नहीं। सवाल अडाणी, डिग्री या चोरी का नहीं। देश को गुमराह कर आपके भ्रष्टाचार का है।

एनसीईआरटी की किताबों में इंडिया को भारत करने की सिफारिश

हिंदू योद्धाओं की जीत की कहानियां शामिल करने का भी सुझाव दिया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग की किताबों में जल्द ही इंडिया की जगह भारत लिखा नजर आ सकता है। दरअसल, एनसीईआरटी अपने सिलेबस में नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव कर रहा है। इसके लिए 19 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई थी। इस कमेटी ने ही देश का नाम इंडिया के बजाय भारत लिखने का सुझाव दिया है। साथ ही सिलेबस से प्राचीन इतिहास को हटाकर क्लासिकल हिस्ट्री को और हिंदू योद्धाओं की जीत की कहानियों को शामिल करने की सिफारिश की है। कमेटी के अध्यक्ष सीआई आईजैक ने 25 अक्टूबर को बताया कि भारत का जिक्र विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में है, जो 7 हजार साल पुराने हैं।

>14

सत्यपाल मलिक से राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना पर पूछे सवाल

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का इंटरव्यू लिया है। इसका वीडियो उन्होंने अपने यूट्यूब अकाउंट पर पोस्ट किया है। करीब आधे घंटे के इस इंटरव्यू में उन्होंने पुलवामा हमला, किसान आंदोलन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), अनुच्छेद 370, जातिगत जनगणना, मणिपुर हिंसा समेत कई मुद्दों पर सवाल किए। बातचीत के दौरान मलिक ने यह भी कहा कि वह लिखकर देते हैं कि केंद्र में दोबारा मोदी सरकार सत्ता में नहीं आएगी।

जम्मू-कश्मीर और अनुच्छेद 370 को लेकर मलिक ने कहा, मेरी राय है कि वहां के लोगों को जबरदस्ती या सेना से ठीक नहीं कर सकते। वहां के लोगों को जीतकर आप कुछ भी कर सकते हैं। मैंने उन लोगों को भरोसे में

लिया। पूर्व राज्यपाल ने कहा, मुझे लगता है कि उनके राज्य के दर्ज को वापस करना चाहिए। इन्होंने अनुच्छेद 370 वापस लेकर केंद्र शासित राज्य बनाया। इन्हें डर था कि कहीं राज्य की पुलिस विद्रोह न कर दे। हालांकि, जम्मू-कश्मीर की पुलिस ने हमेशा केंद्र सरकार का साथ दिया।

उन्होंने कहा, (केंद्रीय गृहमंत्री) अमित शाह का वादा है कि वे राज्य का दर्जा वापस करेंगे। इसलिए इन्हें जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस करना चाहिए और वहां चुनाव कराने चाहिए। मलिक ने कहा, पता नहीं क्यों ये लोग राज्य का दर्जा वापस नहीं कर रहे। मेरी बात हुई थी। मैंने कहा था कि राज्य का दर्जा वापस करना चाहिए। मुझसे कहा गया कि कह तो दिया है, करने की क्या जरूरत है। चल तो रहा है सब ठीक। लेकिन कहां सब ठीक चल रहा है। आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। आतंकी सक्रिय हो गए हैं। राजौरी में रोज कुछ न कुछ होता है।

पुलवामा हमले को लेकर सत्यपाल मलिक ने कहा, पुलवामा हमले को लेकर मैं ये तो नहीं कहूंगा कि इन्होंने कराया, लेकिन मैं ये जरूर कहूंगा कि इन्होंने इसे नजरअंदाज किया और उसका राजनीतिक इस्तेमाल किया है। इनके बयान हैं कि जब वोट देने जाओ, तो पुलवामा की शहादत याद रखना है। वहीं, राहुल गांधी ने कहा, जब हवाई अड्डे पर शहीदों के पार्थिव शरीर लाए गए, तो मुझे कमरे में बंद कर दिया गया। मैं लड़कर वहां से निकला।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्य ने कहा, प्रधानमंत्री को श्रीनगर जाना चाहिए था। (रक्षा मंत्री) राजनाथ सिंह वहां आए थे। मैं वहां था। हमने श्रद्धांजलि दी। जिस दिन ये हुआ , ये (पीएम मोदी) नेशनल कॉर्बेट में शूटिंग कर रहे ते। तो मैंने इनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन बता नहीं हुई। पांच-छह बजे उनका फोन कॉल आया, क्या हुआ? मैंने घटना के बारे में बताया। मैंने कहा, हमारी गलती से इतने लोग मर गए हैं। तो उन्होंने मुझसे कहा, आपको कुछ नहीं बोलना है।

मिलजुल कर रहेंगे तभी चल पाएगा देश

बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा, भारत की राजनीति में दो विचारधाराओं की लड़ाई है, एक गांधीवादी और दूसरी आरएसएस की। दोनों हिंदुत्व के दृष्टिकोण हैं। एक अहिंसा और भाईचारे की विचारधारा है। दूसरी नफरत और हिंसा की। इस बारे में आपका क्या कहना है? इस पर मलिक ने कहा, मेरा सोचना है कि हिंदुस्तान देश के दौर पर तभी चलेगा, जब उदार हिंदुत्व के रास्ते पर चलेगा। यह गांधी का दृष्टिकोण था। वे गांव-गांव गए थे। तब इस दृष्टिकोण पर पहुंचे थे।

>14

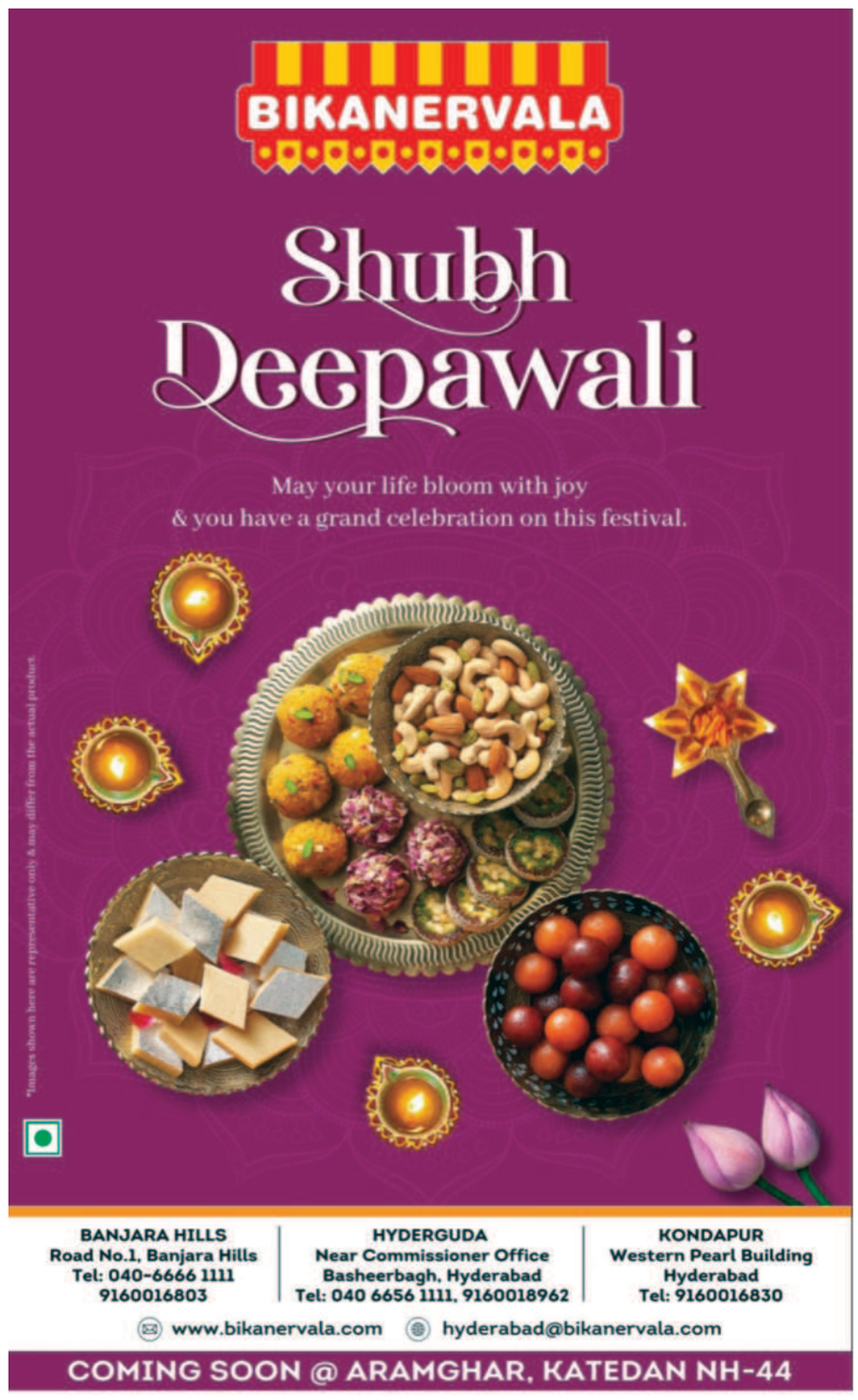

आजम खां से मिलने जेल जाएंगे अजय राय, बोले- उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस साथ है

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपनी टीम के साथ बृहस्पतिवार को सीतापुर जेल में सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस लगातार अल्पसंख्यक नेताओं को जोड़ने के अभियान में लगी है। अजय राय की यह मुलाकात भी उसी कड़ी से जोड़ कर देखी जा रही है। हालांकि अजय राय का कहना है कि भाजपा सरकार ने गलत तरीके से आजम खां पर निशाना साधना शुरू किया है। ऐसे में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक वरिष्ठ नेता के साथ हुए उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस खड़ी है। आजम खां के साथ अन्याय हो रहा है।

आप ज्यादा बड़बड़ाओ मत

जब गुजरात हाई कोर्ट में एक-दूसरे से भिड़ गए जज, होने लगी तीखी बहस

अहमदाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाई कोर्ट में तब अजीब-सा माहौल हो गया जब दो जज आपस में भिड़ गए और दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। जस्टिस बीरेन वैष्णव और मौना भट्ट के बीच हुई ये तीखी बहस सोमवार को कोर्ट रूम के अंदर हुई और पूरी बहस कोर्ट रूम में लगे कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बता दें कि गुजरात उच्च न्यायालय अपने यूट्यूब चैनल पर सभी पीठों की सुनवाई को लाइव-स्ट्रीम करता है और लाइव स्ट्रीम के दौरान हुई ये पूरी बहस यू-ट्यूब चैनल पर दिख गया। हालांकि, दोनों जजों के बीच हुए इस विवाद को कैद करने वाले लाइव-स्ट्रीम किए गए वीडियो को बाद में यूट्यूब से हटा दिया गया है। इतना ही नहीं, दोनों जजों के बीच हुई नोकझोंक के बाद सुनवाई भी टाल दी गई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें न्यायमूर्ति वैष्णव एक आदेश पारित करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें न्यायमूर्ति भट्ट न्यायमूर्ति वैष्णव से असहमत प्रतीत होती दिखाई दे रही हैं। इसपर न्यायमूर्ति वैष्णव को यह कहते हुए सुना जा सकता है, तो आप अलग हैं। हम एक दूसरे से अलग हैं, हम दूसरे में अलग हो सकते हैं। न्यायमूर्ति भट्ट ने तब कहा, यह अलग होने का सवाल नहीं है। जिस पर जस्टिस बीरेन ने कहा, तो आप बड़बड़ाओ मत, आप एक अलग आदेश पारित करें। हम और अधिक मामले नहीं ले रहे हैं। इसके बाद वह उठे और यह कहते हुए अदालत कक्ष से बाहर चले गए कि पीठ आगे के मामलों की सुनवाई नहीं कर रही है। गुजरात उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों के बीच अदालत कक्ष के अंदर तीखी नोकझोंक कोर्ट रूम के अंदर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। गुजरात उच्च न्यायालय में हाल ही में एक मामले के संबंध में असहमति को लेकर खुली अदालत में दो न्यायाधीशों के बीच तीखी नोकझोंक 23 अक्टूबर, सोमवार को हुई थी।

दोनों जजों के बीच ये हुई बातें

न्यायमूर्ति वैष्णव ने उप न्यायाधीश से कहा, आप अलग हैं यार। आप एक मामले में अलग हैं, (इसलिए) यहां भी अलग हैं। इस पर जस्टिस भट्ट ने जवाब दिया,

यह अलग होने की बात नहीं है।

न्यायमूर्ति वैष्णव ने कहा, फिर एक अलग आदेश पारित करें। बड़बड़ाओ मत। इसके बाद न्यायमूर्ति वैष्णव उठे और यह कहते हुए अदालत कक्ष से चले गए कि पीठ आगे किसी मामले की सुनवाई नहीं करेगी। इस बहस के तुरंत बाद, संबंधित पीठ के लाइव स्ट्रीम किए गए वीडियो को यूट्यूब से हटा दिया गया।

पूर्व सीएम हरीश रावत हुए हादसे का शिकार

डिवाइडर से टकराई कार; तीन घायल

हल्द्वानी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए। मंगलवार देर रात हल्द्वानी से काशीपुर जाते समय बाजपुर में पूर्व सीएम हरीश रावत की कार डिवाइडर से टकरा गई।हादसे में पूर्व सीएम की कमर व गर्दन में चोट आई। जबकि एक सहयोगी के हाथ और दूसरे के पैर में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद पूर्व सीएम संग दो अन्य घायल भी काशीपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे थे। पूर्व सीएम हरीश रावत मंगलवार को हल्द्वानी पहुंचे थे। जिसके बाद वह देर शाम काशीपुर को जा रहे थे। बाजपुर में उनकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। वाहन में पूर्व सीएम के अलावा सहयोग अजय शर्मा व कमल रावत भी सवार थे।

पूर्व सीएम को आई हल्की चोट

हादसे में पूर्व सीएम की गर्दन व कमर में हल्की चोट आई। जबकि अजय के हाथ और कमल के पैर में चोट आई। रात में सभी उपचार के लिए काशीपुर स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में पहुंचे थे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज भी हो गए।

अवैध संबंध के शक में की पत्नी की हत्या

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक व्यक्ति ने अवैध संबंध के शक में 35 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान चांद बाग इलाके की रहने वाले शबनम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात 12:46 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को दयालपुर थाने में हुई घटना के संबंध में कॉल मिली। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि आरोपी उम्मीद (40) और शबनम चांद बाग के ई-ब्लॉक में किराए पर रहते थे। उनकी शादी को सात साल हो गए। उम्मीद बढ़ई का काम करता है। पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा, "घटना वाले दिन दंपति की जमकर लड़ाई हुई। इस बीच उम्मीद ने अपनी पत्नी का गला घोंट दिया। उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

एकनाथ शिंदे के वार पर संजय राउत का पटलवार, कहा- वो खुद हमास हैं

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को लेकर पूरी दुनिया में ही अलग माहौल देखने को मिल रहा है। इस संघर्ष पर भारत में भी जमकर राजनीति हो रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए कहा कि वो सत्ता के लिए हमास और हिज्बुल से भी गठबंधन कर सकते हैं। अब इस पर राज्यसभा सांसद संजय राउत ने जवाब दिया है। संजय राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे खुद हमास हैं। उन्होंने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा, "एकनाथ शिंदे के इस बयान से पता चलता है कि बीजेपी ने आपके दिमाग में कितने गंदे कीड़े डाल दिए हैं।" दरअसल, मंगलवार को आजाद मैदान में दशहरा रैली को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा, "वे अपने स्वार्थी उद्देश्यों और कुर्सी के लिए हमास, हिज्बुल मुजाहिद्दीन और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठन को भी गले लगा सकते हैं।"

संजय राउत ने किया पलटवार

एकनाथ शिंदे के इस बयान पर पलटवार करते हुए संजय राउत ने कहा, "ये खुद भी हमास ही है। मैं उसका नाम नहीं लेना चाहता क्योंकि वो हमारे लिए महत्व नहीं रखता है। उसके दिमाग में हमास भरा है। ये बातें 2024 में करें, जब आप सत्ता में

नहीं होंगे।" संजय राउत ने आगे कहा, "लोकतंत्र में संघीय राज्य का क्या मतलब है? प्रधानमंत्री एक नया शगूफा लेकर आए हैं और मुख्यमंत्रियों से अपने राज्यों को मजबूत करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन वे उन राज्यों में क्षेत्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं जहां भाजपा सत्ता में नहीं है। जातिवाद और क्षेत्रवाद के लिए कौन जिम्मेदार है?"

मुख्यमंत्री शिंदे की दशहरा रैली से लौट रही बस हुई हादसे का शिकार, 10 लोग घायल

ठाणे, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली से लोगों को लेकर वापस लौट रही एक निजी बस ठाणे जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे लगभग दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना रात करीब साढ़े बारह बजे शाहपुर के पास मुंबई-नासिक राजमार्ग पर कोलंबे पुल पर हुई। एक ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मार दी जिसके बाद बस डिवाइडर पर चढ़ गई। इस दौरान एक अन्य बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं जिसमें से दो की हालत गंभीर है। पुलिस को रास्ते से बसों को हटाने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी। ठाणे ग्रामीण पुलिस कंट्रोल रूम के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई से मुख्यमंत्री शिंदे की रैली से लौट रही बस में करीब 20 लोग सवार थे। यह बस नासिक जिले में सिलोद जा रही थी। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल जे जाया गया।

अदालत ने पति की अपील की खारिज

कहा- 'पत्नी-बच्चे को देना होगा गुजारा भत्ता'

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के एक शख्स ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में याचिका दायर की थी। याची ने अदालत से गुजारिश की थी कि पत्नी और बच्चे को गुजारा भत्ता देने के मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले पर रोक लगाई जाए, लेकिन अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश याची की अपील को खारिज करते हुए कहा कि घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम के तहत अंतरिम भरण-पोषण के प्रावधान का इरादा अदालत को ऐसे निर्देश पारित करने का अधिकार देता है, जो वह उचित और ठीक समझे। बता दें कि मजिस्ट्रेट अदालत ने इस साल मार्च में महिला और उसके नाबालिग बच्चे को अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

पति ने इस आधार पर खर्चा देने से किया था इनकार

दरअसल, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल पाहुजा एक व्यक्ति की उस अपील पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें मजिस्ट्रेट के आदेश पर आपत्ति जताई गई थी। व्यक्ति ने दावा किया है कि वह प्रति माह 12,500 रुपये कमा रहा है, इसलिए वह अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं दे सकता। इस मामले में मजिस्ट्रेट अदालत ने व्यक्ति को अपनी पत्नी और नाबालिग बच्चे को 3,000 रुपये प्रतिमाह देने का निर्देश दिया था।

गुजरा भत्ता देना पति का कर्तव्य

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल पाहुजा ने इस मामले की सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा, ''अंतरिम भरण-पोषण के प्रावधान का आशय यह है कि कानून अदालत को ऐसे अंतरिम आदेश पारित करने का अधिकार देता है, जो वह उचित और ठीक समझे। घरेलू हिंसा के कारण पीड़ित व्यक्ति को वित्तीय संकट से बचाने और उसके भरण-पोषण के लिए मौद्रिक राहत प्रदान की जाती है।'' न्यायाधीश विशाल पाहुजा ने आगे कहा कि अपीलकर्ता पति है, जिसका कर्तव्य अपनी पत्नी और बच्चे के भरण-पोषण करने का है। इसलिए, उसकी आय को उसके और उसकी पत्नी तथा नाबालिग बच्चे के बीच विभाजित किया जाना चाहिए, जो इस मामले में उपयुक्त है।'' सत्र अदालत भी मजिस्ट्रेट के इस निष्कर्ष से सहमत थी कि पति प्रति माह 12,500 रुपये से अधिक कमा रहा था और उसे अपनी पत्नी को बतौर गुजारा भत्ता 3 हजार रुपये देने चाहिए।

डांडिया नाइट में युवती से नंबर मांग रहे थे 2 युवक, विरोध कर रहे पिता की मौत

फरीदाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद के सेक्टर-87 में प्रिंसेस सोसाइटी में डांडिया डांस का कार्यक्रम बवाल हो गया। इस दौरान एक शख्स की मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, डांडिया नाइट के चलते प्रिंसेस सोसाइटी में कार्यक्रम था। सोसाइटी और आसपास के लोगों को कार्यक्रम में बुलाया गया था। परिजनों ने बताया कि डांडिया डांस के दौरान दो युवक उनकी 25 वर्षीय बेटी का नंबर मांग रहे थे, जिसका विरोध किया गया। दोनों युवकों ने युवती के माता-पिता और भाई के साथ धक्का मुक्की किया, इस दौरान युवती के पिता को धक्का लगा और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गए। परिजनों ने उन्हें उठाकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अब दिल्ली की आबोहवा में पीएम 2.5 का बढ़ा खतरा, गोपाल राय बोले- 'ये है वजह'

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली वालों को दो दिनों के दौरान वायु प्रदूषण से आंशिक राहत मिली है, लेकिन इससे लोगों को निश्चिंत होने की जरूरत नहीं है। ऐसा इसलिए कि दिल्ली की आबोहवा में पीएम 10 की मात्रा में कमी भले ही आई है, लेकिन पीएम 2.5 की मात्रा में बढ़ोतरी परेशानी बढ़ाने वाली है। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा है कि डेटा का विश्लेषण का काम जारी है। फिलहाल, दिल्ली में पीएम 10 की मात्रा में कमी हमारे लिए राहतभरी खबर है।

पीएम 2.5 में बढ़ोतरी की ये है वजह

उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में वायु प्रदूषण विरोधी अभियान की वजह से ऐसा हुआ हुआ है, लेकिन सभी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने ये भी कहा है कि पीएम10 का लेवल भले ही नीचे जा रहा है, लेकिन पीएम 2.5 का लेवल ऊपर जा रहा है। वाहनों से होने वाला प्रदूषण और बाहर बायोमास जलाने से होने वाला प्रदूषण इसमें प्रमुख भूमिका निभाता है।

रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ

गोपाल राय ने कहा कि पीएम 2.5 में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए हमने 26 अक्टूबर से शुरू होने वाले जन जागरूकता अभियान 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' की तैयारियों के संबंध में दिल्ली सचिवालय में एक बैठक बुलाई है। इस योजना के तहत रेड लाइट पर गाड़ियों का इंजन बंद रखने पर फोकस किया गया है। इसके लिए निजी वाहन चालकों को प्रेरित किया जाएगा।

इनके खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के मुताबिक आम आदमी पार्टी की सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ग्रैप-2 नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विंटर एक्शन प्लान पर अमल जारी है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 300 पार कर चुका है। सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण भी बढ़ेगा। इससे निपटने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने जनता से भी सहयोग की अपील की है।

'पांचों राज्यों में बनेगी कांग्रेस की सरकार', खडगे ने किया दावा

बीजेपी और पीएम मोदी को लेकर कही ये बड़ी बात

कलबुर्गी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बीजेपी और केंद्रीय की मोदी सरकार पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा, "पांच राज्यों में चुनाव की तैयारियां सही चल रही हैं। हमें पूरा भरोसा है कि हम पांचों राज्यों में जीत हासिल करेंगे। बीजेपी के लिए सत्ता विरोधी लहर है। लोग महंगाई और बेरोजगारी से नाराज हैं। बीजेपी अपने किसी भी वादे पर खरी नहीं उतरी है। कर्नाटक के कलबुर्गी पहुंचे मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा, अशोक गहलोत राजस्थान में तो भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ में अच्छा काम कर रहे हैं। वहां कोई मुद्दा नहीं है। एमपी में शिवराज सिंह चौहान के कारण समस्याएं हैं। लोग उनके खिलाफ हैं। इसलिए, हमें उम्मीद है कि हम सभी पांच राज्यों में अपनी सरकार लाएंगे और सब कुछ ठीक हो जाएगा।"

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मुद्दे अलग-अलग

क्या 5 राज्यों के चुनाव 2024 के आम चुनावों से पहले सेमीफाइनल होंगे? इस सवाल के जवाब पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। हर राज्य के अलग-अलग चुनावी मुद्दे होते हैं, उन्हीं के हिसाब से वोटिंग होती है। लोकसभा चुनाव विधानसभा चुनावों से अलग होते हैं। पीएम मोदी हर चुनाव में लोगों से उन्हें चुनने के लिए मतदान करने को कहते हैं। पर लोग स्थानीय नेताओं को वोट देते हैं, जिन्होंने उनके लिए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम किया है।

'भाजपा ने पूरे नहीं किए अपने वादे, लोग परेशान'

मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा, हमारे लोग हर जगह काम कर रहे हैं, हमें उम्मीद है कि हम पांच राज्यों में जरूर जीतेंगे। बीजेपी के खिलाफ एक विरोधी लहर भी है, लोग तंग हो गए हैं। बेरोजगारी से लोग परेशान हो गए हैं। भाजपा ने जो वादे किए थे, वे निभाए नहीं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान से लोगों को परेशानी है और लोग उनके खिलाफ बोल रहे हैं।"

'कर्नाटक सरकार को कुछ समय देने की जरूरत'

कर्नाटक के मुद्दे पर खडगे ने कहा कि सरकार को कुछ समय देना चाहिए और चुनाव के लिए किसी सरकार को बदनाम करना अच्छा नहीं है। ये इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के छापे वहीं चलते हैं जहां बीजेपी कमजोर होती है। ऐसा वर्षों से चल रहे है, जहां भाजपा कमजोर होती है तो आईटी की छापेमारी शुरू करा देती है।

खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल के पिता को अमृतसर हवाई अड्डे पर रोककर वापस घर भेजा

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल के पिता को आज उस समय हवाई अड्डे पर रोक लिया गया, जब वह कतर जाने की तैयारी में थे। हवाई अड्डा धिकारियों तथा पुलिस ने बुधवार को करीब एक घंटा पूछताछ के बाद उन्हें वापस घर भेज दिया। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह बुधवार की सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह किसी काम से कतर जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें कतर जाने की अनुमति नहीं मिली। इससे पहले अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप को भी अमृतसर एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोका था। यहां पूछताछ के बाद किरणदीप को घर भेज दिया था। अमृतपाल ने 23 फरवरी को अपने एक समर्थक की रिहाई के लिए पंजाब के अमृतसर जिले में अजनाला पुलिस थाने पर हमला किया था। उसके बाद से वह पुलिस के रडार पर आ गया था।

चुनाव के बीच मिजोरम के सीएम क्यों दिखा रहे बीजेपी को तेवर? पीएम मोदी के साथ स्टेज शेयर करने तक को राजी नहीं

मिजोरम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और इस बीच मुख्यमंत्री जोरमथंगा के तेवर सख्त नजर आ रहे हैं। वो बीजेपी से नाराज चल रहे हैं और खुलकर बयान दे रहे हैं। हालांकि, एमएनएफ और बीजेपी का मिजोरम में गठबंधन नहीं है लेकिन केंद्र में एमएनएफ एनडीए के साथ है। इसके अलावा, नॉर्थ ईस्ट के गठबंधन ग्रुप नेडा में भी एमएनएफ शामिल है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि बीजेपी के साथ होने के बावजूद एमएनएफ की तरफ से ऐसे तेवर क्यों दिखाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जोरमथंगा बीजेपी को घेरने के लिए मणिपुर की घटना को आधार बना रहे हैं। तल्खी इतना ज्यादा है कि पीएम मोदी के मिजोरम दौरे से पहले सीएम जोरमथंगा ने ये तक कह दिया कि वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ चुनाव प्रचार नहीं करेंगे।उनका कहना है कि मिजोरम में ज्यादातर लोग ईसाई हैं और मणिपुर में जो कुछ हुआ उससे यहां के लोगों में आक्रोश है। अगर प्रधानमंत्री के साथ मंच शेयर किया तो एमएनएफ को चुनाव में नुकसान होगा। जोरमथंगा ने कहा कि पीएम मोदी जब चुनाव प्रचार के लिए मिजोरम आएंगे तो मैं उनके साथ मंच शेयर नहीं करूंगा।

पीएम मोदी 30 अक्टूबर को जाएंगे मिजोरम

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 30 अक्टूबर को मिजोरम का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी मिजोरम-त्रिपुरा-बांग्लादेश बॉर्डर पर स्थित ममित जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले जोरमथंगा के बयान से मिरोजम की सियासत में हलचल मच गई है। दोनों गठबंधन पार्टियों के बीच नाराजगी का असर उम्मीदवारों की सूची में भी नजर आ रहा है।

बीजेपी ने जारी की 21 उम्मीदवारों की लिस्ट

मिजोरम चुनाव के लिए बीजेपी ने 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। इस लिस्ट में बीजेपी ने उन नेताओं को भी टिकट दिए हैं जो एमएनएफ के रहे हैं। बीजेपी ने मिजो नेशनल फ्रंट के दो पूर्व नेताओं लालरिनलियाना सेलो और दुर्ज्या धन चकमा को टिकट दिया है। ये दोनों नेता हाल ही बीजेपी में शामिल हुए थे। वहीं, मिजोरम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष सेलो ममित से चुनाव लड़ेंगे जबकि चकमा बीजेपी ने तुइचावंग से मैदान में उतारा है। 21 उम्मीदवारों की इस सूची में एमएनएफ के चार नेता शामिल हैं।एमएनएफ वो पार्टी है जो नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) का हिस्सा है। ये वो गठबंधन है जिसका नेतृत्व बीजेपी ही करती है। इसके अलावा, केंद्र में भी एमएनएफ एनडीए के साथ है। हालांकि, राज्य में दोनों पार्टियों का गठबंधन नहीं है।

दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने 328 किलोग्राम मादक पदार्थ, 80 लाख विदेशी सिगरेट का किया निपटान

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किए गए करीब 294 करोड़ रुपये मूल्य के 328 किलोग्राम मादक पदार्थों और विदेशी मूल की सिगरेट का बुधवार को निपटान किया। एक विशेष अभियान 3.0 के तहत दिल्ली सीमा शुल्क निवारक क्षेत्र ने 80 लाख सिगरेट, 286 किलोग्राम खट पत्तियां, 29 किलोग्राम हेरोइन, छह किलोग्राम कोकीन और सात किलोग्राम एम्फेटामाइन का निपटान किया। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि आज 328 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया जा रहा है। इसकी कीमत 284 करोड़ रुपये है। विदेशी 80 लाख सिगरेट जो आज नष्ट की जा रही हैं, उनकी कीमत 9.85 करोड़ रुपये है। इन मादक पदार्थों का निपटान जहांगीरपुरी में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा अधिकृत जैविक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा में किया जा रहा है।

कांग्रेस ने सीएम शिंदे के उद्धव पर किये हमले का दिया जवाब

कहा- चुनाव करा लें, पता चल जाएगा कि कौन असली है और कौन नकली

नागपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा उद्धव ठाकरे की आलोचना पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है। महाविकास अघाड़ी के प्रमुख नेता उद्धव ठाकरे पर सीएम शिंदे के हमले पर कांग्रेस ने कहा कि अगर उन्हें खुद पर इतना ही भरोसा है तो चुनाव करा लें, पता चल जाएगा कि जनता के बीच कौन असली शिवसेना का हकदार है। दरअसल मुख्यमंत्री शिंदे ने उद्धव पर कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने और शिवसेना की विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया था, जिसके बाद से सूबे कि सियासत में भारी तुफान उठ रहे है। सीएम शिंदे के बयान पर महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने कहा, अगर सीएम शिंदे में हिम्मत है तो राज्य में चुनाव करा लें। उसके परिणाम से पता चल जाएगा कि किसके पास महाराष्ट्र की जनता का समर्थन है और किसके पास शिवसेना की विचारधारा है। कांग्रेस नेता वडेट्टीवार की प्रतिक्रिया तब आई जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बीते मंगलवार को अपने पूर्व प्रुख उद्धव ठाकरे पर जबरदस्त हमला करते हुए कहा, उद्धव ठाकरे ने केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शिवसेना के मूल हिंदुत्व के सिद्धांतों को त्यागकर मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ हाथ मिला लिया था। सीएम शिंदे के बयान पर नेता प्रतिपक्ष वडेट्टीवार ने कहा, "एकनाथ शिंदे यह सब उद्धव ठाकरे को मिल रहे समर्थन के कारण कह रहे हैं। उन्हें चुनाव की घोषणा करनी चाहिए और तब उन्हें पता चलेगा कि कौन असली है और कौन डुप्लिकेट है।" आरोप-प्रत्यारोप के इस दौर में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे किसी के साथ हाथ मिला सकते हैं। उन्होंने कहा, ठाकरे सत्ता के लिए एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, यहां तक कि लश्कर-ए-तैयबा या हमास के साथ भी समझौता कर सकते हैं। शिंदे ने उद्धव पर हमला करते हुए कहा, लोग जानते हैं कि आज क्या हो रहा है। हमारे संस्थापक नेता बालासाहेब ठाकरे ने आजीवन अपने आदर्शों से समझौता नहीं किया। लेकिन उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लोभ में कांग्रेस से हाथ मिला लिया। वो आज उन लोगों के साथ मंच साझा कर रहे हैं, जिन्हें बालासाहेब ने हमें हमेशा दूर रखा।

सुविचार
मन की बात कह देने से फैसले हो जाते हैं, मन में रखने से फासले हो जाते हैं !

कई अन्य नेता कांग्रेस में शामिल होंगे : सांसद वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज अपने छोटे भाई कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के भाजपा से इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने भाई के इस्तीफे की घोषणा के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि उनके भाई राजगोपाल रेड्डी जैसे और भी नेता आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे क्योंकि राज्य के लोगों ने बदलाव का अनुभव करने का मन बना लिया है। नलगोंडा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए वेंकट रेड्डी ने नलगोंडा के लोगों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''मैं यहां के लोगों का आभारी हूं।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक राज्य में विधानसभा चुनाव जीता है और कहा कि कांग्रेस राज्य सरकार कर्नाटक में लोगों से किए गए वादों को लागू कर रही है। वेंकट रेड्डी ने कहा कि पार्टी उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करने के लिए पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक बुधवार को होगी। उन्होंने कहा कि सूची गुरुवार को जारी की जाएगी, जबकि यह देखते हुए कि उन्हें अधिक संख्या में पार्टी नेताओं से प्रतिस्पर्धा के कारण छह विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मेदिगड्डा बैराज के ढहने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कालेश्वरम परियोजना में कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग की थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में वाम दलों को चार विधानसभा सीटें आवंटित करने की योजना बना रही है।

कांग्रेस व बीजेपी के 300 कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल

आदिलाबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस उम्मीदवार जोगू रमन्ना ने कहा कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश में कांग्रेस और केंद्र में भाजपा की सरकारों ने जनता को असुविधाएं पहुंचाई थीं, लेकिन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कई नवीन कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करके नागरिकों का समर्थन किया। बुधवार को यहां कांग्रेस और भाजपा के 300 कार्यकर्ताओं का बीआरएस में स्वागत करने के बाद रमन्ना ने कहा कि दोनों पार्टियों के शासन ने जनता का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। हालाँकि, चन्द्रशेखर राव ने उत्कृष्ट कल्याणकारी योजनाएँ पेश कीं और लोगों को कांग्रेस और भाजपा के कारण उत्पन्न संकट से उबरने में मदद की। उन्होंने कल्याण लक्ष्मी, रायथु बंधु, केसीआर किट्स आदि योजनाओं का हवाला दिया। बीआरएस द्वारा घोषित घोषणापत्र में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए नवीन योजनाएं हैं।

राजनीतिक समझ पर कांग्रेस से बातचीत जारी : नारायण

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज कहा कि आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के साथ राजनीतिक समझौते पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस पार्टी ने अपनी राष्ट्रीय समिति से कहा है कि वह उनकी पार्टियों के लिए दो विधानसभा सीटें देगी। उन्होंने कहा कि दो विधानसभा सीटों में से एक सामान्य सीट है और दूसरी एससी आरक्षित सीट है और इस मुद्दे पर जल्द ही औपचारिक घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में सार्वजनिक घोषणाएं हुई हैं और हर पार्टी के अलग-अलग विचार हैं और एक बार पार्टी निर्णय ले लेती है, तो हमें उम्मीद है कि हर कोई इसका पालन करेगा। उन्होंने कहा कि उनकी राय है कि कोई भी नेता कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों से बाहर नहीं जाएगा।

नारायण बुधवार को सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव सैयद अजीज पाशा, कार्यकारी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी और राज्य सचिवालय सदस्य ईटी नरसिम्हा के साथ हैदराबाद के मकदूम भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ''पीएम मोदी किसी भी कीमत पर पांच राज्यों में चुनाव जीतने के लिए विकृत गतिविधियों में लिप्त हैं। वे सत्ता पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, भले ही इसका मतलब अनैतिक कार्य करना हो। उन्होंने कहा कि जहां भी सीपीआई ने समायोजन किया है, वहां अपने दम पर चुनाव लड़ रही है और जहां कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं है, वहां स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है।

नारायण ने आरोप लगाया कि एमआईएम ऐसे काम कर रही है जैसे कि बीआरएस, एमआईएम और बीजेपी एक ही पार्टियां हैं और उन्होंने कहा कि एमआईएम बीजेपी की जीत सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस का भाजपा के साथ राजनीतिक समझौता भी है।

सीपीआई टीम आज मेदिगड्डा का दौरा करेगी इस बीच, सीपीआई का एक प्रतिनिधिमंडल आज मेदिगड्डा बैराज के ढहने की जगह और उसके घाटों का निरीक्षण करने जाएगा। पार्टी नेता चाडा वेंकट रेड्डी ने आरोप लगाया कि बैराज टूटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है. प्रतिनिधिमंडल में डॉ. के. नारायण, सैयद अजीज पाशा शामिल होंगे। यह मनेयर केबल ब्रिज का भी निरीक्षण करेगा, जो हाल ही में करीमनगर में क्षतिग्रस्त हो गया था।

एसवीपीएनपीए में आईपीएस अधिकारियों की पासिंग आउट परेड कल

समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगी

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परिवीक्षाधीनों के 75 आरआर बैच की पासिंग आउट परेड आयोजित करने के लिए तैयार है। आज यहां अकादमी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, एसवीपीएनपीए के निदेशक ए.एस. राजन ने बताया कि दीक्षांत परेड में 155 आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षु और 20 विदेशी प्रशिक्षु अधिकारी सहित कुल 175 अधिकारी प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का विवरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि शुक्रवार 27 सितंबर को केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे और परेड की समीक्षा करेंगे। महिला अधिकारी प्रशिक्षुओं की उपस्थिति के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दीक्षांत परेड में 34 महिला अधिकारी भाग ले रही हैं, जिनमें 32 आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षु और दो विदेशी अधिकारी प्रशिक्षु शामिल हैं। विदेशी अधिकारी प्रशिक्षुओं में छह अधिकारी भूटान से, पांच मालदीव से, पांच नेपाल से और चार मॉरीशस पुलिस से हैं। प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए अधिकारी प्रशिक्षुओं की सराहना करते हुए, एसवीपीएनपीए निदेशक ने कहा कि पूरे 102 सप्ताह के प्रशिक्षण में एलबीएस एनएए, मसूरी में 15 सप्ताह का फाउंडेशन कोर्स प्रशिक्षण और एसवीपी एनपीए, हैदराबाद में 49 सप्ताह का चरण- I बेसिक कोर्स शामिल था। इसके बाद संबंधित कैडर/राज्यों में 29-सप्ताह का जिला व्यावहारिक प्रशिक्षण और एसवीपीएनपीए में 09-सप्ताह का चरण- II बेसिक कोर्स आयोजित किया गया। निदेशक ने यह भी कहा, प्रशिक्षण में व्यवहारिक प्रशिक्षण, नैतिकता और मानवाधिकारों के महत्व पर जोर दिया गया, जिनकी बदलती दुनिया में अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए बहुत आवश्यकता है। हमने युवा अधिकारियों को सफेदपोश अपराध, साइबर अपराध आदि जैसे क्षेत्रों में आधुनिक समय की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की पद्धति को बदल दिया है। विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं पर अधिक ध्यान देने के साथ व्यावहारिक और व्यवहारिक दृष्टिकोण पर अधिक जोर दिया गया है।

वरंगल सीपी ने हसनपर्ती थाने का निरीक्षण किया

हनमकोंडा, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल सीपी अंबर किशोर झा ने बुधवार को हसनपर्थी पुलिस स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने थाने के आसपास का निरीक्षण किया और अधिकारियों व कर्मचारियों के कामकाज के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आगामी विधानसभा चुनावों के सुचारू संचालन के लिए बरती जाने वाली सावधानियों और उपायों के बारे में सलाह दी। काजीपेट एसीपी डेविड राज, इंस्पेक्टर गोपी और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

11 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वाध्यायी परिवार पाण्डुरंग नगर अलापुर शाखा ने भानुदया हाईस्कूल, अत्तापुर के प्रागंण में परम पूज्य पाण्डुरंग शास्त्री जी आठवलेजी निर्वाण दिवस पर गायत्री परिवार हैदराबाद के साथ मिलकर 11 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न किया। समाजसेवी धर्माराम ढाका द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस महायज्ञ में लगभग 150 स्वाध्यायी परिवार एवं गायत्री परिवार के परिजनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। गायत्री परिवार हैदराबाद के समस्त गुरु भाईयों ने गुरु कार्य को बड़ी निष्ठा के साथ सहयोग किया। गायत्री परिवार के बलदेव सिंह लोध व स्वाध्याय परिवार के लालसिंह लोध ने दोनों संस्थान को मिलकर कार्यक्रम की रुपरेखा नये परिजनों को जोड़ने से परिचित कराने में सार्थक सिद्ध हुई। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना से की गयी। प्रथम चरण देव आह्वान व गोकुलचंद उपाध्याय ने भगवन्नाम संकिर्तन से सभी को मंत्र मुग्ध किया। द्वितीय चरण में गायत्री मंत्र की आहुतियां व सभी दैवीय शक्तियों की आहुतियां प्रदान की गयी अंतिम चरण मे पुर्णाहुति व आरती के साथ कार्यक्रम समापन हुआ। गोकुलचंद उपाध्याय, विनोद चौरसिया व नरेश कुमार साहू ने संगीत और कर्मकांड से इस यज्ञ का संचालन किया। सर्वतोभद्र, पंचवेदी, पूजन आदि की आकर्षक पद्धति से सारे लोग प्रभावित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्दरराज पटेल, हेंमत सिंह, ओमप्रकाश व पूरी टीम ने पूरा सहयोग दिया। स्वाध्याय परिवार के ठाकुर अमित सिंह, राजु पंडरे, आकाश पांचगे, मारुति दामब्रे, शीवाजीराव नायक, देवेन्द्र नायक, राजेन्द्र सिह व सभी साधकों का सहयोग रहा।

सुनीता लक्ष्मा रेड्डी नरसापुर से विधायक उम्मीदवार व मदन रेड्डी मेदक से सांसद उम्मीदवार घोषित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने आगामी विधानसभा चुनावों में नरसापुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी की उम्मीदवारी की घोषणा की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मौजूदा विधायक चौधरी मदन रेड्डी मेडक संसदीय क्षेत्र से कोठा प्रभाकर रेड्डी की जगह चुनाव लड़ेंगे, जो दुब्बाका से बीआरएस विधायक उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई बीआरएस पार्टी कोर कमेटी की बैठक में इस संबंध में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बाद में, बीआरएस प्रमुख ने वित्त मंत्री टी हरीश राव और मदन रेड्डी की उपस्थिति में सुनीता लक्ष्मा रेड्डी को बी-फॉर्म सौंपा।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने पार्टी की स्थापना के बाद से लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए मदन रेड्डी की सराहना की। उन्होंने अपने करीबी रिश्ते को याद किया और उनकी तुलना भाई से की। उन्होंने कहा कि मदन रेड्डी को मेडक सांसद उम्मीदवार के रूप में नामित करने का निर्णय पार्टी के दृष्टिकोण के अनुरूप किया गया है।

मदन रेड्डी एक गैर-विवादास्पद नेता हैं जो पूर्ववर्ती मेदक जिले में लोकप्रिय हैं, इसलिए, उन्हें नरसापुर निर्वाचन क्षेत्र तक सीमित नहीं रखने का निर्णय लिया गया। मैं मदन रेड्डी की वरिष्ठता और सेवा को मान्यता देने के लिए कोर कमेटी को धन्यवाद देता हूं। मैं सुनीता लक्ष्मा रेड्डी को अपना समर्थन देने के लिए मदन रेड्डी की भी सराहना करता हूं, उन्होंने कहा। उन्हें विश्वास था कि पार्टी कैडर पार्टी के भीतर रणनीतिक समायोजन के संबंध में मिलकर काम करेगा।

मूसापेट में एक शाम गौमाता के नाम जागरण कल

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री संकटमोचन हनुमान गौ सेवा ट्रस्ट, मूसापेट के तत्वावधान में गौ सेवार्थ "एक शाम गौमाता के नाम' जागरण का आयोजन शुक्रवार 27 अक्टूबर को रात्रि 9:15 बजे से श्री संकटमोटन हनुमान मंदिर, गुड्स शेड रोड, मूसापेट में किया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। विज्ञप्ति अनुसार कार्यक्रम के अन्तर्गत गौभक्त, सुप्रसिद्ध भजन सम्राट डॉ. ओमजी मुंडेल, डिगरना गौ भजन प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त गरबा-डांडिया रात्रि 7:15 बजे से 9:15 बजे तक तथा महाप्रसादी सायं 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया जायेगा। विज्ञप्ति में श्री संकटमोचन हनुमान गौ सेवा ट्रस्ट ने छत्तीस कौम के गौभक्तों व प्रवासी बन्धुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर दर्शन, भजन एवं कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है।

निरंजन ने चुनाव ड्यूटी कर्मचारियों से डाक मतपत्र सुविधा का लाभ उठाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष ने आज कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने अधिसूचित किया है कि आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्ति और वे मतदान के दिन ड्यूटी पर होंगे। तेलंगाना में विधान सभा के वर्तमान आम चुनाव में डाक मतपत्र द्वारा वोट देने के लिए व्यक्तियों के एक वर्ग की अधिसूचना 3 नवंबर को निर्धारित की जाएगी। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, भारतीय खाद्य निगम, भारतीय रेलवे, प्रेस सूचना ब्यूरो, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो, बिजली विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राज्य परिवहन निगम, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, बीएसएनएल, मतदान दिवस के लिए ईसीआई द्वारा अधिकृत मीडिया व्यक्ति कवरेज और अग्निशमन सेवा के लोग ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। मतदाताओं की अधिसूचित श्रेणियों के विभागों को तदनुसार सूचित किया जा सकता है और ऐसे मतदाताओं को डाक मतपत्र सुविधा के प्रयोजन के लिए "नोडल अधिकारी" नामित करने के लिए कहा जा सकता है। नोडल अधिकारी को सुविधा और उसके द्वारा निभायी जाने वाली जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी जा सकती है। चुनाव संचालन नियम, 1961 से जुड़े फॉर्म 12 डी की प्रतियां नोडल अधिकारी को उपलब्ध हो सकती हैं। नोडल अधिकारी को संबंधित मतदाताओं को सुविधा के बारे में सूचित करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी इन विभागों के उन सभी कर्मचारियों से अनुरोध करती है, जो मतदान के दिन ड्यूटी पर हैं, वे पोस्टल बैलेट के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अपने संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी के पास अपना पंजीकरण करा लें।

छत से गिरकर अधेड़ की मृत्यु

भैंसा, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल वालेगांव निवासी की टीनो की छत से गिरकर मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगो से प्राप्त सूचना अनुसार कांबले मारुति 40 वर्षीय अधेड़ अपने घर पर कोई काम से टीनो की छत पर चढ़ा और वह छत सहित गिर गया उसे उपचार हेतु भैंसा हस्पताल लेजाते समय रास्ते उसकी मृत्यु हो गई।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE COURT, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
S.O.P. No. 89 OF 2023
Between:
Pramila Bai @ Pramila ...Petitioner
AND
The Assistant General Manager, (MM-III) Office of the Chief General Manager Telecom, Department of Telecommunications, Telangana, Hyderebad & all others ...Respondents
NOTICE
The public in general are hereby informed that my client, Miss Pramila Bai alias Pramila, D/o. Narayan Singh, Aged about 67 years, Occ: Household, R/o. H.No.13-5-164/3, LK Nagar, Amlapur, Karwan, Asifnagar, Hyderabad, has filed S.O.P. No. 89 of 2023 before Hon'ble Ist Senior Civil Judge Court City Civil Court at Hyderabad with a relief to grant the death benefits of her deceased brother Raja Singh s/o. Narayan Singh,who was working as employee in the Respondent No.1 office. Miss Pramila Bai alias Pramila is the only Class II legal heir/ nominee of late. Raja Sing who died on 01-09-2017 as such she has filed the above succession case. The said case stands posted on 28-11-2023, as such if anyone has any claim in the above case then the person is hereby called upon to be present on the said date at 10:30 am without fail. If not, then further steps will be taken and the case will be decided as per rules.
(BY ORDER OF THE HON'BLE COURT)
Sd/- KATIKA RAVINDER REDDY
ROHIT MODI, Advocates,
O/o.Flat No.201, II Floor, Abhishrey Abode Apartments, Guttalabegumpet, Kavuri Hills, Hyderabad. Ph.No.98489-336081

'आप और हम' की वर्ष 2023-25 के लिए नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी व हरियाणा समाज के सशक्त संगठन 'आप और हम' की वर्ष 2023-25 की कार्यकारिणी का गठन किया गया। राजस्थानी स्नातक संघ भवन में 'आप और हम' के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई। इसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन पांड्या, विजय सुराणा, हेमलता शर्मा व शकुंतला नावंदर को बनाया गया। प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल सिंघवी, नवीन अलीजार, हरिकिशन ओझा, पारस दोशी, विनोद संचेती, सपना गुप्ता, योगेश जैन, महावीरप्रसाद कुमावत, मीना कासलीवाल, जगदीशप्रसाद मायछ, चंद्रप्रकाश शंका बने। मंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित, सहमंत्री नवीन जैन, सविता राय सोनी, इंदिरा बजाज, रामू कौशिक, सुरेश लाहटा शर्मा, हर्षा दुधोरिया, शशिकला कोठारी, अरुण कुमार डाकोतिया, मीनाक्षी सिखवाल, परसराम बरफा, नित्या पारीक को बनाया गया। प्रचार मंत्री पंकज शर्मा, सह-प्रचार मंत्री प्रवीण पांड्या, नीतू जैन, राजगोपाल व्यास बने। कोषाध्यक्ष कोमल शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष जितेन्द्र विजयवर्गीय बने। सांस्कृतिक संयोजक की जिम्मेदारी दिलीप डागा को दी गई। कार्यकारिणी में सोहनलाल बिश्नोई, शिवधन बिश्नोई, जगदीश प्रसाद जाखड़, योगेश सिंघी, रामरख जागीण, नारायणलाल, नीरज सुराणा, जयसिंह सुराणा, गिरीराज पोद्दार, गौतमचंद सेन, कुंदनलाल पोद्दार, रमेश मेवाड़ा, धन्नाराम मेवाड़ा, नेमीचंद लखारा, संपत जोशी, खियाराम देवासी, रमेश सांखला, शंकरलाल आन्झण पटेल, विनय जैन, अनिल अग्रवाल, रत्ना गुप्ता, नीलम गुप्ता, शोभा डागा, नारायणलाल कड़ेल, भगवानदास सांखला, प्रकाश जोशी, दूदाराम बाबल, कमल लाहोटी, रमन पटवारी, सावन साबू, खियाराम देवासी, मिलाप खत्री, रतनलाल खत्री, अनिता शर्मा, पारसनाथ, रामपाल देवड़ा, राजेश जांगीड़, दीपा सिंह राजपूत, रमेश सीरवी, छगनलाल नावंदर, घनश्याम बजाज, दिनेश अग्रवाल, ओमप्रकाश असावा, लीला बंग, प्रफुल्ल कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार हिरावत, कालूराम काग, रिंकल गुप्ता, चेनाराम गुर्जर, भीकाराम गुर्जर, चेनाराम चाड़, कैलाश प्रजापति, मिंटू शर्मा, मुकेश नाथ, पारसमल चाणोदिया, अरुण कुमार मुथा, सुरेश कुमार माली, विष्णु रामावत, दिलीप राजपुरोहित, आनंद शर्मा, रेखा उपाध्याय, पद्मावती व्यास, रघुनंदन भट्टड़, संगीता लड्डा, कमलेश प्रजापति, मदन सिंह सांखला, नेमीचंद सुथार, रामदेव सारड़ा, नरेश भूतड़ा, कमल राठी, अनिरुद्ध कांकाणी, ताराचंद भाटी, हनुमान कच्छवाह, सुमन बजाज, निर्मला बजाज, जसराज सोलंकी, अभिषेक बजाज, विजया आन्झना पटेल, शंकरलाल सुथार, नीतू वर्मा, गिरधर अट्टल, सावल आंझणा पटेल, किशनलाल मांडन, मनीष किंकाण, ललित कुमार कड़ेल, सुधीर सेठिया, द्वारका प्रसाद मायछ, सोनाली वर्मा, अविनाश देवड़ा, जुगल किशोर परवाल, जितेंद्र सोनी, श्रीलाल पारीक, रामदेव नागला, सुरेंद्र सुथार, उगमाराम पुनिया, थानाराम बिश्नोई, अमित जैन, हिमांशु बाफना, मनोज तातेड़, कैलाश लड्डा, बीना सारड़ा, अमिता गुप्ता, सोनिया गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, मोहिनी गुप्ता, शेफाली गुप्ता, पूनम गुप्ता, अल्का अग्रवाल, रागिनी गुप्ता, मनीषा अग्रवाल, अनुसूया ओझा, डॉ. रोशनी पिपाड़ा, शैलेंद्र पिपाड़ा, नमिता सिंघी, सरोज नाहटा, हेमंत नैनावल, कुलदीप भंडारी, गिरिराज सिंघी, राजेश रायसोनी, दर्शन गिल्ड़ा, अमित सोलंकी, गिरीज पुगलिया, अमित देशलहरा, भावेश माहेश्वरी, संदीप सिंघी, पवन नाहर, हरीश मुणोत, विक्रम सिंह राठौड़, दीपक गांधी, सुनील हेड़ा, महावीर सेठी, नवरतनमल गुंदेचा व राधिका को शामिल किया गया। समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई गई।

चंगीचेरला स्थित कुमावत सेवा समिति उप्पल के तत्वावधान में माँ भगवती के जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए विशाल श्रीमाली। अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए सरंक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, चेनाराम रेणवाल, अध्यक्ष पारसमल रेणवाल, सचिव बाबुलाल खरनालिया, महामंत्री सीआर कुमावत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

नहीं थम रहा आवारा कुत्तों का आतंक, आगरा में 8 साल की बच्ची को काटा, हुई मौत

आगरा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों से देश के अलग-अलग हिस्सों से आवारा कुत्तों के आतंक की दिल दहलाने वाली खबरें सामने आती रही हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के आगरा में 8 साल की एक लड़की को 2 हफ्ते पहले आवारा कुत्ते ने काट लिया था और शनिवार को उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि लड़की की मां ने 'एंटी-रेबीज वैक्सीन' लगवाने के बजाय कथित तौर पर घरेलू इलाज का इस्तेमाल किया था। बाह ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचयू) के प्रमुख डॉ। जितेंद्र वर्मा ने बताया कि लड़की को अंतिम क्षणों में स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था।

मध्य प्रदेश चुनाव के लिए दरकने लगा इंडिया गठबंधन!

सपा के बाद जेडीयू ने भी उतारे 5 कैंडिडेट, कांग्रेस से होगा मुकाबला

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए सभी विपक्षी दलों को जैसे-तैसे जिस गांठ में बांधने को कोशिश की जा रही है, वो हाल फिलहाल में हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में ही खुलती दिखाई दे रही है। अब इंडिया गठबंधन की एकता पर संदेह इसलिए हो चला है क्योंकि जिस तरह पहले समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस को तेवर दिखाए थे, उसी तरह अब नीतीश की जेडीयू ने भी एमपी चुनाव में अपने 5 कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी है।

कांग्रेस की राह में रोडा बनेंगे कांग्रेस के ही साथी

दरअसल, जनता दल (यूनाइटेड) ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने पांच उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। जद (यू) की सहयोगी कांग्रेस मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सत्ता छीनने की कोशिश कर रही है। जद (यू) के राष्ट्रीय महासचिव अफाक अहमद खान के एक बयान के अनुसार, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए यह पार्टी की ओर से जारी पहली सूची है। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को सभी 230 सीट के लिए मतदान होगा। अब इस चुनाव में कांग्रेस की ही गठबंधन साथी जेडीयू के उम्मीदवार कांग्रेस के ही कैंडिडेट के वोट काटेंगे।

जेडीयू के 5 उम्मीदवारों की लिस्ट-

प्रत्याशी का नाम	विधानसभा सीट
चंद्रपाल यादव	पिछोर
रामकुंवर रायकवार	राजनगर
शिव नारायण सोनी	विजय राघवगढ़
तोल सिंह भूरिया	थांदला
रामेश्वर सिंगला	पेटलावद

बीजेपी बोली- नीतीश को कोई पूछ ही नहीं रहा

जैसे ही मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए नीतीश कुमार की पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे तो भाजपा ने जेडीयू और इंडिया गठबंधन पर तीखा तंज कस दिया। इस मुद्दे पर बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक ने कहा है कि नीतीश कुमार का धैर्य टूट गया, और वो इसलिए क्योंकि उनकी पार्टी (जेडीयू) को किसी गठबंधन में तरजीह नहीं मिल रही है। बीजेपी नेता ने कहा कि जब जेडीयू को कोई पूछ ही नहीं रहा है तो वह भी अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहा है। बीजेपी ने तंज कसा कि लोकसभा चुनाव के पहले ही विपक्ष का इंडिया गठबंधन धराशाई हो गया है।

सपा ने जारी किए थे 9 कैंडिडेट के नाम

बता दें कि कुछ दिन पहले ही समाजवादी पार्टी (सपा) ने मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची घोषित की थी। सपा नेता यश भारतीय ने कहा कि इस लिस्ट में 6 उम्मीदवारों के नाम पहले घोषित किए गए थे जबकि तीन नए नाम इसमें जोड़े गए हैं।

ईडी ने वाराणसी में शुरू की अबू आसिम आजमी की 250 करोड़ की बेनामी संपत्तियों की जांच

वाराणसी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा के कद्दावर नेता और महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। इनकम टैक्स की वाराणसी के विनायक ग्रुप में 40 घंटे की कार्रवाई में सामने आई 250 करोड़ की बेनामी संपत्ति को सील किया गया था। इस सम्बन्ध में वीडीए ने 18 अक्टूबर को एक मुकदमा भी कैंट थाने में दर्ज कराया था। इसके बाद अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के आधार पर इस जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इंट्री हो गई है। लखनऊ की टीम अब अबू आजमी की संपत्तियों का ब्योरा खंगाल रही है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने मलदहिया स्थित विनायका प्लाजा में विनायका ग्रुप के ऑफिस में 6 अक्टूबर को छापेमारी की थी। तीन दिनों तक चली जांच एक दौरान इन्कमटैक्स ने बड़ी टैक्स की चोरी पकड़ी थी और विनायका प्लाजा में दो फ्लोर सहित सेन्ट्रल जेल रोड स्थित वरुणा गार्डेन के खाली पड़े 42 फ्लैट सीज कर दिए थे। इस दौरान इनकम टैक्स की रिपोर्ट में 250 करोड़ की अबू आसिम आजमी की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ था।

जगतगुरु परमहंसाचार्य के बयान पर स्वामी प्रसाद मौर्य का पलटवार

बोले- यूपी में बाबा की सरकार इसलिए सारे बाबाओं की बल्ले-बल्ले है

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपने बयानों के चलते मीडिया की सुर्खियों में रहने वाले जगतगुरू परमहंसाचार्य एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को गोली मारने वाले को 25 करोड़ रुपये इनाम देने की बात कही थी। जिस अब सियासी बवाल उफान पर है। परमहंसाचार्य के बयान पर पलटवार करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाबा जी की सरकार है इसलिए सारे बाबाओं की बल्ले-बल्ले है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बाबा की सरकार में साधु संत सन्यासी के भेष में आपराधिक प्रवृत्तियों के बाबाओं का हौसला बढ़ा हुआ है। वे जानते हैं कि योगी सरकार में उनका कोई बाल बांका करने वाला नहीं है। इसी प्रकार से 25 करोड़ रुपये सुपारी देकर मुझे गोली मारने का फरमान जारी किया है। मेरा मानना है कि साधु संत समाज को ऐसे बाबाओं को अपने खाने से बाहर करना चाहिए।

बयान पर मचा सियासी घमासान

दरअसल जगतगुरू परमहंसाचार्य ने स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर बयान दिया था कि हमने कई बार उनको समझने का प्रयास किया, लेकिन यह बढ़ता ही जा रहा है। धीरे-धीरे पानी नाक से ऊपर आ गया है हमने 25 करोड़ का इनाम घोषित किया है। जो भी मौर्य को गोली मारेगा, मैं उसको 25 करोड़ दूंगा और आर्थिक सहायता भी दूंगा। जो भी सनातन धर्म का विरोध करेगा उसको बख्शा नहीं जाएगा।

विवादों से है पुराना नाता

परमहंसाचार्य का विवादों से पुराना नाता है। वे समय-समय पर अपने बयानों की वजह से विवादों में घिरे रहते हैं। उन्होंने फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को लेकर एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि शाहरुख खान को मैं ढूंढ रहा हूं, जिस दिन वह मुझे मिल गया, मैं उसे जिंदा जला दूंगा। इसके साथ उदयनिधि स्टालिन द्वारा हिंदू धर्म पर दिए गए विवादित बयान पर परमहंसाचार्य ने स्टालिन का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ देने का भी एलान किया था।

कौन हैं परमहंसाचार्य महाराज

परमहंसाचार्य महाराज तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर हैं। वे मूल रूप से बिहार के निवासी हैं। लेकिन उनके माता-पिता बिहार से मध्य प्रदेश चले आए थे और वह मध्य प्रदेश के सीधी जिले में रहने लगे। 17 साल की उम्र में वे अपने माता-पिता के साथ अयोध्या में गोपाल दास जी महाराज के मंदिर आए और वह यहीं पर सरयू नदी के किनारे कुटिया बनाकर रहने लगे। परिवार के साथ वापस घर नहीं गए। इस दौरान उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा नृत्यगोपाल दास जी से प्राप्त की।

बेटी बोली- गंदा काम करने को कहते हैं पापा, विरोध पर पीटते हैं; पिता ने कहा- झूठ बोल रही

बेतिया, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेतिया में 18 साल की लड़की ने अपने ही पिता पर गलत काम करने का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि उसका पिता उसके साथ सोने के दबाव बनाते हैं। उसके साथ गलत काम करना चाहते हैं। वह जब इसका विरोध करती है तो उसकी बेरहमी से पिटाई करते हैं। घटना बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र के एक गांव की है। पीड़ित लड़की ने थाने में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले में चौतरवा थानेदार सुरेश यादव ने बताया कि पीड़ित लड़की ने शिकायत की है, जिसपर तत्काल एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पीड़िता के बयान पर उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सांसद बृजभूषण का फर्जी लेटर पैड का किया गया इस्तेमाल

करोड़ों की जमीन के विवाद में हुई हत्या का मामला

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोंडा में दलित बुजुर्ग की हत्या के मामले की विवेचना 14 बार बदलने के मामले में नया खुलासा हुआ है। कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि जांच बदलवाने के लिए उनके फर्जी लेटर पैड का इस्तेमाल किया गया था। भाजपा सांसद ने प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कहा कि इस मामले की विवेचना स्थानांतरित करने के संबंध में वर्ष 2017 में मेरा एक फर्जी पत्र आपको प्रेषित किया गया है। इस पत्र पर मेरे हस्ताक्षर पूरी तरह से फर्जी हैं। किसी व्यक्ति द्वारा फोटोस्टेट कराकर मेरे हस्ताक्षर का दुरुपयोग किया गया है। कॉपी-पेस्ट करके इस पत्र को जालसाजी कर बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि विवेचना स्थानांतरित करने के लिए उन्होंने प्रमुख सचिव को कोई पत्र नहीं भेजा था।

उन्होंने इस मामले में आगे कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया है। वहीं इस मामले में गोंडा के कुछ अन्य राजनेताओं की भूमिका भी सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक कई स्थानीय नेताओं ने आरोपियों की पैरवी करते हुए विवेचना को स्थानांतरित करने का पत्र लिखा था। वर्ष 2017 में गोंडा के एसपी रहे उमेश सिंह ने बताया कि उन्होंने राजनेताओं की सिफारिश के साथ आरोपियों के अनुरोध पर विवेचना को बार-बार स्थानांतरित करने का विरोध किया था। नियमों के मुताबिक केवल वादी पक्ष के अनुरोध पर ही विवेचना को स्थानांतरित किया जा सकता है, जिसके बारे में उन्होंने उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया था। यह भी सामने आया है कि दलित बुजुर्ग रमई की हत्या की वजह गोण्डा बहराइच राजमार्ग पर स्थित करोड़ों रुपये की भूमि थी, जिसे आरोपी अपने नाम कराना चाहते थे। कई बार प्रयास करने और दबाव बनाने के बाद भी जब रमई ने भूमि बेचने से मना कर दिया तो उसे ठिकाने लगाने की योजना बनाई गयी थी।

इसकी पुष्टि पूर्व में 13 अधिकारियों द्वारा की गयी जांच में भी हुई थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि वर्तमान विवेचक प्रयागराज सेक्टर के एसपी समीर सौरभ ने आरोपियों को क्लीन चिट देते हुए उनके मददगारों को ही आरोपी बना दिया।

मथुरा में तेज रफ्तार कार ने मारी खड़ी गाड़ी में टक्कर

एयरफोर्स के जूनियर वारंट आफिसर की पत्नी की मौत

मथुरा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह एक खड़ी कार में पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। कार के पास खड़ी दिल्ली निवासी एक महिला टक्कर से एक्सप्रेस-वे पुल से करीब पचास फीट नीचे सड़क पर गिर गई और मौत हो गई। कार सवार उसकी दो बच्चियां घायल हो गईं, जबकि दूसरे कार में सवार तीन लोग भी घायल हो गए। घटना सुबह करीब आठ बजे की है। एयरफोर्स दिल्ली में जूनियर वारंट आफिसर के पद पर तैनात देवी प्रसाद मिश्रा पत्नी किसलाया और दो बच्चों जिज्ञासा और अदम्य के साथ दिल्ली से मथुरा अपनी आइटेन कार से घूमने आ रहे थे।

आजमगढ़ से कौन होगा सपा का प्रत्याशी? अखिलेश यादव ने लगाई मुहर!

आजमगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के सूत्रों के मुताबिक शिवपाल यादव का आजमगढ़ सीट से लोकसभा चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। अपने गढ़ को बचाने के लिए सपा की तरफ से शिवपाल यादव आजमगढ़ से चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी में हैं। धर्मेंद्र यादव की 2022 के उपचुनाव में हार के बाद अखिलेश यादव आजमगढ़ में कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। पार्टी की पूर्वांचल साधने के लिए शिवपाल यादव को आजमगढ़ से चुनाव लड़ाने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक, शिवपाल अगर आजमगढ़ से चुनाव लड़कर जीतते हैं तो उनकी विधानसभा सीट जसवंत नगर से आदित्य यादव को लड़ाया जाएगा। आदित्य यादव को भी सेफ सीट से राजनीति में फिट कराने के लिए योजना बनाई गई है।

अखिलेश के इस्तीफे के बाद हुआ था उपचुनाव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजमगढ़ सीट पर 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम ने बीजेपी के दिनेश लाल यादव निरहुआ को ढाई लाख से ज्यादा वोटों से मात दी थी। यूपी विधानासभा का चुनाव जीतने के बाद अखिलेश यादव ने इस सीट से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद यहां 2022 में उपचुनाव हुआ। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने यहां से धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा था। जबकि बीजेपी की तरफ से दिनेश लाल यादव ने फिर से चुनाव लड़ा। इस चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी ने बेहद करीबी मुकाबले में धर्मेंद्र यादव को मात दी थी। इससे पहले 2014 में इस सीट से मुलायम सिंह यादव सांसद चुने गए थे।

इंडिया गठबंधन का हिस्सा है सपा

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी विपक्ष के इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। इस गठबंधन में शामिल दलों ने एकसाथ लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। हालांकि अभी तक सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है। इस बीच सपा ने यूपी की वीआईपी सीटों पर अपने उम्मीदवार लगभग तय कर लिए हैं।

प्रॉपर्टी बेचने के नाम पर 2.33 करोड़ की धोखधड़ी करने वाला शख्स आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

नोएडा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाना फेस-1 पुलिस ने धोखाधड़ी कर प्रॉपर्टी बेचने के नाम पर 2 करोड़ 33 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दिल्ली के ए 51, रामकृष्णा अपार्टमेंट निवासी श्रवण चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 31 जुलाई 2023 को पीड़ित ने थाना फेज-1 में शिकायत दी कि श्रवण चौधरी ने प्रॉपर्टी खरीदने के नाम पर उनसे इकरारनामा के आधार पर 2 करोड़ 33 लाख रुपए। आरोपी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया जा चुका था। प्रॉपर्टी नहीं मिलने पर जब पीड़ित ने उससे पैसे मांगे तो आरोपी ने नहीं दिए।

कासगंज में महिला ने छह मिनट में दिया तीन बच्चों को जन्म, पहले से हैं दो बेटियां और एक बेटा

कासगंज, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कासगंज में एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। अच्छी बात ये है कि मां और तीनों बच्चे एकदम स्वस्थ्य हैं। महिला ने छह मिनट में तीन बच्चों को जन्म दिया है। एक साथ तीन बच्चों के जन्म को लेकर पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। महिला के पहले से तीन बच्चे हैं और इन बच्चों के बाद वो अब छह बच्चों की मां बन गई हैं। कासगंज के गांव ताली के रहने वाले अशोक कुमार की पत्नी मीरा देवी को प्रसव पीड़ा होने के बाद सोमवार की रात को स्थानीय महिला स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां महिला ने छह मिनट में तीन बच्चों को जन्म दिया। ये तीनों बेटे हैं। इनमें पहले बेटे का जन्म सुबह 8.30 बजे हुआ, इसके बाद दूसरे बच्चे का जन्म 8.32 बजे और तीसरे बच्चे का जन्म तीन मिनट बाद 8.25 बजे हुआ। तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां की उम्र 32 साल है। महिला का पति अशोक कुमार मेहनत मजदूरी करके घर को चलाता है। सोमवार शाम को जब मीरा देवी को प्रसव पीड़ा हुई तो गांव की दाई उसे महिला स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची थी,

अमरोहा में बीजेपी नेत्री की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, आग लगने से जिंदा जलीं, मौत

अमरोहा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा में बीजेपी नेत्री की कार हादसे में मौत हो गई। रात नूरपुर से मुरादाबाद घर लौट रही महिला बीजेपी नेत्री सरिता चंद्र की कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार में आग लग गई। जिसकी वजह से वे बुरी तरह झुलस गईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद घायल बीजेपी नेत्री को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रक के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह हादसा सोमवार की रात नोगावा सादात थाना क्षेत्र के कुमखिया चौकी के सामने हुआ। मुरादाबाद की काशीराम कॉलोनी में राम रतन सिंह का परिवार रहता है। उनकी पत्नी सरिता चंद्र नगर मंडल की भाजपा उपाध्यक्ष थी। पुलिस ने बताया कि सरिता रात करीब 1:00 बजे कार से नूरपुर से मुरादाबाद अपने घर जा रही

थी। सरिता कार में अकेली थी और खुद ड्राइव कर रही थीं। जैसे ही उसकी कार नूरपुर-मुरादाबाद रोड स्थित कुमखीया चौकी के सामने पहुंची, तभी सामने से आ रहे बेकाबू अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आग लग गई। आग की लपटों में फंसकर सरिता बुरी तरह झुलस गई। हादसे की जानकारी मिलते ही नौगावा सादात पुलिस मौके पर पहुंच गई। कड़ी मशक्कत के बाद सरिता को कार से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शौहर ने तलाक देकर भाई और बहनोई को सौंपी बीवी

बोला- 'अपनी इच्छा पूरी कर लो, हलाला भी हो जाएगा'

मुरादाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानून बनने के बाद भी तीन तलाक देने के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। पिछले महीने संभल से महिला का पति अपने घर वालों से साथ मायके आ गया। वह उसे जबरन साथ ले जाने की जिद करने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने तीन तलाक बोलकर उसे अपने भाई और बहनोई को सौंप दिया। कहा कि मैंने तो इसको छोड़ दिया। अब तुम अपनी इच्छा पूरी कर लो। ऐसे ही हलाला भी हो जाएगा। मामले में पीड़ित ने आरोपितों के खिलाफ कटघर थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। पीड़ित ने बताया कि फरवरी 2022 में उसकी शादी संभल से रुकनदरी सराय से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही पति व सास, ननद दहेज की मांग को लेकर परेशान करने लगीं। बहनोई और भाई आदि उस पर गलत नजर रखने लगे। पति ने उसके आपत्तिजनक फोटो खींच

लिए थे। उन्हें इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी देने लगे। उसने शिकायत की तो सास ने उल्टा उस पर गलत आरोप लगाकर मारपीट शुरू कर दी और कहा कि हमारे यहां रहना है तो यह सब करना पडेगा, सभी को खुश रखना होगा। उसको बच्चा कम समय में पैदा हो गया। इन्हीं के उत्पीड़न के कारण बच्चे भी मौत हो गयी। 30 अगस्त 2023 को आरोपितों ने उसके साथ मारपीट करके घर से निकाल दिया। इलाज के दौरान पता लगा कि उसको गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता का कहना है कि वह करूला स्थित मायके में रह रही थी। इस दौरान 10 सितंबर को 2023 को पति समेत कई लोग मायके आ धमके। वे उसे जबरन अपने साथ ले जाने लगे।

पति ने दिया तीन तलाक

विरोध करने पर उसे बुरी तरह से पीटा। जान से मारने की नियत से दुपट्टे से गला घोटा। इतना ही नहीं पति तीन तलाक बोलकर नाता ही तोड़ लिया। बोला कि अब तू यही रह। मैंने तो तुमसे शादी धंधा कराने के इरादे से शादी की थी। पति बहनोई और अपने भाई से कहने लगा कि मैंने तो इसे तलाक दे दी है। दोनों इसके साथ अपनी इच्छा पूरी कर लो। हलाला भी हो जायेगा। दोनों लोगों ने उसे जबरन पकड़कर बुरा काम करने की कोशिश की। विरोध करने पर कपड़ा फाड़ने लगे। बमुश्किल आरोपितों से जान बचाकर थाने पहुंची। प्रभारी निरीक्षक कटघर तेजवीर सिंह ने बताया कि मामले में आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है।

कैसा महापाप कर डाला

लड़की बताकर किन्नर से कराया विवाह, सुहाग की सेज पर चला पता, डिप्रेशन में आया दूल्हा

मुरादाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरादाबाद के रहने वाले युवक की साल 2019 में शादी हुई थी। शादी के बाद वह जिसे अपने घर की बहू बनाकर लाया। असल में वह ट्रांसजेंडर निकली। इस बात की जानकारी उसे सुहागरात पर पता चली कि पत्नी महिला नहीं बल्की ट्रांसजेंडर है। इस बात की जानकारी लगते ही उसने इसका विरोध किया। जिस पर ट्रांसजेंडर पत्नी ने उसके साथ गाली-गलौच कर मारपीट कर दी। साथ ही उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। इस घटना से परेशान युवक डिप्रेशन में आ गया। वहीं ट्रांसजेंडर पत्नी उसे ब्लैकमेल कर रंगदारी मांगने लगी। पिछले कई सालों से प्रताड़ना झेल रहे युवक ने आखिरकार हिम्मत दिखाई और पुलिस के पास शिकायत लेकर पहुंच गया।

चिराग पासवान का पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों पर बड़ा बयान

बताया- एनडीए 'गठबंधन' की होगी जीत

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। चुनाव प्रचार के लिए सभी दिग्गज नेता विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। वहीं इस बार के चुनाव को लोकसभा के सेमीफाइनल के रूप में भी देखा जा रहा है। इस चुनाव का असर केवल 5 राज्यों में ही नहीं बल्कि बिहार ,यूपी और दिल्ली समेत कई राज्यों में भी देखा जा रहा है। वहीं, हार-जीत को लेकर भी नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को पटना पहुंचे लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यकीनन, कई राज्यों में परिस्थितियां दोनों के पक्ष में सर्वे जिस तरह से दिखा रहे हैं, दोनों को भले वो टक्कर में दिखा रहे हों। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव में एनडीए की भारी बहुमत से जीत होगी। पांच राज्यों में चुनाव पर विपक्ष के दावे पर भी चिराग पासवान ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष तो दावे करेगा ही लेकिन जनता किसके पक्ष में है? यह देखने वाली बात होगी। वहीं अखिलेश यादव के 'इंडिया' में नाराजगी पर उन्होंने कहा कि यह गठबंधन तो बना ही है महत्वाकांक्षा के लिए। इसमें कोई एक दूसरे के लिए नहीं सोचता है। यह एक ऐसा गठबंधन है जहां पर एक दर्जन से अधिक प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं।

चुनावी रिश्वत मामले में केरल भाजपा प्रमुख सुरेंद्रन, अन्य को जमानत

कोच्चि, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने बुधवार को चुनावी रिश्वत के आरोपी राज्य भाजपा अध्यक्ष के। सुरेंद्रन और अन्य को जमानत दे दी। मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को तय की गई है। पिछले दो मौकों पर नेताओं के पेश होने में विफल रहने के बाद कासरगोड जिला और सत्र अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। लेकिन बुधवार को सुरेंद्रन और अन्य आरोपी अदालत के समक्ष उपस्थित हुये। अभियोजन पक्ष ने सुरेंद्रन और अन्य की जमानत याचिका का विरोध नहीं किया और अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। सुरेंद्रन के अलावा पांच और स्थानीय भाजपा नेता भी इस मामले में आरोपी हैं। यह मामला सीपीआई (एम) नेता वी।वी। रमेशन द्वारा दायर याचिका पर आधारित है। रमेशन अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र से एलडीएफ उम्मीदवार थे। जब वोटों की गिनती हुई तो सुरेंद्रन दूसरे स्थान पर रहे जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार 745 वोटों के अंतर से विजयी घोषित किये गये। याचिकाकर्ता ने भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की थी, जिन्होंने चुनाव के दौरान मंजेश्वरम से अपना नामांकन वापस लेने के लिए बसपा उम्मीदवार के। सुंदरा को कथित तौर पर पैसे दिए, मोबाइल फोन दिए और अन्य सुविधाएं देने का वादा किया।

पहली लैंडिंग स्ट्रिप की टेस्टिंग करने को तैयार वायुसेना

जम्मू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीनगर राजमार्ग पर भारतीय वायुसेना लड़ाकू विमानों के लिए अपनी पहली लैंडिंग स्ट्रिप का परीक्षण करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा में स्थित लैंडिंग स्ट्रिप का निर्माण 2021 में पूरा हो गया था, लेकिन अब लैंडिंग स्ट्रिप के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक एटीसी, पार्किंग क्षेत्र और अन्य संबद्ध सेवाएं पूरी की जा रही हैं। बिजबेहरा में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर 3.5 किलोमीटर लंबी लैंडिंग पट्टी भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों और जेट विमानों को युद्ध जैसी स्थिति के साथ-साथ बाढ़, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी स्थितियों में आपातकालीन लैंडिंग करने में सक्षम बनाएगी। इस आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का निर्माण 2019 में राष्ट्रीय परियोजना के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था और एनएच1ए के श्रीनगर-बनिहाल खंड पर किलोमीटर 246 से किलोमीटर 249.7 के बीच के क्षेत्र को भारतीय वायु सेना और अन्य बलों के लिए आपातकालीन हवाई पट्टी के रूप में आरक्षित किया गया था। निर्माण एजेंसी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के अनुसार, बिजबेहरा में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर 3।5 किमी लंबी पट्टी अब भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की आपातकालीन लैंडिंग और उड़ान के लिए तैयार है और भारतीय वायुसेना जल्द ही परीक्षण करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह पट्टी उतरने और उड़ान भरने के लिए तैयार है या नहीं, जिसके बाद इसे वायु सेना के संयुक्त नियंत्रण में दिया जायेगा।

लड़ाकू विमानों के लिए क्या सुविधाएं

अधिकारी इस खंड पर अभ्यास करने के लिए भारतीय वायु सेना से हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं और लड़ाकू विमानों और जेट विमानों और भारी बरक्रम मालवाहक विमानो की सफल लैंडिंग और टेक ऑफ के बाद ही, IAF इस पट्टी से क्लीयरेंस और लैंडिंग/टेक ऑफ सर्टिफिकेट देगा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर पट्टी के साथ साथ लड़ाकू विमानों के लिए पार्किंग स्लॉट, एक हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) टावर और राजमार्ग पर पट्टी के दोनों छोर पर दो द्वार भी होंगे। राजमार्ग पर लड़ाकू विमानों और जेट विमानों की लैंडिंग और उड़ान भरने के लिए आवश्यक अन्य सुविधाएं भी बनाई गई हैं जिस में ईंधन भंडारण और इंजीनियरिंग की भी सुविधाएँ होंगी। राजमार्ग परियोजना रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन लैंडिंग स्ट्रिप्स के रूप में राजमार्गों के निर्माण की परियोजना का हिस्सा है, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पांच स्थानों को अंतिम रूप दिया गया था जहां ऐसी लैंडिंग स्ट्रिप का निर्माण किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में दो स्थान बिजबेहरा-चिनार बाग और श्रीनगर-बनिहाल के बीच स्थित हैं, जबकि तीन अन्य जम्मू-पठानकोट, जम्मू-पुंछ राजमार्गों और एक लद्दाख क्षेत्र में आने की उम्मीद है। इन पट्टियों की योजना लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सीमा गतिरोध के समय बनाई गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीमाओं पर आक्रामक पड़ोसियों के मद्देनजर सेना की सीमा तैयारियों को मजबूत करना है क्योंकि रणनीतिक रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को बीच में रखा गया है। इस लैंडिंग स्ट्रिप से उड़ान भरने वाला कोई भी विमान 7-10 मिनट में पश्चिमी सीमा पर पहुंच जाएगा, जबकि पूर्वी सीमा तक पहुंचने में उन्हें 30 मिनट से भी कम समय लगेगा। सरकार ने इस रक्षा परियोजना के लिए 2016 में रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के बीच एक अंतर-मंत्रालयी संयुक्त समिति की बैठक से संकेत लिया, जिसमें राजमार्गों पर आपातकालीन लैंडिंग स्ट्रिप्स स्थापित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट : नेटग्रिड और सीएमएस जैसी निगरानी प्रणालियों पर केंद्र से जवाब तलब, चार सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने निगरानी प्रणालियों को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। यह जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है। इस याचिका में दावा किया गया है कि केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली (सीएमएस), नेटवर्क ट्रैफिक एनालिसिस (एनएटीआरए) और नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नेटग्रिड) जैसे निगरानी प्रणालियों से नागरिकों की निजता के अधिकार को खतरे में डाला जा रहा है। इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने 10 अक्टूबर को केंद्र को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

दशहरा की रात ब्लाइंड मर्डर, मेडिकल कैंपस में चाकुओं से युवक को उतारा मौत के घाट

जबलपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में जब दहशरा मनाने में मशगूल थे, उसी रात मेडिकल हॉस्पिटल कैंपस में हत्या की जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। एक युवक को मौत के घाट उतार दिया गया। गढ़ा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी हैं। थाने में सूचना आयी कि कैंपस में स्थित एमपीईबी दफ्तर के पास कोई युवक खून से लतपथ पड़ा हैं। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो युवक की सांसे थम चुकी थी। शरीर पर कई जगहों पर चाकुओं से वार किए गए थे। रक्त-रंजिश शव को पीएम के लिए भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र 20 से 25 साल हैं। वह कौन है और कहां का रहने वाला है, इस संबंध में पता किया जा रहा हैं।

मुफलिसी में दम न तोड़ें नौनिहाल, कर्नाटक में गर्भवती महिलाओं को गोद ले रहे अधिकारी

बेंगलूरू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में जिला प्रशासन की एक शानदार पहल के तहत अधिकारियों ने ऐसी महिलाओं की देखरेख की पहल की है जो गर्भवती हैं और गरीब तबके से हैं। इसके तहत गर्भवती महिलाओं को अधिकारियों की ओर से गोद ले लिया जा रहा है, जिसकी वजह से इन महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, दवाइयों की आपूर्ति, पौष्टिक आहार आदि मिल रहे हैं। गर्भ में पल रहे नौनिहालों के इस दुनिया में आंख खोलने से पहले उसे मुफलिसी की वजह से दम न तोड़ना पड़े, इसके लिए देवदूत बने अधिकारियों की यह शानदार पहल अनुकरणीय बन गई है। उत्तर कन्नड़ जिले के जोइदा शहर की रहने वाली पार्वती नाइक उन 358 महिलाओं में से हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत पंजीकृत करवाया है और जिले के अधिकारियों द्वारा उनकी देखरेख हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक वह कहती हैं, गोद लेने के बाद नियमित रूप से जांच की जा रही है। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से पौष्टिक आहार मिल रहे हैं। दूध, अंडे, निर्धारित दवाएं सब कुछ समय पर मिल रहा है। वह गरीब परिवार से हैं। जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार राज्य की यह अपनी तरह की पहली पहल है जिसका उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान और बाद में नवजात शिशु के साथ-साथ जन्म देने वाली मां की मृत्यु दर को कम करना है। इस पहल के तहत उत्तर कन्नड़ जिला प्रशासन के शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत पंजीकृत प्रत्येक गर्भवती महिला को गोद लिया है। इस शानदार पहल की शुरुआत उत्तर कन्नड़ की डिप्टी कमिश्नर गंगूबाई मानकर ने की है। वह कहती हैं, जिले में 358 पंजीकृत महिलाएं हैं। मैंने खुद ही जिला अधिकारियों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा था और खुशी है कि अधिकारियों ने बिना किसी दबाव के गर्भवती महिलाओं को गोद लेना शुरू किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस योजना की नेकदिली और अच्छे उद्देश्यों को देखते हुए इसे पूरे राज्य में विस्तार किया जा सकता है।

सनातन को खत्म करने की बात कहने वालों को बता दो कि भारत हिंदू राष्ट्र है- आकाश विजयवर्गीय

भोपाल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश बीजेपी के दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय के बेटे और इंदौर-3 विधानसभा से विधायक आकाश विजयवर्गीय का एक बयान मध्य प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। आकाश विजयवर्गीय ने दशहरे के मौके पर मीडिया से बातचीत में कहा कि आज हमारे देश में भी कई ऐसी बुराइयां एक साथ खड़ी हो रही हैं, जो सनातन धर्म को खत्म करने की बात करती हैं तो आज दशहरे के अवसर पर मेरा सभी से निवेदन है की इस बात पर विचार करें और जो लोग सनातन धर्म को खत्म करने की बात करते हैं आने वाले चुनाव में उन्हें बता दें कि भारत हिंदू राष्ट्र है और हम यह कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। दशहरे के मौके पर पूरे प्रदेश में अलग-अलग शहरों में रावण दहन हुआ।

भारत नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड में मौजूद खेतों को हटाया जाएगा, संयुक्त टीम का किया गठन

शिमला, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण के समाधान के लिए भारत और नेपाल के अधिकारियों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण उधम सिंह नगर जिले के खटीमा क्षेत्र और चंपावत जिले के कुछ हिस्सों पर केंद्रित होगा। जानकारी के अनुसार सीमा के दोनों ओर के लोगों ने मुख्य रूप से खेती के उद्देश्यों के लिए नो मैन्स लैंड पर अतिक्रमण कर लिया है। अधिकारियों ने अतिक्रमण की पहचान करने और सीमा का उचित सीमांकन सुनिश्चित करने के लिए टीमों का गठन किया है। दरअसल, भारत और नेपाल बॉर्डर पर नोमेंस लैंड में कई जगहों पर कब्जा है। यह जगह सामरिक दृष्टिकोण से अहम है। उत्तराखंड के खटीमा में भारत और नेपाल की सीमा खुली हुई है और यह अंतरराष्ट्रीय सीमा नो मेंस लैंड एरिया है यानी एक निर्जन क्षेत्र है, जो कि अतिक्रमण की जद में है। नेपाल की ओर से इस इलाके में खेती और अतिक्रमण किया जा रहा है, इससे सुरक्षा व्यवस्था को खतरा हो सकता है। इसी बीच अब भारत नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड में मौजूद खेतों को हटाया जाएगा।

नोमेंस लैंड में कई स्थानों पर है कब्जा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारत-नेपाल सीमा पर नोमेंस लैंड में 21 स्थानों कब्जा है। खटीमा के नगरा तराई, मेलाघाट समेत कई गांवों से कई किलोमीटर आगे तक भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय खुली सीमा से पहले विशाल जंगल निर्जन क्षेत्र में आता है, इस निर्जन क्षेत्र पर नियमों का उल्लंघन कर नेपाल की ओर से अतिक्रमण किया जाता रहा है। नेपाल के कंचनभोज, बाबाथान आदि गांवों के लोग निर्जन क्षेत्र पर खेती कर रहे हैं।

नेपाल के मधेशी करते हैं खेती

कुछ लोगों ने यहां अस्थायी झोपड़ियां तक बना ली है। जानकारी के मुताबिक, सीमा से सटे नेपाल के गांव सुंदरनगर में मधेशी जाति के लोग सबसे अधिक खेती कर रहे हैं।

अमीर देशों की नागरकिता लेने में भारतीय टॉप पर ओईसीडी की रिपोर्ट में खुलासा, यह देश पहली पसंद

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और कनाडा भले ही राजनयिक गतिरोध में फंसे हों, लेकिन जब बात इमिग्रेशन की आती है तो स्थिति इससे बिल्कुल जुदा है। भारतीय, जो ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) देशों में प्रवास करने में शीर्ष पर हैं, विदेशी नागरिकता प्राप्त करने में भी आगे हैं। वहीं अमेरिका में नागरिकता लेना भारत के लोगों की पहली पसंद है। रिपोर्ट के अनुसार इधर कनाडा ने विदेशी नागरिकों को नागरिकता देने में सबसे तेज वृद्धि दिखाई है। पेरिस-इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक में जारी ओईसीडी रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में भारतीय अमीर देश की नागरिकता प्राप्त करने वाले अंतरराष्ट्रीय समूह में सबसे आगे हैं। वहीं कनाडा ने साल 2021 और 2022 के बीच नागरिकता देने के मामले में सबसे बड़ी आनुपातिक वृद्धि 174 प्रतिशतक दर्ज की है। पिछले साल भी ओईसीडी देश की नागरिकता प्राप्त करने वाले विदेशी नागरिकों की संख्या सबसे अधिक थी। यह 28 लाख थी जो साल 2021 की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। हालांकि रिपोर्ट साल 2022 के लिए मूल देश के डेटा का विस्तृत विवरण प्रदान नहीं करती है। लेकिन रिपोर्ट कहती है कि भारत ने जब 2019 से ओईसीडी देश की नागरिकता प्राप्त करने की बात आती है तो यह मुख्य मूल देश रहा है।

नागरिकता देने में सबसे आगे यूएस

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2021 में लगभग 1।3 लाख भारतीयों ने ओईसीडी सदस्य देश की नागरिकता हासिल कर ली। साल 2019 में यह आंकड़ा करीब 1.5 लाख था। वहीं चीन साल 2021 में इस दौड़ में पांचवें स्थान पर आया था, क्योंकि लगभग 57,000 चीनियों ने ओईसीडी देश की नागरिकता हासिल कर ली थी। 38-सदस्यीय ओईसीडी में शीर्ष तीन देश जिन्होंने 2021 में भारतीय प्रवासियों को पासपोर्ट सौंपे, वे हैं अमेरिका (56,000), ऑस्ट्रेलिया (24,000) और कनाडा (21,000)। भारत के लोग कई कारण से विदेश जा रहे हैं। कई लोग पढ़ने के लिए वीजा लेकर विदेश जाते हैं। तो कुछ देश-विदेश घूमने में आसानी हो इस कारण अन्य देशों की नागरिकता ले रहे हैं। बता दें कि अमेरिका और कनाडा जैसे देशों के पासपोर्ट होने पर कई देशों में बिना वीजा भी यात्रा की सुविधा मिल जाती है। साथ ही विदेश में सरकार अन्य देशों के नागरिकों को संवेदनशील क्षेत्रों में नौकरी का भी मौका देती है।

पीएम इ्यूटी में सतना जा रहे एएसआई की सड़क हादसे में मौत ब्यौहारी थाने में थे पदस्थ

शहडोल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहडोल जिले में पदस्थ एक सहायक उप निरीक्षक की सड़क हादसे में मौत हो गई है, ब्यौहारी थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक अंजनी तिवारी की इस हादसे में मौत हुई है। जानकारी के अनुसार सहायक उप निरीक्षक अंजनी तिवारी सतना जिले में पीएम की वीआईपी ड्यूटी में जा रहे थे, तभी गोविंदगढ़ जिला रीवा चरखी घाटी के पास सड़क हादसे का शिकार हो गए, तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक अंजनी की मौके पर ही मौत हो गई है। अंजनी तिवारी काफी समय से शहडोल जिले में पदस्थ थे। लगातार वह जिले के कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। घटना की जानकारी जिले में पहुंचते ही पुलिसकर्मियों में शोक की लहर छा गई है।

23 साल से कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी एक कॉल से खुली पोल; ऐसे हुआ गिरफ्तार

अहमदाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस ने आणंद में रह रहे एक पाकिस्तानी एजेंट को गिरफ्तार किया है। यह 24 साल पहले अपनी पत्नी की फर्टिलिटी ट्रीटमेंट (प्रजनन उपचार) के लिए भारत आया था और महज सात साल रहने के दौरान ना केवल उसने भारतीय नागरिकता ले ली, बल्कि मौका देखकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी भी करने लगा। संदेह होने पर गुजरात एटीएस ने इसकी निगरानी शुरू की और पाकिस्तानी एजेंटों को मोबाइल का सिम कार्ड उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लाभशंकर दुर्योधन महेश्वरी के रूप में हुई है। वह यहां आणंद के तारापुर में रह कर किराना स्टोर चला रहा था। गुजरात एटीएस से मिले इनपुट के मुताबिक आरोपी लाभशंकर के ससुराली जन पहले ही पाकिस्तान से माइग्रेट होकर गुजरात आ गए थे।

आरोपी भी 1999 में पाकिस्तान से आकर इन्हीं के पास रहने लगा था। इस दौरान आरोपी ने खुद को एक कारोबारी के रूप में स्थापित किया और साल 2006 में भारतीय नागरिकता हासिल कर ली। इस दौरान आरोपी ने आर्मी स्कूल में अपनी पैठ बनाई और सेना संबंधी खुफिया जानकारी पाकिस्तानी एजेंटों को भेजने लगा था। एटीएस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी पाकिस्तान में रह रहे अपने परिजनों को वीजा दिलाने के एवज में पाकिस्तानी एजेंसी को सूचनाएं पहुंचा रहा था। एटीएस के अधिकारियों के मुताबिक पिछले दिनों आर्मी को आरोपी की हरकतों पर शक हुआ था। मिलिट्री इंटेलिजेंस को इनपुट मिले थे कि सेना के खिलाफ षड़यंत्रों में जिन मोबाइल फोन का इस्तेमाल हो रहा है, उनके सिमकार्ड आरोपी ने पाकिस्तानी एजेंसी को उपलब्ध कराए हैं।

इस इनपुट के आधार पर आरोपी को अरेस्ट किया गया है। इनपुट के मुताबिक आरोपी हाल ही में पाकिस्तान गया था और 6 सप्ताह तक अपने मां बाप के घर में रहा था। इस दौरान आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था। वहां से लौटने के बाद इसने मोबाइल का सिमकार्ड जाम नगर में रहने वाले आईएसआई के एजेंट मोहम्मद सकलेन ताहीम को उपलब्ध कराए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान से आरोपी के कुछ रिश्तेदार भारत आने वाले थे।

बिहार में डीएसपी के बॉडीगार्ड ने खुद को मारी गोली, हुई मौत

कटिहार, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले के सहायक थाना क्षेत्र में बुधवार को डीएसपी के बॉडीगार्ड और बिहार विशेष सशस्त्र बल के जवान ने सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पूरा मामला सहायक थाना क्षेत्र के मिर्चाइयाबाड़ी का है जहां विशेष सशस्त्र बल के जवान दीपक कुमार ने खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और घायल अवस्था में उसे कटिहार मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। कटिहार के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) शिव शंकर कुमार ने जवान की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकारी पिस्तौल से गोली कैसे चली यह जांच का विषय है। आत्महत्या के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है।

डैमेज कंट्रोल में जुटी कांग्रेस

अखिलेश की तारीफ में दिग्विजय सिंह ने कही ये बात; कमलनाथ को दी नसीहत

भोपाल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने ही चुनावों को लेकर एक दूसरे पर हमला करना शुरू कर दिया है। वहीं, इस बीच सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर भी विवाद छिड़ गया है। किसी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए- दिग्विजय सिंह शुरुआत से ही दोनों पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं, अब मध्य प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का भी बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने क्या कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने कैसे कहा, लेकिन किसी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए। कमलनाथ ने मेरे पास एक टीम भेजी। बैठक में चर्चा हुई कि सपा 6 सीटें मांग रही है। मैंने कमलनाथ को रिपोर्ट भेजी कि हम उनके (सपा) के लिए 4 सीटें छोड़ सकते हैं। मैंने भी पूछा कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय नेतृत्व ने कहा कि इंडिया एलायंस से हमारा क्या संबंध होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि उन्होंने (कमलनाथ) इसे प्रदेश नेतृत्व पर छोड़ दिया। इंडिया एलायंस लोकसभा चुनाव तो साथ मिलकर लड़ेगा लेकिन राज्य चुनाव में हमारे मुद्दे अलग हैं । अखिलेश बहुत ईमानदार व्यक्ति हैं। वे पढ़े-लिखे हैं और पार्टी और परिवार को संभाल रहे हैं। मुझे नहीं पता कि चर्चा कहां गलत हो गई लेकिन कमलनाथ पूरी ईमानदारी के साथ किसी समझौते पर पहुंचना चाहते थे। दोस्ताना झगड़े गठबंधन में होते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप का जवाब देते हुए कांग्रेस पर हमला तो बोला, लेकिन उन्होंने इंडिया गठबंधन के टूटने की अटकलों पर विराम भी लगा दिया है।

त्रियूंड की पहाड़ियों से रूस का पायलट सुरक्षित निकाला, पोलैंड का 70 वर्षीय पायलट लापता

बैजनाथ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। (कांगड़ा) रूस का पायलट त्रियूंड की पहाड़ियों से बुधवार सुबह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गौरतलब है कि सोमवार से लापता चल रहे पोलैंड के पायलट की तलाश में मंगलवार को हेलिकॉप्टर से बचाव दल ने सर्च अभियान चलाया था। मंगलवार को बिलिंग से उड़ान भरने वाला रूस का पायलट तब दिखाई दिया था। देर शाम को हेलिकॉप्टर की उड़ान संभव न होने पर बचाव दल के दो सदस्यों को इस पायलट के पास छोड़ दिया गया था और बुधवार सुबह अब इसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। पोलैंड के लापता पायलट की तलाश जारी है। 70 वर्षीय पोलैंड के पायलट ने बिलिंग से भरी उड़ान, लापता पैराग्लाइडिंग के लिए विश्व प्रसिद्ध बीड बिलिंग घाटी से सोमवार को फ्री फ्लायर के तौर पर उड़ान भरने वाला पोलैंड का 70 वर्षीय पायलट एंड्रजेज कुलाविक लापता हो गया है। पायलट ने बिलिंग से टेक ऑफ किया था और धर्मशाला की तरफ जा रहा था कि इससे आगे निकल गया। पहाड़ियों के बीच में लापता हो गया। पायलट को अंतिम बार करेरी की पहाड़ियों की तरफ जाते हुए सोमवार को देखा गया था। उसके बाद से पायलट की लोकेशन का पता नहीं चल सका है। बचाव दल ने धर्मशाला-मैक्लोडगंज और त्रियूंड की पहाड़ियों में पायलट की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इस दौरान बीड़ से गए बचाव दल के सदस्यों को बिलिंग से उड़ान भरने वाले एक अन्य रूसी पायलट का पता चला। बचाव दल के दो सदस्यों को इस पायलट की सुरक्षा के लिए छोड़ दिया गया।

मुंबई में दिखा आवारा कुत्तों का आतंक, रिहायशी इलाके में पोस्टमैन को घेरा

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। आजकल आवारा कुत्तों का आतंक देश के कोने-कोने में देखने को मिल रहा है और ये दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। कई राज्य सरकार से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस समस्या को लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं। पर ये समस्या ज्यों की त्यों नजर आ रही है। एक ऐसा ही ताजा मामला मुंबई से आ रहा है। यहां एक रिहायशी सोसायटी में एक पोस्टमैन को 5-5 कुत्ते घेर लेते हैं, जिसके बाद पोस्टमैन घबरा जाता है। इसका एक सीसीटीवी वीडियो पर सामने आया है। मुंबई एक रिहायशी इलाके से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। दरअसल, मुंबई एक रिहायशी इलाके में एक पोस्टमैन चिट्ठी देने आया था कि तभी वहां कुछ ऐसा हो जाता है जिसकी पोस्टमैन ने भी कल्पना नहीं की होगी।

गरबा पुरस्कार को लेकर झगड़ा, 11 वर्षीय बच्ची के पिता को पीट पीट कर मार डाला

पोरबंदर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के पोरबंदर में पुरस्कार को लेकर हुये विवाद के बाद एक 'गरबा' समारोह के आयोजकों ने कथित तौर पर 40 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक रुतु राबा ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब दो बजे पोरबंदर में कृष्णा पार्क सोसाइटी के पास पीड़ित सरमन ओडेदारा पर सात लोगों ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। राबा ने कहा, "ओडेदारा की हत्या में शामिल सभी सात आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।" आरोपियों में राजा कुचड़िया, राजू केसवाला, रामदे बोखिरिया, प्रतीक गोरानिया और उनके तीन साथी शामिल हैं। प्राथमिकी के अनुसार, इन आरोपियों ने कृष्णा पार्क से सटे एक स्कूल के पास नवरात्र के अवसर पर पारंपरिक नृत्य गरबा से संबंधित एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसी जगह पर ओडेदारा परिवार रहता है। ओडेदारा की पत्नी मालिबेन ने पोरबंदर में उद्योगनगर पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा कि उनकी 11 वर्षीय बेटी ने भी गरबा कार्यक्रम में भाग लिया था,

उसने उन्हें बताया कि दो अलग-अलग प्रतियोगिताएं जीतने के बाद आयोजकों द्वारा उसे केवल एक पुरस्कार दिया गया। वह इस बात की शिकायत करने के लिए आयोजकों के पास गई थीं। जब मालीबेन वहां पहुंची तो केसवाला ने उन्हें आयोजकों का निर्णय स्वीकार करने को कहा। प्राथमिकी के अनुसार, उनसे कहा गया कि या तो पुरस्कार ले लो या छोड़ दो।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 26 अक्टूबर - 2023

टिकट बंटवारे पर बवाल

पांच राज्यों में चुनावी तैयारियों के चलते सभी पार्टियां अपने उम्मीदवार तय कर रही हैं लेकिन इस आपाधापी में कुछ ऐसे लोगों को भी टिकट थमा दिए गए जिसे स्थानीय मतदाता पसंद नहीं कर रहे हैं। इसीलिए बीजेपी हो या कांग्रेस दोनों पार्टियों में असंतुष्टों का विरोध प्रदर्शन जारी है। टिकट बंटवारे से उत्पन्न स्थिति से पार्टी हाईकमान भी चिंतित है लेकिन चुनाव तक कुछ किया भी नहीं जा सकता। मध्य प्रदेश कांग्रेस में विरोध का असर यह दिखा कि उसने अपने चार उम्मीदवारों का टिकट ही बदल कर विरोध शांत करने की कोशिश की है। मध्यप्रदेश में टिकट वितरण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस में असंतुष्टों के विरोध प्रदर्शन की खबरें नेतृत्व के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। देखा जाए तो यह किसी खास राज्य या चुनाव तक ही सीमित नहीं है। मजेदार वाक्या तब हुआ जब मध्य प्रदेश कांग्रेस की ही एक बैठक के दौरान दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच हुई एक मजाकिया नोकझोंक का विडियो वायरल हो गया था। दोनों इस बात पर बहस कर रहे थे कि टिकट बंटवारे से नाराज कार्यकर्ताओं को किसके कपड़े फाड़ने चाहिए। कांग्रेस ने इस विडियो को दोनों नेताओं के बीच आपसी सद्भाव के सबूत के रूप में पेश किया था, लेकिन वह इस बात का भी प्रमाण था कि भारतीय राजनीति में टिकट बंटवारे से उपजने वाले असंतोष को कितना सहज और सामान्य मान लिया गया है। देखा जाए तो यह वाक्या एक स्तर पर तमाम दलों में बढ़ते अति केंद्रीकरण का भी सबूत है। राष्ट्रीय दल तो ठीक अब तो तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यही प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। मजेदार तो यह है कि इसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञ इसे नेताओं और कार्यकर्ताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं। यही नहीं दलों का नेतृत्व इस तरह के प्रयासों को रिस्क घटाने का हिस्सा मानते हैं। पार्टी की ओर से आर्थिक और अन्य फायदों का केंद्रीकृत बंटवारा भी इसमें शामिल है। आखिरकार इन सबका मकसद पार्टी पर किसी खास नेता या गुट या परिवार का नियंत्रण बनाए रखना ही होता है। इसीलिए इस तरह का पनप रहा असंतोष न केवल पार्टी के दूरगामी हितों के खिलाफ है बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए भी फायदेमंद नहीं है। इसके बचाव में दलीलें तो तरह-तरह की दी जा सकती हैं लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह पार्टी नेतृत्व और स्थानीय पार्टी काडर के बीच बढ़ती खाई का संकेत है। राजनीतिक दल के नेताओं को भी समझना होगा कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यपालिका और आम नागरिकों के बीच पुल का काम यह स्थानीय पार्टी काडर ही करता है। जाहिर है, इसका पार्टी नेतृत्व से जुड़ाव कम होना या टूटना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है। यही वजह है कि अन्य देशों में लोकल पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी पिछले दो दशकों से प्राइमरीज के जरिए प्रत्याशियों का चयन करने पर जोर दे रही है, जिसमें वोटर भी शामिल होते हैं। 2019 के चुनाव में तो उसने प्रत्याशियों की सूची अंतिम मंजूरी के लिए लोकल यूनिटों के पास भेज दी थी। अन्य देशों में ऐसे और भी प्रयोग लगातार किए जा रहे हैं जिस पर गौर किया जा सकता है। इन तमाम प्रयोगों के अपने फायदे और नुकसान हैं। इसलिए इन्हें ज्यों का त्यों अपना लेने की वकालत भी नहीं की जा सकती, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति से बचने के लिए पूरे देश में एक सचेत प्रयास किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

नवाब कराते थे मुर्गों की मालिश

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जो क्रेज इन दिनों 'कड़कनाथ' का है, नवाबों के वक्त अवध में वही, बल्कि उससे बढ़कर 'असील' का था। समझ तो गए होंगे आप, हम मुर्गों की बात कर रहे हैं। उस दौर में नवाबों ने गोरी चमड़ी वाले अंग्रेज दरबारियों को भी मुर्गबाजी की लत लगा दी थी। तब मुर्गबाजी यानी मुर्गों की लड़ाई के लिए असील मुर्गे ही सबसे उपयुक्त माने जाते थे। उनके कद्रदान कहते थे कि उनकी जैसी बहादुरी शेरों में भी नहीं पाई जाती, क्योंकि वे जान दे देते हैं, मगर लड़ाई से मुंह नहीं मोड़ते।जानकारों के मुताबिक मुर्गों की यह नस्ल कभी अरब से अवध लाई गई थी। हालांकि अब उसे 'प्योर देसी' बताया जाता है और मुर्गबाजी के शौकीन अभी भी इस नस्ल के ऊंचे कद, लंबी टांगों, धारदार पंजों और भरपूर आक्रामकता वाले मुर्गों की कोई भी कीमत देने को तैयार रहते हैं। यह बात और है कि सूबे में मुर्गबाजी के प्रति नवाबों के वक्त जैसी दीवानगी अब कहीं नहीं दिखती।

कहते हैं, नवाबों के वक्त लखनऊ के एक दीवाने मुर्गबाज ने अपने चहेते असील मुर्गे के एक बाजी हार जाने से हुए अपने अपमान को इस तरह दिल पर ले लिया था कि शहर छोड़कर इराक चला गया। वहां वह नजफ-ए-अशरफ में दिन-रात इबादत करता और दुआ मांगता था कि 'ऐ खुदाबंद! मुझ पर करम फरमा और एक ऐसा मुर्गा दिलवा दे, जो कभी न हारे।' उसकी दुआ कुबूल हो गई और एक रात ख्वाब में उसे जंगल जाने का हुक्म हासिल हुआ। आंख खुलते ही उसने एक मुर्गी अपने साथ ली और जंगल की ओर भागा। वहां एक पहाड़ के दर्रे के पास उसे कुकड़ू-कूं की आवाज सुनाई पड़ी तो उसने फौरन आवाज के बेहद नजदीक जाकर अपनी मुर्गी छोड़ दी। मुर्गी की आहट पाकर कुकड़ू-कूं करता मुर्गा निकल आया तो फौरन उसे पकड़ा और साथ लेकर लखनऊ लौट आया। उसका दावा था कि उसके इस मुर्गे ने कभी कोई शिकस्त नहीं खाई। बहरहाल, अवध में मुर्गबाजी तीसरे नवाब शुजाउद्दौला के वक्त परवान चढ़नी शुरू हुई और उसका जादू तब तक सूबे के लोगों के सिर चढ़कर बोलता रहा, जब तक नवाब ही खत्म नहीं हो गए। नवाब सआदत अली खां के वक्त तो लखनऊ में रहने वाले अनेक अंग्रेज भी इस बाजी के लती हो गए थे। 1856 में अंग्रेजों ने सूबे का राज हड़पकर नवाब वाजिदअली शाह को कलकत्ता के मटियाबुर्ज निर्वासित कर दिया तो वह वहां भी नवाब अली खां की कोठी में मुर्गबाजी का लुत्फ उठाते थे।

इससे पहले मुर्गबाजी के सुनहरे दिन थे तो मुर्गबाज अपने मुर्गे की जीत के लिए कुछ भी उठा नहीं रखते थे। वे उसकी चोंच को छीलकर नुकीली कर देते, पैरों में कांटे बांध देते और बाजी के वक्त ऐसी चालाकी से छोड़ते कि पहले वार का मौका उसे ही मिले। वह पंजों और चोंचों से अपने प्रतिद्वंद्वी से जा भिड़ता, तो लोग ललकार-ललकार कर उसका हौसला भी बढ़ाते। प्रतिद्वंद्वी मुर्गे लड़ते-लड़ते जख्मी हो जाते या थक जाते तो कुछ देर के लिए मुकाबला रोक दिया जाता। इस 'इंटरवल' में मुर्गबाज अपने-अपने मुर्गे के जख्मी सिर पोंछते, उस पर पानी की फुहारें डालते और जहां कहीं भी जख्म होता, उसे मुंह से चूसकर सारी तकलीफ हर लेते। इस सबसे मुर्गे चंद मिनटों में ही फिर ताजा दम हो जाते। कई बार उनकी एक दिन की भिड़ंतों में ही जीत-हार का फैसला नहीं हो पाता। चार-चार, पांच-पांच और कभी-कभी आठ-नौ रोज तक भिड़ंतें होतीं। मुर्गबाज आखिर तक जीत की उम्मीद नहीं छोड़ते और घायल हो जाने पर भी मुर्गे को लड़ाते रहते, जब तक कि वह पूरी तरह लाचार नहीं हो जाता। अलबत्ता, जब वह उठ नहीं पाता तो हार मान लेते।मुर्गे की चुस्ती-फुर्ती में कोई कमी न आए, इसके लिए मुर्गबाज उसे भरपूर 'गिजा' देते। दाने चुगत-चुगते उसकी चोंच का नुकीलापन खत्म न हो जाए, इसके लिए उसे अपने हाथ से दाने चुगाते। उसकी कोफ्त मिटाने और थकान उतारने के लिए उसकी नियमित मालिश भी करते। कई मुर्गबाजों के पास लड़ाकू मुर्गों की पूरी फौज होती, जिसे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता।

टिकिट बाँटने वाले प्रत्याशी बन गए और दावेदार सड़कों पर !

श्रवण गर्ग

आश्चर्य व्यक्त नहीं किया जाना चाहिए अगर हिमाचल और कर्नाटक की पराजयों से निराश हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों (राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना) में लड़ाई तो विधानसभा चुनावों के लिए लड़ते दिखाई दे रहे हों पर अपने लिए रणनीतिक हथियारों का ज़ख़ीरा छह महीने बाद ही होने वाले लोकसभा के महासंग्राम के लिए जमा कर रहे हों ! देश को पता है मोदी के लिए दोनों में ज़्यादा महत्वपूर्ण क्या है !

अक्टूबर 1951 में अखिल भारतीय जनसंघ और अप्रैल 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद पहला अवसर है जब इतनी बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों की विधानसभा चुनाव की लड़ाई के लिए जबरन भर्ती की गई है। 'जबरन' इसलिए कि एक-दो को छोड़ इन सभी को लोकसभा चुनाव भी लड़ना पड़ सकता है। यानी छह महीनों में दो चुनाव लड़ने पड़ेंगे !

प्रधानमंत्री और पार्टी का संकट निश्चित ही बड़ा होना चाहिए जो कि 2014 के बाद हुए देश के किसी भी विधानसभा चुनाव-उपचुनाव में नहीं नज़र आया ! साल 2018 में भी नहीं जब भाजपा तीनों राज्यों में पराजित हो गई थी। तब तो राहुल गांधी भी भाजपा के लिए 'पप्पू' थे और उनकी कोई 'भारत जोड़ो यात्रा' भी नहीं हुई थी। भाजपा को तब जनता ने ही हरा दिया था। इस समय राहुल भी हैं, संगठित विपक्ष भी और जनता भी ! प्रधानमंत्री को 2018 तक एक यक़ीन था ! वह यह कि शिवराज सिंह,रमन सिंह और वसुंधरा राजे के ख़िलाफ़ विरोध की लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) के चलते चाहे तीनों विधानसभाओं में पार्टी हार जाए, लोकसभा (2019) में तो 'घर-घर मोदी' ही होने वाले हैं। ऐसा तब हुआ भी पर इस समय पीएमओ को खुटका बैठ गया है कि मामला अलग है। सरकार अगर डबल इंजन की है तो विरोध की लहर भी 'डबल' ही है।

जो दिखाई दे रहा है वह यह कि प्रधानमंत्री के सामने संकट विधानसभा चुनावों का उतना नहीं है जितना उस नव-निर्मित लोकसभा भवन में 2014 और 2019 जैसे बहुमत के साथ स्वयं के पुनर्प्रवेश का है जिसकी सीटें 543 से 888 कर दीं गईं हैं। कांग्रेस ने इरादा प्रकट कर दिया है कि केंद्र में अगर विपक्ष की हुकूमत क़ायम हो गई तो सारे सांसद नए भवन से पुरानी इमारत में पुनः प्रवेश के लिए मार्च करने वाले हैं।

हिमाचल और कर्नाटक के परिणामों का भाजपा के लिए सार सिर्फ़ इतना है कि दोनों ही राज्यों में प्रधानमंत्री सिर्फ़ हिंदुत्व और अपने व्यक्तित्व के तिलिस्म के बल पर ही चुनाव जीतकर दिखाना चाहते थे। हिमाचल में हिंदुओं की आबादी 95 प्रतिशत और कर्नाटक में 84 प्रतिशत है। दोनों ही स्थानों पर मतदाताओं से मोदी की अपील यही थी कि वे सिर्फ़ 'उन्हें' और 'कमल' को देखें। मतदाताओं ने प्रधानमंत्री की मर्ज़ी के मुताबिक़ देखने से इंकार कर दिया।

हिमाचल की सभी चारों और कर्नाटक की 28 में से 25 लोकसभा सीटों के सांसद भाजपा के पास थे पर प्रधानमंत्री को अपनी छवि पर इतना ज़्यादा भरोसा था कि एक भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को चुनावी मैदान में नहीं उतारा गया। प्रधानमंत्री शायद संघ के मुखपत्र 'ऑर्गनाइज़र' में छपे आलेख की इस चेतावनी को ग़लत साबित करना चाहते थे कि अकेले उनकी छवि और हिंदुत्व से ही अब काम नहीं चलेगा।

साल भर के दौरान एक दर्जन से ज़्यादा सफल-असफल चुनावी यात्राएँ/सभाएँ कर लेने, पहली सूची में तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात सांसदों को मैदान में उतार देने और चौथी सूची जारी होने के पहले तक शिवराज सिंह को साँस रोककर प्रतीक्षा करवा लेने के बाद शायद महसूस किया गया कि विरोध की लहर इस बार दिल्ली को भी गिरफ़्त में ले सकती है और असंभव नहीं कि 2019 तरह का 'हर-हर मोदी' 2024 में नहीं हो।

शिवराज सिंह का टिकिट लटकाकर केंद्र के ख़िलाफ़ वाली लहर का मुँह बंद करने की कोशिशों को ताबड़तोड़ विराम लगाया गया। 'सारे चेहरों को बदल दूँगा' का गर्व अपने ही 'सारे फ़ैसलों को बदल देने' में तब्दील किया गया।

प्रधानमंत्री की मतदाताओं के नाम चिट्ठी शिवराज सिंह की तारीफ़ में बदल गई। प्रधानमंत्री सिंधिया स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने ग्वालियर पहुँचे भी पर यात्रा प्रदेश के खाते में दर्ज नहीं हुई ।

जिन दिग्गज मंत्री-सांसदों को (मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल , महालकोशल ,विंध्य आदि क्षेत्रों में) उतारा गया है उनकी परेशानी टिकिटों के बँटवारे को लेकर सड़कों पर उपजे राज्यव्यापी असंतोष से लगाकर शिवराज सिंह तक फैली नाराज़गी ने बढ़ा दी है। अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए पिछले साढ़े चार साल से शिवराज सिंह के कामकाज पर ही निर्भर रहने वाले इन दिग्गज उम्मीदवारों के सामने चुनौती विधानसभा जीतने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के लिए लोकसभा की ज़मीन तैयार करने की भी है। भाजपा में नीचे तक जानकारी है कि पार्टी के गड्ढे हिमाचल, कर्नाटक और बिहार (कुल 72 लोकसभा सीटें) ने गहरे कर दिये हैं। ऐसी स्थिति में पार्टी मध्यप्रदेश और अन्य दो राज्यों में कोई और क्षति बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। तीनों राज्यों की कुल 65 सीटों में भाजपा के पास अभी 62 हैं। हक़ीक़त यह भी है कि प्रधानमंत्री ही नहीं ,राहुल गांधी के लिए भी कांग्रेस का चुनाव जीतना उतना ही ज़रूरी हो गया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए लड़ाई 2018 और 2019 से अलग बन गई है।

अंत में यह कि तमाम मंत्री-सांसदों को जो पिछले चुनावों तक दूसरों को टिकिट बाँटा करते थे, उनसे बग़ैर पूछे विधानसभा चुनावों में उतार देने के नतीजे अगर उल्टे पड़ गए तब क्या सीन बनेगा ? सवाल यह भी है कि ये दिग्गज अगर प्रधानमंत्री की उम्मीदों के मुताबिक़ परिणाम नहीं दे पाए तो मोदी इनसे ज़्यादा भारी उम्मीदवार लोकसभा चुनाव के लिये कहाँ से लाएँगे ? क्या विधानसभा चुनाव में इन दिग्गजों की हार-जीत और हरेक के संसदीय क्षेत्र में प्राप्त होने वाले मतों की गिनती से ही लोकसभा चुनावों की तारीख़ें और प्रधानमंत्री की जय-पराजय तय होने वाली है ? हाल-फ़िलहाल तो ऐसा ही नज़र आ रहा है !

http://shravangarg1717.blogspot.com

भारत विरोधी विमर्शों का प्रतिकार

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की तरफ अग्रसर है। विजय दशमी के दिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ हेडगेवार ने इसकी स्थापना की थी। विजय दशमी के दिन प्रभु श्री राम ने लंका विजय की थी।असत्य अहंकार अधर्म पर यह सत्य और धर्म की विजय थी। डॉ हेडगेवार संघ के माध्यम से भारत के इसी स्वाभिमान को जागृत करना चाहते थे। संघ लगातर इस दिशा में बढ़ रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। विजय दशमी पर मुख्य समारोह नागपुर में होता है। इस समारोह में सर संघचालक जी का मार्गदर्शन मिलता है। इस बार प्रसिद्ध गायक पद्मश्री शंकर महादेवन मुख्य अतिथि थी। यह नया अनुभव था। उन्होंने भगवती श्लोक से अपना संबोधन शुरू किया। मैं रहूं ना रहूं यह देश रहना चाहिए,,इस गीत से संबोधन पूरा किया। कहा कि भारत का पूरी दुनिया में प्रभाव बढ़ा है। दुनिया में भारतीयों को बहुत सम्मान मिलने लगा है। डॉ मोहन भागवत ने जी 20 शिखर सम्मेलन का उल्लेख किया।भारत के सनातन चिंतन के प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ा है। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार भारतीय विरासत है। इस पर अमल से ही विश्व में शांति सौहार्द सम्भव है। अन्य कोई मार्ग नहीं है। इसी प्रकार पर्यावरण समस्या का समाधान भी भारतीय चिंतन से हो सकता है। लेकिन इसके पहले भारत को अपनी विरासत पर गर्व करना सीखना होगा। उसके अनुरूप आचरण करना होगा। सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। प्रशासन और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। आज भी कल्चरल कम्युनिस्ट सनातन विरोधी सक्रिय हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे तत्व भारत को कमजोर करना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति का विरोध करते हैं। भारत विरोधी विमर्श चलाते हैं। देश हित में इनका प्रतिकार करना होगा भारत के विशिष्ट विचार व दृष्टि के कारण संपूर्ण विश्व के चिंतन में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की दिशा जुड़ गई। भारत को विश्व के मंच पर एक प्रमुख राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा मिल रही है। एशियाई खेलों में पहली बार भारत ने सौ अधिक पदक जीते हैं। चंद्रयान की सफ़लता उभरते भारत की शक्ति,बुद्धि तथा युक्ति का प्रमाण है। वैज्ञानिक तथा उनको बल देनेवाला नेतृत्व संपूर्ण देश में अभिनंद हो रहा है। हमारे संविधान की मूल प्रति के एक पृष्ठ पर जिनका चित्र अंकित है ऐसे धर्म के मूर्तिमान प्रतीक श्रीराम के बालक रूप का मंदिर अयोध्याजी में बन रहा है। बाइस जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। श्रीराम अपने देश के आचरण की मर्यादा के प्रतीक है, कर्तव्य पालन के प्रतीक है। स्नेह व करुणा के प्रतीक है। राम मंदिर में श्रीरामलला के प्रवेश से प्रत्येक ह्रदय में अपने मन के राम को जागृत करते हुए मन की अयोध्या सजे व सर्वत्र स्नेह, पुरुषार्थ तथा सद्भावना का वातावरण उत्पन्न हो ऐसे, अनेक स्थानों पर परन्तु छोटे छोटे आयोजन करने चाहिए।भारत भौतिक व आध्यात्मिक उन्नति के पथ आगे बढ़ रहा है। भारत की पहचान को, हिंदू समाज की अस्मिता को बनाए रखने का विचार स्वाभाविक है। विरासत के अनुरूप भारत का सामर्थ्य बढ़ाने की आवश्यकता है। इस दिशा में देश अग्रसर हो रहा है। यह प्रगति बाधित नहीं होनी चाहिए। विश्व में आतंक,युद्ध की समस्या है। यूक्रेन के अथवा गाझा पट्टी के युद्ध जैसे कलहों का कोई निदान दिख नहीं रहा है।प्रकृतिविरुद्ध जीवनशैली, अमर्यादित उपभोगों के कारण नई-नई शारीरिक व मानसिक बीमारियाँ उत्पन्न हो रही हैं। विकृतियाँ व अपराध बढ़ रहे हैं । आत्यंतिक व्यक्तिवाद के कारण परिवार टूट रहे है । प्रकृति के अमर्याद शोषण से प्रदूषण, वैश्विक तापमानवृद्धि, ऋतुक्रम में असंतुलन व तज्जन्य प्राकृतिक हादसे प्रतिवर्ष बढ रहे हैं । आतंकवाद, शोषण और अधिसत्तावाद को खुला मैदान मिल रहा है । अपनी अधूरी दृष्टि को लेकर विश्व इन समस्याओं का सामना नहीं कर सकता यह स्पष्ट हुआ है। इसलिए अपने सनातन मूल्यों व संस्कारों के आधार पर, भारत अपने उदाहरण से वास्तविक सुख शांति का नवपथ विश्व को दिखाए यह अपेक्षा जगी है। सुरक्षा, पर्यावरण, जन सांख्यिकी व विकास की दृष्टि से इस पूरे क्षेत्र को एक इकाई मानकर हिमालय क्षेत्र का विचार करना होगा। भारतीय मूल्यों पर तथा भारत की समग्र एकात्म दृष्टि पर आधारित विकास पथ भारत को बनाना पड़ेगा । यह भारत के लिए सर्वथा उपयुक्त तथा विश्व के लिए भी अनुकरणीय प्रतिमानक बन सकेगा

समाज में भी कृषि, उद्योग और व्यापार के, तत्संबंधित सेवाओं के क्षेत्र में, सहकारिता व स्वरोजगार के क्षेत्रों में, नए सफल प्रयोगों की संख्या वृद्धि भी निरंतर हो रही है । परंतु प्रशासन के क्षेत्र में, सभी क्षेत्रों में चिंतन करनेवाले व दिशा देने वाले बुद्धिधर्मियों में, इस प्रकार की जागृति की और अधिक आवश्यकता है । शासन की 'स्व' आधारित युगानुकूल नीति, प्रशासन की तत्पर, सुसंगत व लोकाभिमुख कृति तथा समाज का मन, वचन, कर्म से सहयोग व समर्थन ही देश को परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ाएगा। भारत के उत्थान का प्रयोजन विश्व-कल्याण ही रहा है। जबकि कम्युनिस्ट विश्व की सभी सुव्यवस्था,मांगल्य, संस्कार, संयम के विरोधी हैं। ऐसे तत्व

प्रचार व प्रसार के माध्यमों तथा अकादमियों को हाथ में लेकर देशों की शिक्षा, संस्कार,राजनीति व सामाजिक वातावरण को भ्रमित करते हैं। इन आसुरी शक्तियों को समाज और राष्ट्र विरोधी शक्तियों का सहयोग मिलता है। मणिपुर हिंसा में यही दिखाई दिया था। लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई। मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ। वर्षों से वहाँ पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है। इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती ह। समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता रहेगी। डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संघ के स्वयंसेवक तो समाज के स्तर पर निरंतर सबकी सेवा व राहतकार्य करते हुए समाज की सज्जनशक्ति का शांति के लिए आह्वान रहे हैं।सबको अपना मानकर, सब प्रकार की कीमत देते हुए समझाकर, सुरक्षित, व्यवस्थित, सद्भाव से परिपूर्ण और शान्त रखने के लिए ही संघ का प्रयास रहता है। एकता की परंपरा हमारी विरासत में हमको मिली है। हमारी सर्व समावेशक संस्कृति है।पूजा, परंपरा, भाषा, प्रान्त, जातिपाती इत्यादि भेदों से ऊपर उठकर, अपने कुटुंब से संपूर्ण विश्वकुटुंब तक आत्मीयता को विस्तार देनेवाली हमारी आचरण की व जीवन जीने की रीति है। हमारे पूर्वजों ने अस्तित्व की एकता के सत्य का साक्षात्कार किया । उसके फलस्वरूप शरीर, मन, बुद्धि की एक साथ उन्नति करते हुए तीनों को सुख देनेवाला, अर्थ, काम को साथ चलाकर मोक्ष की तरफ अग्रेसर करनेवाला धर्मतत्व उनको अवगत हुआ । उस प्रतीति के आधार पर उन्होंने धर्मतत्व के चार शाश्वत मूल्यों सत्य, करुणा,शुचिता व तपस को आचरण में उतारनेवाली संस्कृति का विकास किया। भारतभूमि को हमारे संस्कारों की अधिष्ठात्री माता मानकर उसकी हम भक्ति करते हैं।

हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

संजीव ठाकुर

हिंदी संवैधानिक रूप से तो भारत की राजभाषा है,पर इसे राष्ट्रभाषा नहीं बनाया गया है विषय चिंतनीय है ।देश में व्यवहारिक रूप से हिंदी को कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक को सर्वोपरि सम्मान नहीं मिल पाया है जिसकी हिंदी भारत में सर्वाधिक हकदार भाषा है। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता कथा विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफ़ेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु र मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है, देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है ।इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था।

हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया। 14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार-प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है।

हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र-पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है ।

दूसरी तरफ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई बुक, विज्ञापन ,टेलीविजन तथा अन्य मीडिया के साधनों के क्षेत्र में हिंदी का अधिकतम उपयोग करने की समझाइश दी गई है, ताकि इसका विकास एवं संवर्धन किया जा सके।

यह कैसा प्यार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

"गुरुजी! इन कंदराओं में धूल फांकने से पहले कभी आपको घर बसाने की नहीं सूझी?" चेले ने हाथ जोड़ते हुए पूछा। "बच्चा! कंदरा कोई स्वर्ग जैसी जगह तो है नहीं कि हर कोई मुँह उठाए यहाँ चला आएगा। हाँ जब बंदे को बाहरी दुनिया नरक लगे तो तब कंदरा स्वर्ग सा प्रतीत होता है। जहाँ तक घर बसाने की बात है, तो एक बार इच्छा हुई थी। लेकिन हिंदी फिल्मी गानों ने हमारा घर बसने से पहले ही उजाड़ दिया।" "हिंदी फिल्मी गानों ने...? वह कैसे गुरुजी?" चेले ने चेहरे पर मासूमियत लाते हुए पूछ।।

"हाँ बच्चा! हिंदी फिल्मी गानों ने! बात तब की है जब हम जवान हुआ करते थे। हमारी अँखिया नैन-मटक्का करने में कुत्ते की दुम की तरह थी। परिणामस्वरूप हम एक गोरी चिट्टी, सुंदर सुशील कन्या के प्रेम में फंस गए। कन्या के पिता बीमा में काम करते थे। बीमा वाले बड़े खतरनाक होते हैं, एक बार के लिए यमराज से बच सकते हैं, लेकिन बीमा वालों से कतई नहीं। वे बात के आगे और बात के पीछे सुरक्षा-गारंटी की बात करते थे। हमने अपने प्यार के लिए उनके पास एक बीमा करवा लिया। सोचा ऐसा करने से वे खुश होकर अपनी कन्या का हाथ मुझे दे देंगे। लेकिन जब भाग्य कुछ और चाहता है तब हमारी सारी उम्मीदें उसके सामने पानी भरती हैं। उन्होंने मुझे अपनी बिटिया के लिए रोटी, कपड़ा और मकान का आश्वासन देने के लिए कहा। मेरी नौकरी ऐसी थी कि जिसमें में रोटी और कपड़े की व्यवस्था हो सकती थी। घर मेरे लिए हर की पौढ़ी थी। कन्या ने छोटा सा घर होगा बादलों की छाँव में / आशा दीवानी मन में बंसुरी बजाये गीत गाकर हमें प्रेरित किया। मैंने भी एक घर बनाऊँगा, तेरे घर के सामने / दुनिया बसाऊँगा, तेरे घर के सामने गाकर अपना हौसला दिखाया। कन्या ने खुशी के मारे सामने गली में मेरा घर है / पता मेरा भूल न जाना / हो पता मेरा भूल न जाना गाना गाकर गली वाले घर पर ठप्पा लगा दिया। बीच में ऐन मौके पर कन्या के पिता कूद पड़ते और मन्ना डे की तरह गाने लगे – रहने को घर दो / छत पे हो फर्श या फर्श पे छत हो / खिड़की विड़की बिजली विजली / घंटी वंटी कुछ नहीं चाहिए प्यारे / बस एक छोटा सा दरवाजा हो / रहने को घर दो। यह गाना सुन हमारी हालत काटो तो खून नहीं वाली हो जाती। अब हम क्या बताएँ बच्चा! घर तो दूर जब-जब हम खिड़की खरीदने की सोचते तब-तब महंगाई डायन हमारे पीछे दौड़ पड़ती। चूंकि कन्या के पिता बीमा वाले थे इसलिए सुरक्षा-गांरटी वाला लड़का मिलते ही अपनी बिटिया की शादी किसी और से कर दी। मैं उस समय वो देखो जला घर किसी का / ये टूटे हैं किस के सितारे / वो किस्मत हंसी और ऐसी हंसी / के रोने लगे गम के मारे / वो देखो जला घर किसी का गाना गाकर हालत खराब कर ली। कन्या को भुलाने की लाख कोशिश करता लेकिन वह रह-रहकर याद आती। एक दिन वह अपने पति के साथ खिलखिलाते हुए हमारे सामने पड़ गयी। एक तो दाद और ऊपर से खुजली अलग से। उस दिन हमें अच्छी तरह से समझ में आ गया कि - अश्क़ों की माला मेरे गले पेहना के / खुश है वो घर किसी और का बसा के / कर दिया खून देखो मेरे ऐतबार का / यार ने ही लुट लिया घर यार का / अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का / यार ने ही लुट लिया घर यार का। बस उसी दिन से हमारा दुनिया से मोहभंग हो गया। एक बात हमेशा याद रखना बच्चा! दुनिया में सबसे मुश्किल काम घर बनाना, घर बसाना और घर निभाना होता है। जो लोग यह नहीं कर सकते उनके लिए कंदराओं का ठिकाना श्रेष्ठ होता है। फिर उसके लिए तप का नाम दें या फिर कुछ और।"

आज भगवान विष्णु की तिथि

इस दिन तीर्थ स्नान-दान और पूजा से मिलता है महायज्ञ जितना पुण्य

अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को भगवान विष्णु के शालग्राम रूप का पूजन होता है। इस दिन व्रत रखने से शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही जाने-अनजाने में हुए पाप भी खत्म होते हैं। इस दिन उपवास करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। उपवास का मतलब है उप यानी समीप और वास का अर्थ है पास में रहना। इस तरह भोजन और सभी सुखों को छोड़कर भगवान को अपने करीब महसूस करना ही उपवास है।

स्नान-दान से मिलता है महायज्ञ जितना पुण्य

अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की द्वादशी पर गंगा और यमुना सहित किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा है। इस तिथि पर सूर्योदय से पहले उठकर पानी में तिल मिलाकर नहाने के बाद भगवान विष्णु की पूजा, फिर अन्न और कपड़े के साथ ही तिल का दान करने से महायज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है।

उपवास से मिलता है महापुण्य

अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर उपवास रखते हुए भगवान विष्णु की पूजा और अभिषेक करने का विधान है। पूजा में तुलसी पत्र और शंख में जल-दूध भरकर अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से महायज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है।

ऐसे करें पूजन

अश्विन महीने की द्वादशी पर सूर्योदय से पहले तिल के पानी से नहाने और फिर भगवान विष्णु की पूजा करने की परंपरा ग्रंथों में बताई है। इस तिथि पर नहाने के बाद सफेद या पीले कपड़े पहनकर सोलह प्रकार की चीजों से भगवान विष्णु की पूजा करें। इस दिन पंचामृत के साथ ही शंख में दूध और जल मिलाकर भगवान का अभिषेक करने का विशेष विधान बताया गया है। इसके बाद तुलसी पत्र चढ़ाकर केला या किसी भी मौसमी फलों का नैवेद्य लगाएं।

घर लाएं लक्ष्मी जी के पैर, शास्त्र के मुताबिक मिट्टी से बनी चीजों को माना जाता है बेहद पवित्र

दीपावली के नजदीक आते ही बाजार में मिट्टी से बनी नई-नई वैरायटी आनी शुरू हो गई है। लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के आने के लिए कई तरह से प्रयास या कहे तो लक्ष्मीजी के पैर अपने घर में मंडवाते है। जिससे लक्ष्मी जी उनके घर में आए और उनके घर की तरक्की हो। ऐसे में इस बार लक्ष्मीजी के मिट्टी से बने पैर भी आए है। इसके साथ ही मिट्टी से बना दो मंजिला आलीशान घर भी आया है। इसके साथ ही मिट्टी से बना लैंप और अगरबत्ती का स्टैंड भी आया है। इसके अलावा मिट्टी से बना हनुमान दस्ता भी आया है। सुबह से शाम तक लोग इन मिट्टी से बनी चीजों की खरीदारी भी कर रहे है।

दुकानदार राकेश प्रजापत ने बताया कि इस बार 25 तरह के डिजाइन के दीए लेकर आए है। मिट्टी से बने झूमर, झोपड़ी, मकान, कप, लैंप सहित कई फैंसी आइटम लेकर आए है। इस बार फैंसी से लेकर 155 तरह के आइटम बाजार में लेकर आए है। यहां मिट्टी के आइटम 5 रुपए से लेकर 500 रुपए तक मिलते है। अभी दीपावली जैसे-जैसे नजदीक आएगी तो ग्राहकी भी बढ़नी शुरू हो जाएगी। वह बताते है कि इस बार लक्ष्मीजी की मूर्ति भी मिट्टी से बनाई गई है। साथ ही मिट्टी से बनी प्लेट, शुभ लाभ, गणेश जी की मूर्ति भी बनाई गई है। राकेश ने बताया कि वह खुद ही मिट्टी से बनी इन आइटम को बनाते है। वे कई साल से यह मिट्टी पर नई-नई चीजे बनाने का काम कर रहे हैं।

मिट्टी से बनी चीजें घर में लाए सुख और तरक्की

मिट्टी से बनी चीजें घर पर रखने से हर तरह की परेशानी दूर हो जाती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक मिट्टी से बनी चीजों को बेहद पवित्र माना जाता है। अलग-अलग तरह की मिट्टी से बनी चीजें अलग-अलग तरह से सकारात्मकता घर में लेकर आती हैं, साथ ही किस्मत के तारे भी चमका देती हैं। जहां एक तरफ मिट्टी के बर्तन घर में सकारात्मकता लेकर आते हैं, वहीं, यह घर पर धन-वैभव भी बढ़ाते हैं। शास्त्रों में मिट्टी से बनी चीजें पवित्र और शुभ मानी गयी हैं।

चमत्कारी है प्राचीन गरुण मंदिर का तालाब!

ऋषिकेश : योग नगरी ऋषिकेश एक पावन तीर्थ स्थल है। यहां कई प्राचीन मंदिर स्थापित है। हर मंदिर का अपना इतिहास व अपना विशेष महत्व है। हर साल हजारों की संख्या में लोग यहां मंदिरों के दर्शन करने आते हैं। ऋषिकेश में स्थापित इन्हीं प्राचीन मंदिरों में से एक है प्राचीन गरुण मंदिर। इस मंदिर का इतिहास तो रोचक है ही साथ ही साथ इस मंदिर के निकट ही बना हुआ तालाब भी काफी प्रसिद्ध और गुणकारी है। ऋषिकेश के गरुण चट्टी पर स्थापित गरुण भगवान के मंदिर में एक तालाब बना हुआ है इस मंदिर के पुजारी बताते हैं कि गरुण चट्टी में स्थित यह गरुण मंदिर एक सिद्धपीठ हैं। ये मंदिर उत्तराखंड में भगवान गरुण का एकमात्र मंदिर भी हैं। कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए पूजा करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां आते हैं।

मछलियां भी हैं, उन्हें आटे की गोली और साथ ही पेड़ा खिलाने से राहु का दोष दूर होता है।

उत्तराखंड के दशरथ मांझी! गांव तक पानी के लिए पहाड़ का सीना चीर बनाई सुरंग, जानें कौन थे माधो सिंह भंडारी?

उत्तराखंड के दशरथ मांझी! गांव तक पानी के लिए पहाड़ का सीना चीर बनाई सुरंग, जानें कौन थे माधो सिंह भंडारी?

एलर्जी संबंधी रोग होते हैं दूर

इस मंदिर के पुजारी बताते हैं कि इस मंदिर में कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए पूजन करवाया जाता है। जो कोई भी यहां पूजन के लिए आता है, तो कालसर्प के पूजन, यज्ञ एवम जलाभिषेक के बाद स्नान के तौर पे इस जल के छींटे डाले जाते है। साथ ही गरुण गंगा का ये जल दाद, खाज, खुजली और अन्य एलर्जी संबंधी रोगोंके लिए भी फायदेमंद है।

चमत्कारी है तालाब का जल

प्राचीन गरुण मंदिर के प्रांगण में एक तालाब भी हैं। ये तालाब कोई आम तालाब नहीं है, इसके जल से कई फायदे होते हैं। इस तालाब का सीधा संबंध गरुण गंगा से मना गया है। इस तालाब का जल कोई आम जल नहीं है बल्की गरुण गंगा का पवित्र जल है, जिसमें कई तरह के रोगों को दूर करने की शक्ति है। साथ ही इस तालाब में कई सारी

मंदोदरी का रावण की मृत्यु के बाद क्या हुआ

कहां गईं बाकी दोनों पत्नियां?

लंकाधिपति, राक्षसराज, दशानन जैसे कई नामों से प्रसिद्ध रावण बहुत ही विद्वान था। लेकिन, वह जितना प्रकांड पंडित था, उतना ही अहंकारी भी था। उसे अपनी शक्ति, भगवान शंकर की भक्ति और सोने की लंका पर बहुत घमंड था। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को श्रीराम ने रावण का वध कर अपनी पत्नी सीता को छुड़ाया था। तब से दशहरा को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। दशहरा पर देशभर में रावण, उसके भाई कुंभकरण और बेटे मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि रावण की मंदोदरी के अलावा कितनी पत्नियां और थीं?

रावण वध के बाद मंदोदरी का क्या हुआ?

रावण के पूरे परिवार में सिर्फ दो लोग सीता के अपहरण और राम से युद्ध के खिलाफ थे। उनमें एक भाई विभीषण और दूसरी पत्नी मंदोदरी थीं। दोनों रावण को लगातार समझाते रहे कि सीता को सम्मानपूर्वक राम को लौटा दो और युद्ध को टाल दो, लेकिन लंकाधिपति नहीं माने। फिर युद्ध हुआ और राम ने रावण का वध कर दिया। वाल्मीकि रामायण में बताया गया है कि जब रावण की युद्ध में मृत्यु होती है तो मंदोदरी कहती हैं, 'अनेक यज्ञों का विलोप करने वाले, धर्म को तोड़ने वाले, देव-असुर व मनुष्यों की कन्याओं का हरण करने वाले आज तू अपने पाप कर्मों के कारण ही मृत्यु को प्राप्त हुआ है।' रावण के वध के बाद राम ने लंका का राजपाट रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया।

रावण की मंदोदरी समेत कितनी पत्नियां थीं?

लंकाधिपति रावण की पत्नी मंदोदरी को पतिव्रता धर्म का पालन करने के लिए देवी अहिल्या के बराबर माना जाता है। फिर भी मंदोदरी के अलावा रावण की दो पत्नियां थीं। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी कुल तीन पत्नियां थीं। रावण की पहली पत्नी और पटरानी का नाम मंदोदरी था। मंदोदरी राक्षसराज मयासुर की बेटी थीं। रावण की दूसरी पत्नी का नाम धन्यमालिनी था। तीसरी पत्नी के बारे में कहा जाता है कि रावण ने उसकी हत्या कर दी थी। इंद्रजीत, मेघनाद, महोदर, प्रहस्त, विरुपाक्ष भीकम वीर मंदोदरी के पुत्र थे। धन्यमालिनी से अतिक्या और त्रिशिरा दो बेटों ने जन्म लिया था। तीसरी पत्नी के प्रहस्था, नरांतका और देवताका नाम के बेटे थे।

मंदोदरी और अप्सरा मधुरा में क्या है संबंध?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सरा मधुरा कैलाश पर्वत पर भगवान शिव की तलाश में पहुंची। उसने माता पार्वती को वहां ना पाकर शिव को रिझाने की कोशिश की। जब पार्वती वहां पहुंचीं तो उन्होंने क्रोधित होकर मधुरा को 12 साल तक मेंढक बने रहने और कुंए में रहने का शाप दिया। इसी समय कैलाश पर असुरराज मायासुर अपनी पत्नी के साथ बेटी की कामना लिए तपस्या कर रहे थे। दोनों ने 12 वर्ष तप किया। इसी सम य मधुरा के शाप का अंत हुआ तो वह कुंए में रोने लगी। असुरराज और उनकी पत्नी उसी कुंए के नजदीक तपस्या कर रहे थे। जब दोनों ने मधुरा के रोने की आवाज सुनी तो असुरराज ने तपस्या छोड़कर उसे बाहर निकाला। पूरी सुनने के बाद दोनों ने मधुरा को ही अपनी बेटी मान लिया। फिर उन्होंने मधुरा का नाम बदलकर मंदोदरी कर दिया।

मंदोदरी का रावण से कैसे हुआ विवाह?

असुरराज मायासुर के महल में मंदोदरी को राजकुमारी का जीवन मिला। इसी बीच एक दिन रावण मायासुर से मिलने महल पहुंचा। उसने मंदोदरी को देखा और मोहित हो गया।

उसने मायासुर से मंदोदरी का हाथ मांगा। मायासुर ने उसका प्रस्ताव ठुकरा दिया तो क्रोधित रावण ने मंदोदरी का अपहरण कर लिया। दोनों राज्यों में युद्ध की स्थिति बन गई, लेकिन मंदोदरी जानती थी कि रावण उसके पिता से ज्यादा शक्तिशाली है।

इसलिए मंदोदरी ने रावण के साथ रहना स्वीकार कर लिया। इसके बाद रावण ने मंदोदरी से विधि-विधान से विवाह किया और उन्हें अपनी पटरानी बनाया। वह रावण की पहली पत्नी थीं।

रावण वध के बाद मंदोदरी का क्या हुआ?

रावण की मृत्यु के बाद भगवान राम ने मंदोदरी और विभीषण के विवाह का प्रस्ताव रखा। मंदोदरी ने इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद एक बार भगवान राम सीता और हनुमान मंदोदरी को समझाने गए।

तब ज्योतिष की प्रकांड विद्वान मंदोदरी को महसूस हुआ कि धार्मिक, तार्किक और नैतिक तौर पर देवर विभीषण से विवाह करना गलत नहीं होगा। इसके बाद उन्होंने विवाह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। हालांकि, रावण की मृत्यु के बाद पटरानी मंदोदरी के बारे में वाल्मीकि रामायण में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन रामायण के दूसरे संस्करणों में इस बारे में काफी कुछ लिखा गया है। वहीं, उसकी अन्य दोनों पत्नियां में एक की खुद रावण ने हत्या कर दी थी, जबकि तीसरी पत्नी के बारे में कहीं जिक्र नहीं मिलता है।

लंकाधिपति रावण के कितने भाई बहन थे?

रावण के दो भाइयों और एक बहन के बारे में आप सभी जानते होंगे। इनका नाम कुंभकर्ण, विभिषण और सुर्पनखा था। लेकिन, रावण के और भी भाई बहन थे। रावण के कुल छह भाई थे। इनमें विभीषण, कुम्भकर्ण के अलावा कुबेर, अहिरावण, खर और दूषण भी थे। साथ ही रावण की सूर्पनखा के अलावा एक बहन और भी थी, जिसका नाम कुम्भिनी था। वह मथुरा के राजा मधु राक्षस की पत्नी थी और राक्षस लवणासुर की मां थी। वहीं, खर-दूषण, कुम्भिनी, अहिरावण और कुबेर सगे भाई बहन नहीं थे।

साल के अंतिम चंद्र ग्रहण पर 6 राशिवाले रहें सावधान!

साल 2023 का अंतिम चंद्र ग्रहण 29 अक्टूबर रविवार को 01:06 एएम से शुरू होगा और यह 02:22 एएम पर समाप्त होगा। भारत में ग्रहण का कुल समय 1 घंटा 16 मिनट है। यह एक खंडग्रास चंद्रग्रहण होगा। यह चंद्र ग्रहण अश्वनी नक्षत्र और मेष राशि में लगेगा। 2023 में एकमात्र चंद्र ग्रहण है, जो भारत में दिखेगा, इसीलिए इसका सूतक काल मान्य होगा। इसका सूतक 28 अक्टूबर को दोपहर 02:52 पीएम से शुरू होगा। इस चंद्र ग्रहण का प्रभाव सभी राशियों पर पड़ेगा, लेकिन 6 राशिवालों पर चंद्र ग्रहण का नकारात्मक असर होगा। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव मेष राशि के जातकों पर होने वाला है। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं कि चंद्र ग्रहण किन 6 राशिवालों के लिए अशुभ होगा? पढ़ें चंद्र ग्रहण का अपना राशिफल।

मेष: साल का अंतिम चंद्र ग्रहण मेष राशि के लोगों के लिए अशुभ साबित हो सकता है। आपकी पर्सनल या प्रोफेशनल लाइफ प्रभावित हो सकती है। तनाव के कारण आपका व्यवहार खराब हो सकता है, जिसका असर संबंधों पर दिखाई देगा। चंद्र ग्रहण के दिन आप कोई भी निवेश न करें और न ही कोई नया बिजनेस, प्रोजेक्ट या कोई काम का शुभारंभ करें। यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। उस दिन आपकी सेहत भी खराब रहेगी।

वृषभ: चंद्र ग्रहण के दिन आपके जीवन में तनाव बढ़ सकता है। ज्योतिष में चंद्रमा को मन का कारक बताते हैं। चंद्रमा के कारण आपका मन परेशान हो सकता है। उस दिन आपके खर्च भी बढ़ेंगे। फिजूलखर्च पर लगाम लगाना होगा, नहीं तो आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

कर्क: आपकी राशि का स्वामी ग्रह चंद्रमा है और उस पर ग्रहण लगेगा। ऐसे में साल के अंतिम चंद्र ग्रहण के दिन आप भी सावनधान रहें। आपके लिए चंद्र ग्रहण शुभ नहीं होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर सतर्क रहकर काम करना होगा। लापरवाही भारी पड़ सकती है। आपके लिए कुछ कठिन परिस्थितियां बन सकती हैं। ग्रहण वाले दिन आपको अपनी सेहत का भी ध्यान रखना होगा।

कन्या: आपकी राशि के जातकों के लिए साल का अंतिम चंद्र ग्रहण मिश्रित परिणाम देने वाला हो सकता है। एक तरफ आपको धन लाभ हो सकता है, लेकिन खर्च पर नियंत्रण न होने से पैसे की कमी महसूस होगी। यदि आप फिजूलखर्ची पर नियंत्रण नहीं रखते हैं तो दूसरों से रुपए उधार लेने की भी नौबत आ सकती है।

वृश्चिक: साल के दूसरे चंद्र ग्रहण वाले दिन आपकी राशि के जातकों को अपने शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए। वे आपके लिए कोई मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। आप अपने कार्यों को गोपनीय रखकर करें। ध्यान रखें कि आपकी सूचनाएं लीक न हों, अन्यथा उसका दुरुपयोग हो सकता है। हालांकि नौकरी करने वालों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की उम्मीद है।

मीन: साल का अंतिम चंद्र ग्रहण आपकी राशि के आठवें भाव में लगेगा। इस कारण से आपकी लव लाइफ में टेंशन बढ़ सकती है। लव पार्टनर के साथ संयम से काम लें। ऐसे बर्ताव या भाषा का प्रयोग न करें, जिससे आपके संबंध प्रभावित हों। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखें। शांत मन से बातों का निपटारा करने की कोशिश करें। उस दिन दोस्तों के साथ भी रिश्ते खराब होने का डर रहेगा।

450 करोड़ कमाने वाली लियो का हिस्सा रही ये हीरोइन

थलापति विजय स्टारर और लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित एक्शन से भरपूर ड्रामा लियो इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है. क्योंकि इसने पहले ही दुनिया भर में 450 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है और ये अभिनेता के करियर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. फिल्म ने सनी देओल की गदर और रजनीकांत की जेलर को भी पछाड़ दिया है. लियो बहुत तेजी से लोगों को थिएटर की ओर खींच रही है और जबरदस्त कराबोरा कर रही है. इस फिल्म में थलापति विजय के साथ तृषा कृष्णन हैं लेकिन एक और हीरोइन है जिसने अपने किरदार को काफी सीक्रेट रखा था. हम उसी चर्चित हीरोइन के बारे में बात कर रहे हैं जो फिल्म में होते हुए भी सुर्खियों से दूर रही.

लियो फिल्म में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त भी हैं जो एक खूंखार विलेन का किरदार निभा रहे हैं. उनके अलावा तमिल मूवी में अर्जुन सरजा, गौतम वासुदेव मेनन, जॉर्ज मैरीन और मैसस्किन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. इन नामों के अलावा, एक अभिनेत्री जिसने वास्तव में लियो में अपनी कैमियो भूमिका से सुर्खियां बटोरीं, वो मैडोना सेबेस्टियन हैं लेकिन उनका रोल इसमें सीक्रेट रहा जिसके बारे में किसी को खबर तक नहीं मिली थी.

मैडोना सेबेस्टियन लियो में विजय जो कि दास के रोल में हैं उनकी जुड़वां बहन एलिसा दास की भूमिका निभाती हैं. फिल्म की शूटिंग के दौरान मेकर्स ने उनके रोल को सीक्रेट रखा था और रिलीज से कुछ दिन पहले ही खबर लीक हो गई कि वो भी फिल्म का हिस्सा हैं.

मैडोना ने 2015 में मलयालम रोमांटिक ड्रामा प्रेमम से अपनी शुरुआत की थी. तब से अभिनेत्री ने तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों जैसे पा पांडी, श्याम सिंघा रॉय, वानम कोट्टाटम, किंग लियार और पद्मिनी में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को इंप्रेस कर रही हैं. फिल्म की रिलीज के बाद हाल ही में एक तमिल चैनल को दिए इंटरव्यू में मैडोना ने लियो का हिस्सा बनने के बारे में बात की और कहा, 'मैं इसे सौभाग्य मानती हूं कि मुझे विजय सर के साथ ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला. लेकिन फिर चाहे फिल्म की लेंथ कुछ भी हो.'

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि कैसे केवल उनकी मां को लोकेश कनगराज फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में पता था क्योंकि उन्होंने कहा, 'केवल मेरी मां को 'लियो' में मेरी भूमिका के बारे में पता था. मैंने अपने दोस्तों या करीबी परिवार को भी सूचित नहीं किया था. लेकिन जब खबर आई रिलीज़ से कुछ दिन पहले लीक हो गया था, मैंने सभी से इसे अपने पास रखने के लिए कहा.' फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर ने म्यूजिक दिया है और इसके गाने भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं.

लिपस्टिक वाले बवाल पर रणबीर कपूर ने दिया मुंहतोड़ जवाब
सोशल मीडिया ने एक्टर को बताया था टॉक्सिक पति

रणबीर कपूर ने पत्नी आलिया भट्ट के लिपस्टिक वाले बयान के बाद झेली गई नेगेटिविटी और ट्रोलिंग पर रिएक्ट किया है। रणबीर ने उन यूजर्स को भी करारा जवाब दिया, जो कह रहे थे कि रणबीर बुरे पति हैं और बीवी को कंट्रोल करते हैं।

रणबीर कपूर ने उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दिया है, जिन्होंने आलिया के लिपस्टिक वाले वीडियो के वायरल होने के बाद उन्हें 'टॉक्सिक पति' कहा था। तब तो रणबीर कपूर ने कुछ ना कहना ही मुनासिब समझा। लेकिन जब उस वीडियो की बात दोबारा शुरू हुई, तो एक्टर ने करारा जवाब दिया है। मालूम हो कि आलिया भट्ट ने कुछ समय पहले एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें बताया था कि पति रणबीर को उनका लिपस्टिक लगाना पसंद नहीं है। वह जब भी लिपस्टिक लगाती हैं तो रणबीर उसे हटवा देते हैं।

आलिया ने कहा था कि वह इसी वजह से न्यूड कलर की लिपस्टिक लगाती हैं। आलिया के इस वीडियो के बाद रणबीर कपूर सोशल मीडिया पर निशाने पर आ गए थे। सोशल मीडिया पर कहा जाने लगा था कि आलिया के लिए रणबीर एक टॉक्सिक पति हैं और एक्ट्रेस को कंट्रोल करते हैं। अब रणबीर ने इस पर रिएक्ट किया है। रणबीर ने फैंस के साथ 'जूम' सेशन के दौरान के कहा कि अगर आप एक आर्टिस्ट हैं और काम कर रहे हैं तो नेगेटिविटी बहुत जरूरी है। बैलेंस के लिए पॉजिटिविटी और नेगेटिविटी का मौजूद होना बेहद जरूरी है।

'फिल्मों और मीडिया में जो मेरी छवि, मैं असल में वैसा नहीं हूं'

रणबीर कपूर ने कहा, 'कभी-कभी एक एक्टर के रूप में आपके बारे में बहुत सी बातें लिखी जाती हैं, बहुत सी राय बनाई जाती हैं, जो जरूरी नहीं कि सच हों। मेरी यह छवि, जो फिल्मों या मेरे द्वारा निभाए किरदारों और मीडिया के जरिए बनी, वह मेरी अपनी नहीं है। मैं वैसा नहीं हूं। यह छवि पब्लिक की है। वो लोग इसके मालिक हैं, जिन्हें मेरा काम पसंद या नापसंद आता है। और जब तक वो मुझे और मेरे काम को मौका देंगे, और मैं एक एक्टर के तौर पर खुद को साबित कर सकूं, तब तक उन्हें मेरे बारे में कुछ भी कहने की इजाजत है। मेरा फोकस इसी पर है।'

'मैं टॉक्सिक मर्दानगी के खिलाफ लड़ने वालों के साथ हूं'

रणबीर ने आगे आलिया के लिपस्टिक वाले कमेंट पर कहा, 'हाल ही मैंने एक आर्टिकल पढ़ा जिसमें मेरे टॉक्सिक होने की बात कही गई थी। उस स्टेटमेंट को लेकर बोला गया था, जो मैंने दिया था। मैं सब समझता हूं।

मैं उन लोगों के साथ हूं जो टॉक्सिक मर्दानगी के खिलाफ लड़ रहे हैं। अगर वो मुझे इसका चेहरा बनाकर इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ठीक है। मुझे परेशानी नहीं है, क्योंकि उनकी लड़ाई मेरे बुरा फील करने से कहीं ज्यादा बड़ी है।'

इन फिल्मों में नजर आएंगे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म 'एनिमल' में नजर आएंगे, जो एक दिसंबर को रिलीज होगी। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर भी हैं। वहीं आलिया फिल्म 'जिगरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म से वह बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रही हैं।

पवित्रा पुनिया ने हाल ही में एक लंबे पोस्ट के साथ एक वीडियो शेयर किया , वीडियो में वो शर्मसार कर देने वाली घटना हुई कैद

टीवी एक्ट्रेस पवित्रा पुनिया अपनी एक्टिंग के साथ बेबाकी के लिए सुर्खियों में रहती हैं. बिग बॉस 14 से सुर्खियों में आईं पवित्रा टीवी शोज का हिस्सा हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस को पहली बार वार्डरोब मालफंक्शन की रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना का सामना करना पड़ा. इन घटना के वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने उस मंजर को याद कर सेट के माहौल बयां किया. उन्होंने बताया कि शूटिंग के वक्त कैसे उनके ब्लाउज ने उन्हें धोखा दिया और तब उनकी हालत कैसे हो गई थी.

पवित्रा पुनिया ने हाल ही में एक लंबे पोस्ट के साथ एक वीडियो शेयर किया. इस वीडियो में वो शर्मसार कर देने वाली घटना कैद है, जो सेट पर उनके साथ हुई. एक्ट्रेस ने पोस्ट के साथ लिखा सेट पर कुछ ऐसा हुआ, जो बहुत डरावना था.

'इस डरावनी घटना के जरिए...'

दरअसल, एक्ट्रेस अपने शो 'इश्क की दास्तान-नागमणि' के लिए अपने को स्टार्स के साथ एक रनिंग सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थी. इसी दौरान अचानक उनका ब्लाउज पीछे से फट गया और वह नीचे गिर गईं. पोस्ट शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- 'पहली बार 'वार्डरोब मालफंक्शन' नाम की चीज का अनुभव आज मैंने देखा. #स्पाइनचिलिंग मैं लकी हूं कि मैं बच गई और इस डरावनी घटना के जरिए मुझे पता चला कि मेरे क्रू मेंबर्स की पूरी यूनिट मुझसे कितना प्यार करती है. मैं इस पल के बारे में सोचकर ये समझती हूं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं. इस घटना के बाद कैमरे बंद हो गए और जो आवाजें मैं सुन सकती थी वो ये थीं 'कपड़ा लेके आओ जल्दी' और 'कैमरा कट करो' वे लोग इधर-उधर भाग रहे थे और ये शब्द लड़कों के मुंह से आ रहे थे.'

झट से कैमरे हुए बंद

पवित्रा पुनिया ने आगे लिखा, 'इस घटना के बाद में मेरी कैमरा टीम का सौरभ भागा था सबसे पहले... बुआ को कवर करने के लिए और कैमरा टीम ने झट से कैमरा बंद कर दिया. बेशक मेरा स्टाफ भी वहां था.'

'सभी आदमी एक जैसे नहीं होते'

जो वीडियो उन्होंने शेयर किया है. इसको किसने शूट किया था ये भी उन्होंने बताया है. एक्ट्रेस ने लिखा- यह वीडियो मेरे मेकअप आर्टिस्ट ने मेरे फोन पर रिकॉर्ड किया गया था, लेकिन यह ऐसा निकला. बस इतना कहना चाहती थी कि सभी आदमी एक जैसे नहीं होते. फेक फेमिनिज्म को हटाएं और आइए इसे एक शक्ति के रूप में देखें.'

ऐश्वर्या राय ने जब करीना कपूर पर कसा तंज, 1 फिल्म ने बिगाड़ा था पूरा खेल! आज तक नहीं किया साथ में काम

जहां करीना कपूर खान अपने किरदारों से फैंस का दिल जीत लेती हैं वहीं ऐश्वर्या राय ने अब तक कई ऐसे किरदार निभाए हैं जो लोगों के जहन में आज भी बसे हुए हैं. लेकिन आखिर ऐसा क्या है जो अब तक दोनों में कभी साथ में कोई फिल्म नहीं की? क्या दोनों के बीच कोई तकरार है हालांकि एक बार ऐश्वर्या ने बेटी आराध्या की परवरिश को लेकर ऐसा तंज कसा था जो बिना नाम लिए करीना की ओ जा रहा था.

इंडस्ट्री में दो एक्ट्रेसेस के बीच कोल्ड वॉर की खबरें आना कोई नई बात नहीं है. कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जिनकी ऑफ स्क्रीन बिल्कुल नहीं बनती. लेकिन ऑनस्क्रीन उनकी केमिस्ट्री लोगों का दिल जीत लेती है. पब्लिकली वह भले ही एक-दूसरे की तारीफ करें लेकिन पर्सनली दोनों के बीच की तरकरार साफ नजर आती हैं. ऐश्वर्या राय और करीना कपूर के बीच हमेशा से ही कुछ ऐसा ही अनोखा रिश्ता रहा है. अपने करियर

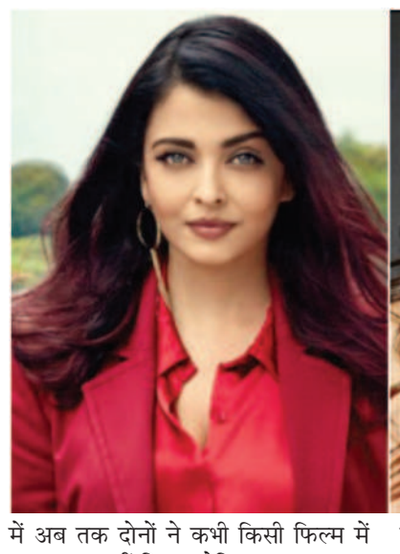

में अब तक दोनों ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया. लेकिन एक वक्त पर ऐश्वर्या और करीना एक-दूसरे को ताना मारने से कतई पीछे नहीं हटी थीं. ऐश्वर्या ने तो एक बार बच्चों की परवरिश को लेकर करीना को बिना नाम लिए ही निशाने पर लिया था. उन्होंने कहा था कि बेटी आराध्या की परवरिश के लिए नर्सों की फौज की जरूरत नहीं है. उनकी इस बात को लेकर उस वक्त काफी चर्चा हुई थी.

हालांकि सभी जानते हैं कि एक्ट्रेस ने बिना कुछ बोले ही करीना कपूर को निशाने पर लिया था. क्योंकि एक्ट्रेस ने बेटे तैमूर और जेह के लिए नैनी रखी हुई थी. नैनी के अलावा बच्चों की देखभाल के लिए घर में और भी स्टाफ मौजूद है, वहीं दूसरी और ऐश्वर्या बेटी आराध्या की परवरिश खुद करती हैं वह किसी पर ये जिम्मेदारी नहीं देती हैं. उन्होंने करीना का कहीं भी जिक्र नहीं किया था लेकिन इशारा उनका उन्हीं की ओर था. दरअसल, दोनों के कोल्ड वॉर का ये खेल साल 2002 में आई फिल्म 'देवदास' से शुरू हुआ था. ऐश्वर्या और करीना दोनों के बीच दरार इसी वक्त आनी शुरू हुई थी. क्योंकि पहले इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के लिए संजय लीला भंसाली ने करीना कपूर का पारो के रोल के लिए लुक टेस्ट लिया था. हालांकि उन्होंने बताया भी था कि ये सिर्फ एक टेस्ट है. कुछ भी कन्फर्म नहीं था और बाद में पारो का रोल ऐश्वर्या राय की झोली में आ गिरी. तभी से दोनों के बीच मन मुटाव की खबरें आती रही हैं.

'जेलर' के खूंखार विलेन विनायकन गिरफ्तार
अभिनेता पर पुलिस स्टेशन में हंगामा करने का आरोप

रजनीकांत की फिल्म जेलर में खूंखार विलेन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विनायाक को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। केरल पुलिस ने मंगलवार को उन्हें नशे की हालत में एक पुलिस स्टेशन में हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

अभिनेता ने कथित तौर पर शाम के समय एर्नाकुलम टाउन नॉर्थ पुलिस स्टेशन में हंगामा किया। उन्हें उनके अपार्टमेंट में कथित तौर कुछ समस्या होने के बाद पुलिस ने बुलाया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उन्हें पुलिस स्टेशन में हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें

आवश्यक चिकित्सा जांच के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

महिला इंस्पेक्टर से की बहस

बताया जा रहा है कि शराब पीने के बाद अभिनेता पुलिस स्टेशन पहुंचे और अपने शब्दों और गतिविधियों से पुलिस के कार्यों को बाधित कर दिया, जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई। बता दें कि अभिनेता को उनकी पत्नी के साथ एक निजी विवाद को सुलझाने के लिए पुलिस ने बुलाया था। महिला इंस्पेक्टर की उपस्थिति में दोनों पक्षों को सुना गया। इस दौरान विनायकन ने पक्षपात आरोप लगाते हुए पुलिस स्टेशन में जमकर हंगामा किया। इसके बाद वह महिला इंस्पेक्टर के साथ बहस भी करने लगे।

भूमि पेडनेकर ने की आलिया भट्ट की तारीफ
बोलीं- 'गंगूबाई काठियावाड़ी ने मुझे साहस दिया'

भूमि पेडनेकर अपने फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। वह लीक से हटकर विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करना पसंद करती हैं। डेब्यू फिल्म 'दम लगा के हाईशा' से लेकर अब तक यह सिलसिला जारी है। हाल ही में एक बातचीत में भूमि पेडनेकर ने आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की। साथ ही यह भी स्वीकार किया कि फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की सफलता ने उन्हें हिम्मत दी।

सोलो फिल्में करने की कही बात

हाल ही में भूमि पेडनेकर ने एक मीडिया बातचीत में कहा कि महिला होने के नाते, उन्हें एक-दूसरे से असुरक्षित नहीं महसूस करना चाहिए। अगर किसी हीरोइन की फिल्म सफल होती है, तो वह दूसरी अन्य हीरोइनों के लिए भी दरवाजे खोलती है। भूमि ने कहा कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ने उनके लिए दरवाजे खोले हैं, और उन्हें अधिक सोलो फिल्में करने और मजबूत महिला किरदार अदा करने का साहस दिया है।

आलिया की फिल्म से मिला आत्मविश्वास

गौरतलब है कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को आलिया भट्ट ने अपने कंधों पर लिया और इसमें उनके शानदार प्रदर्शन की हर तरफ तारीफ हुई। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि आलिया भट्ट को उनका पहला नेशनल अवॉर्ड भी दिलाया। भूमि पेडनेकर ने आगे कहा कि वह ट्रेडिशनल हीरोइन नहीं हैं। उनका कहना है कि वह ट्रेडिशनल हीरोइन की परिभाषा में बदलाव करने वाली हैं। यह चीज उन्हें लीक से हटकर फिल्में करने और सोलो फिल्में करने का आत्मविश्वास देती है। भूमि पेडनेकर के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों उन्हें महिला केंद्रित फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' में देखा गया। भूमि के अलावा शहनाज गिल, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, अनिल कपूर भी फिल्म में नजर आए। 'द लेडी किलर' भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म है, जिसमें वह अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी।

बिकनी पहन समंदर में जलपरी जैसे उतरीं मौनी रॉय, पर यूजर्स का ठनक गया माथा !

मौनी रॉय किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमर से भी सभी का ध्यान खींच लेती हैं। उनका एक मियामी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो बिकनी पहने समंदर किनारे अठखेलियां करती दिख रही हैं। पर यूजर्स को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आ रहा है!

मौनी रॉय टीवी की दुनिया की फेमस एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी शुरुआत साल 2006 में एकता कपूर के सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। तब से लेकर अब तक उन्होंने एक लंबा सफर तय किया है। उनके लुक्स को लेकर लोग तरह-तरह की बातें बनाते हैं। कहते हैं कि जब वो आई थीं और अब, उनमें जमीन-आसमान का अंतर है। कोई कहता है कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी कराई है तो किसी को लगता है कि वो बहुत ज्यादा ही पतली हैं। अब उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो बिकनी में हैं और समंदर में किसी खूबसूरत जलपरी जैसी दिख रही हैं। फैंस को उनका ये अंदाज खूब पसंद आ रहा है, लेकिन कुछ लोग मुंह बना रहे हैं। मौनी का ये वीडियो मियामी का बताया जा रहा है। वो बिकनी और आंखों में काला चश्मा लगाए समंदर में अठखेलियां कर रही हैं। फैंस को वो बला की खूबसूरत लग रही हैं, पर यूजर्स नाक-भौंह सिकोड़ रहे हैं।

38 साल की मौनी के वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'इतना पैसा आने के बाद खाना-पीना सही ना हो तो क्या फायदा इतने पैसों का... फिटनेस का मतलब ये नहीं कि हड्डी रानी बन जाओ।' दूसरे यूजर ने कॉमेंट किया, 'हाय हाय कुपोषित की शिकार बेचारी।' अन्य ने लिखा, 'यकीन करोगे अगर प्लास्टिक सर्जरी नहीं होता तो इन लोगों का क्या होता जिंदगी का।'

'नागिन' और 'महादेव' से मिली पहचान

मौनी रॉय ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' सीरियल में कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया था। उनके साथ पुलकित सम्राट और आकाशदीप सहगल भी थे। शोज के अलावा वो रिएलिटी शोज का भी हिस्सा रही हैं। उन्हें 'जरा नचके दिखा' सीजन 1 में देखा गया। इसके बाद वो 'कस्तूरी' सीरियल में शिवानी सभ्रवाल के रोल में नजर आईं। फिर 2008 में 'पति पत्नी और वो' में हिस्सा लिया। हालांकि, मौनी को 'नागिन' और 'देवों के देव... महादेव' जैसे सीरियल से जबरदस्त पॉप्युलैरिटी मिली।

टीवी के साथ-साथ मौनी ने बॉलीवुड में भी किस्मत आजमाई। उन्हें पिछली बार रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन के साथ 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के किरदार में देखा गया था। अब वो 'द वर्जिन ट्री' में नजर आएंगी। वो 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' वेब सीरीज में भी नजर आई थीं।

सूरज नाम्बियार से की है शादी

पर्सनल लाइफ की बात करें तो मौनी ने दुबई-बेस्ड बिजनेसमैन सूरज नाम्बियार से जनवरी 2022 में शादी की थी। उन्होंने बंगाली और मलयाली रीति-रिवात से पणजी, गोवा में एक-दूसरे का हाथ थामा था।

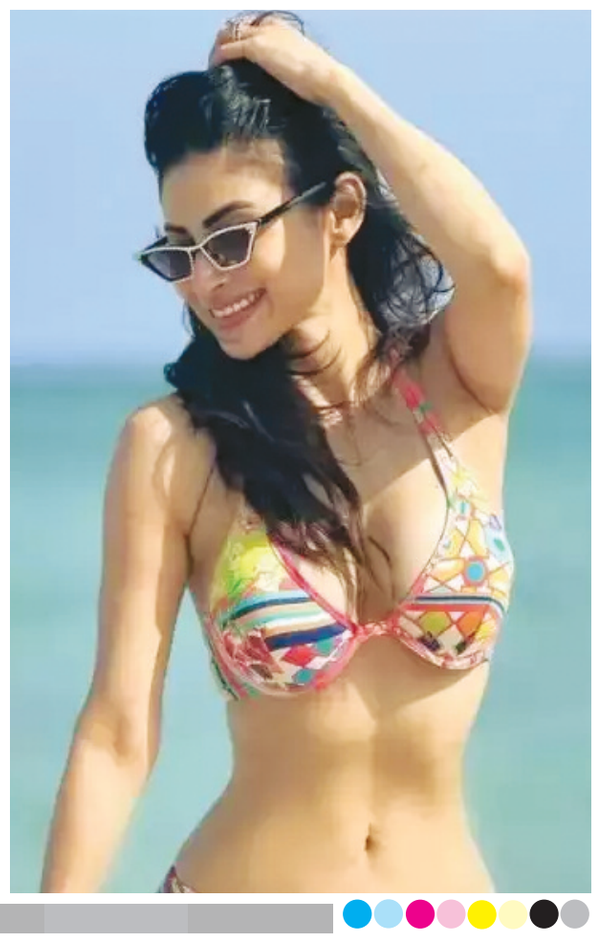

हैप्पी मैरिड लाइफ गोल्डन रूल्स

विवाह से पहले लड़का और लड़की को सगे संबंधियों से बहुत से टिप्स मिलते हैं। लेकिन शायद ही कभी कोई ठीक से यह बता पाता है कि रिश्ते में लंबे समय तक खुश रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। शादी दो लोगों का मिलन है जो आपसी सहमति से शुरू होता है। इस रिश्ते को चलाने के लिए प्यार के साथ समझदारी की भी जरूरत होती है। इसलिए जिम्मेदारी से भरे इस बंधन में बंधने से पहले अच्छी तरह से विचार कर लेना चाहिए।

इसमें कोई दोराय नहीं कि हर व्यक्ति अपनी शादी में हमेशा खुश रहना चाहता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ चाहना काफी नहीं, हर छोटी-छोटी चीज का ख्याल पति-पत्नी दोनों को मिलकर रखना होता है। यदि इसका बोझ केवल एक ही व्यक्ति पर हो तो कुछ समय में ही रिश्ते में बिगड़ने लगता है। ऐसे में यहां हम आपको शादी को सफल बनाने के कुछ नियम बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप हमेशा पार्टनर के साथ अपने रिश्ते को मजबूत रख सकते हैं।

ससुराल के लोगों के बारे में कमेंट करने से बचें

दो लोग जब शादी के बंधन में बंधते हैं, तो कई बातें ऐसी होती है जहां परिवार का जिक्र आता है। ऐसे में शब्दों का चयन बहुत ही सावधानी से करना जरूर होता है। हर परिवार के अपने तौर तरीके होते हैं, इसलिए किसी को खुद से कमतर कहना गलत है, खासतौर पर जब वह आपका सुसराल हो। ध्यान रखें जिस तरह से आप अपने परिवार के लोगों के बारे में बुरा भला नहीं सुन सकते हैं, उसी तरह ऐसी बातें आपके पार्टनर के लिए भी असहनीय हो सकती है।

अपने झगड़े को बहुत सावधानी से चुनें

शादी का रिश्ता बहुत ही नाजुक होता है, इसलिए इसमें झगड़े जितने कम होंगे उतना ही पति-पत्नी के लिए अच्छा होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि साथ रहने पर ऐसी बातें हो जाती हैं जो गुस्से और नाराजगी का कारण बन जाए। लेकिन हर छोटी-छोटी चीजों को लेकर पार्टनर के साथ लड़ना समझदारी नहीं है। जितना हो सके आराम से बात करके हर प्रॉब्लम को हल करने की कोशिश करें। जब तक कोई बहुत बड़ा मुद्दा ना हो तब तक पार्टनर के सामने अपनी आवाज ऊंची ना करें।

पार्टनर के अटैचमेंट स्टाइल को समझें

सिर्फ समझदारी से शादी को लंबे समय तक खुशहाल नहीं रखा जा सकता है। पति-पत्नी के बीच रोमांस का होना बहुत ही जरूरी है। एक-दूसरे की जरूरत को समझना रिश्ते को मजबूत बनाता है। ध्यान रखें हर कपल अलग है, ऐसे में किसी दूसरे से अपने पार्टनर को कंपेयर करना गलत है। इससे रिश्ते में दूरियां आने लगती है। हमेशा मिलकर चीजों को बेहतर करने का रास्ता निकालें, एक-दूसरे के सीमाओं का सम्मान करें।

हमेशा साथ देने वाले लोगों से जिंदगी बन जाती है आसान आपके पास है कोई ऐसा तो ना करें खोने की गलती

जिंदगी में सच्चे इंसान का साथ बहुत ही मुश्किल से मिलता है। समय आने पर कई बार अपने ही पराए की तरह व्यवहार करने लगते हैं। ऐसे में कौन आपकी सचमुच परवाह करता है इसका पता लगाने के लिए आप इस लेख की मदद ले सकते हैं।

सोशल मीडिया के समय में जान पहचान बनाना कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम तक लोगों के हजारों दोस्त हैं। फोन में सैकड़ों नंबर लेकिन फिर भी लोग अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों के पास कोई ऐसा नहीं है जिसके साथ वह अपना दुख बांट सके। उनसे अपनी मन की बात कर सकें। पर यह जरूरी नहीं कि यह अकेलापन हमेशा से हो, कई बार हम अपने अच्छे समय में उन लोगों को भूला देते हैं, जो निस्वार्थ भाव से हमसे जुड़े रहते हैं। ऐसी गलती आपसे ना हो इसलिए यहां हम आपको कुछ ऐसी क्वालिटी बता रहे हैं जिससे आप ऐसे लोगों की पहचान कर

सकते हैं और इन्हें संभालकर रख सकते हैं।

हर कंडीशन में साथ खड़े रहना

कहा जाता है कि खराब समय में ही अपने और पराए की पहचान होती है। ऐसे में जो लोग आपके बुरे समय में आपका साथ दें, उन्हें अच्छा समय आने पर भुलाना नहीं चाहिए। क्योंकि यही लोग आपकी असली ताकत होते हैं।

बेस्ट करने के लिए मोटिवेट करना

ऐसा कई बार होता है कि हम खुद की क्षमता पर ही शक करने लगते हैं। ऐसे में किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो हममें विश्वास दिखाए। यह बताए कि हम कर सकते हैं। माना जाता है कि ऐसे लोगों का साथ किस्मत से मिलता है। यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे बहुत ही संभालकर रखें।

ईमानदारी से गलती बताना

हर कोई बस अपनी तारीफ सुनना चाहता है, यदि कोई गलती बता दे तो लोग गुस्से से लाल हो जाते हैं। लेकिन वास्तव में ऐसे लोगों को अपने सबसे करीब रखना चाहिए। यह दूसरों की तरह मीठी बाते करके आपको खुश नहीं रखते हैं, बल्कि ईमानदारी से आपको कड़वा सच दिखाते हैं। इनकी मदद से ही आप बेहतर बन सकते हैं।

आपकी सक्सेस को अपनी जीत मानना

एक-दूसरे को रौंदकर आगे बढ़ने की रेस में जो आपकी सफलता को अपनी जीत की तरह सेलिब्रेट करे ऐसे लोग कम ही मिलते हैं। इसलिए यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे हमेशा खुद के करीब रखें।

बातों को समझना

जो लोग हमारी सच में परवाह करते हैं, वो हमारी गलतियों से हमें जज नहीं करते हैं। वह जानते हैं कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। वह हमेशा बात को समझते हैं, और माफ करने के लिए तैयार रहते हैं।

पति की इन बातों से चिढ़ जाती है पत्नी, होने लगती हैं लड़ाइयां

पति-पत्नी के बीच में थोड़ी बहुत अनबन होना बेहद आम चीज है। हालांकि, कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें लेकर पत्नियां इतनी बुरी तरह से चिढ़ जाती हैं कि घर के अंदर रोज की लड़ाइयां आम हो जाती हैं। इसके चलते घर का माहौल पूरी तरह से नेगेटिव और टॉक्सिक बन जाता है।

पति की इन बातों से चिढ़ जाती है पत्नी, होने लगती हैं लड़ाइयां

शादी वो कमिटमेंट है, जो एक ओर गंभीर और गहरा होता है, तो दूसरी ओर बेहद नाजुक भी। मुश्किल से मुश्किल समय में जहां पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ देते नजर आते हैं, तो कभी-कभी छोटी-छोटी चीजें रिश्ते को इस तरह से तोड़कर बिखेर देती हैं कि उसे फिर से पुराना प्यार भरा रूप दे पाना नामुमकिन हो जाता है। इन्हीं छोटी चीजों में पतियों की कुछ आदतें भी हैं, जिनके कारण पत्नियां इतना बुरा चिढ़ जाती हैं कि घर में लड़ाइयों का दौर बढ़ जाता है। और जब ऐसा होता है, तो शादीशुदा जीवन कड़वाहट से भरने लगता है। पत्नियों को नाराज करने वाली पतियों की ऐसी ही कुछ आदतें नीचे दी गई हैं। आप भी अगर शादीशुदा हैं, तो इन पॉइंट्स को अपने दिमाग में जरूर नोट कर लीजिए।

समय न निकालना

शादी के बाद की सबसे बड़ी और आम गलती, जो लगभग सभी पति करते हैं, वो है पत्नी के लिए समय नहीं निकालना। माना कि पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते दफ्तर और अन्य चीजों में व्यस्तता बढ़ जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि अपने जीवनसाथी को ही इग्नोर करना शुरू कर दिया जाए।

इस तरह के बर्ताव से पत्नियां काफी ज्यादा हर्ट होती हैं। उन्हें लगने लगता है कि पति उन्हें प्यार नहीं करते और ये चीज उनके दिल में इस तरह से घर करने लग जाती है कि भावनाएं गुस्से के रूप में बाहर निकलने लगती हैं।

रिश्ते से जुड़ी चीजों में मां की सुनना

मां की जगह कोई नहीं ले सकता। लेकिन जब बात शादीशुदा जीवन से जुड़े निर्णय लेने की हो, तो इसमें सबसे अहम भूमिका पत्नी की होनी चाहिए। अपने घर के बड़ों से चीजों को लेकर राय लेना अलग बात है, लेकिन अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी हर चीज को मां को बताना और सुनना भी सिर्फ उनकी, ये चीज पत्नियों के मन में सिर्फ और सिर्फ चिढ़न ही पैदा करेंगीं।

एक-दो बार तो वो इस बर्ताव को इग्नोर कर सकती हैं, लेकिन अगर उन्हें लगेगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी का कंट्रोल सासू मां के हाथों में है, तो घर में रोज की लड़ाइयां आम हो जाएंगीं।

बैचलर्स लाइफ की आदतें नहीं छोड़ना

ये एक और ऐसी चीज है, जिससे न जाने कितनी शादीशुदा महिलाएं परेशान हैं। लड़कियों को तो शादी से पहले ही ये ट्रेनिंग मिलनी शुरू हो जाती है कि उन्हें घर को कैसे संभालना है। वहीं आमतौर पर लड़कों का घर के कामों से लेकर जिम्मेदारियों में न के बराबर हिस्सेदारी होती है। ऐसे में जब शादी हो जाती है, तो ज्यादातर लड़के अपनी बैचलर्स लाइफ की आदतों को छोड़ नहीं पाते हैं। इस स्थिति में लड़की को ये लगने लगता है कि वो पत्नी नहीं बल्कि मां की भूमिका निभा रही है। ये बात उन्हें इस तरह से ट्रिगर करती है कि चीजें बिगड़ना तय हो जाता है।

बच्चों की परवरिश में साथ नहीं निभाना

आमतौर पर भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही डाली जाती है। इसके चलते हालत यह हो जाती है कि घर और बाहर के काम के साथ-साथ बच्चे से जुड़ी हर चीज को भी उन्हें ही संभालना पड़ जाता है। यह स्थिति जबरदस्त तनाव पैदा करती है। भावनाएं चिड़-चिड़ाहट और लड़ाइयों के रूप में सामने आने लगती हैं। यह घर के पूरे माहौल को टॉक्सिक बना देता है।

पति के लिए मैं सिर्फ उसके पेरेंट्स की केयरटेकर थी

4 औरतों ने बताया क्यों आई एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर करने की नौबत

आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि शादी के बाद पुरुष अक्सर अपने पार्टनर की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। ऐसे में किसी शादीशुदा औरत का पराए मर्द के साथ रिश्ता होना बहुत चौंकाने वाला नहीं होता है। यहां आप ऐसी ही महिलाओं के एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर शुरू होने की दास्तां को जान सकते हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं कि शादी में धोखे की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन जब इस रिश्ते में बंधे दो लोगों के बीच प्यार, विश्वास, परवाह, रोमांस और रोमांच ना हो तो अक्सर लोग इसकी पूर्ति दूसरे जगहों से करने लगते हैं। यही वजह है कि लोग एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर करते हैं।

आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि लोग गुस्से, नाराजगी या नफरत के कारण अपने पार्टनर को धोखा देते हैं। लेकिन जब महिलाओं की बात आती है, तो धोखे का कारण बहुत ही गंभीर और सोच में डाल देना वाला होता है। इसका अंदाजा आप यहां एक्स्ट्रामैरिटल करने वाली 4 महिलाओं द्वारा किए खुलासों से लगा सकते हैं।

घर की जिम्मेदारियों से नहीं बचता था खुद के लिए समय

मेरी 24 साल की उम्र में ही शादी हो गई थी। मैं एक ऐसी पत्नी बनकर रह गई थी जो दिनभर घर के सारे काम करती थी और अपने बच्चों का पालन-पोषण

करती है।

मुझे कभी अपने लिए समय ही नहीं मिला। इसके साथ ही मेरे पति न तो रोमांटिक हैं और न ही उन्हें मेरी कोई चिंता और परवाह जिसने मुझे बहुत अकेला कर दिया था। इसलिए, जब मैंने खुद पर थोड़ा ध्यान देना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि कैसे मैंने खुद को जिम्मेदारियों में पूरी तरह से भूला दिया है। इस बीच मुझे किसी और के साथ खुशी मिलने लगी जो कि बहुत शानदार था।

पति को मुझमें कमी के सिवा कुछ नहीं दिखता

मेरे पति एक नार्सिसिस्ट व्यक्ति हैं। उन्हें लगता है कि उनसे बेहतर कोई नहीं है। उन्हें मुझमें हर समय सिर्फ कमियां नजर आती है। वह मुझे एक पल के लिए भी खुश करने की परवाह नहीं करते। उनकी अपमानजनक टिप्पणियों से मेरे लिए उनके साथ शादी में रहना मुश्किल हो गया है। लेकिन मैं उन्हें तलाक भी नहीं दे सकती क्योंकि हमारे परिवार के लोग एक-दूसरे से बहुत करीब हैं। इसलिए, मुझे अपनी खुशी कहीं और तलाशनी पड़ी।

पति के लिए मैं सिर्फ उसके पेरेंट्स की केयरटेकर हूं

मेरे पति को सिर्फ अपने माता-पिता की परवाह है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है मैं बस उनके पेरेंट्स की केयरटेकर हूं। यह ऐसा है जैसे मेरा उसके जीवन में कोई स्टैंड नहीं है। कभी-कभी यह बर्दाश्त से बाहर हो जाता है। और काफी समय हो गया है जब से मैं उनसे नाराज हूं। वह कभी भी मेरी केयर नहीं करते और न ही ऐसा करने का कोई प्रयास करते है। इसलिए, जब किसी दूसरे व्यक्ति ने मुझमें रुचि दिखाई, तो मैं वहीं पिघल गया। और इस तरह मेरा अफेयर शुरू हुआ।

हमारा रिश्ता बोरिंग हो गया था

हमारे रिश्ते में कोई मजा नहीं रह गया था। हम रोज बस काम के बाद एक साथ बैठकर टीवी देखते थे। कोई डेट नाइट नहीं, कोई गिफ्ट नहीं, कोई सरप्राइज नहीं। हमारे रिश्ते में ऐसी कोई चुनौतियां नहीं थीं जो इसे रोमांचक बनाए रखतीं। मैंने उसे अपनी चिंता बताने की कोशिश की लेकिन उसने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। और इसलिए मैंने एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर किया। मुझसे जो एकमात्र गलती हुई वह यह कि मैंने उसे धोखा दिया। लेकिन इससे मुझे यह जानने में मदद मिली कि मैं अब उससे प्यार नहीं करती।

किताबों से दूर भागता है बच्चा तो अपनाएं ये तरीके कुछ ही दिनों में लगने लगेगा पढ़ाई में मन

माता-पिता बच्चे के अच्छे गुणों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए अभिभावक उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बच्चों को अच्छे स्कूल में भेजने की प्रयास करते हैं, उनके लिए कोचिंग और अन्य सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराते हैं, ताकि बच्चा मन लगाकर पढ़ सके और अपनी शिक्षा पूरी कर सके। हालांकि बाल मन पढ़ाई से अधिक खेलकूद में रुचि रखता है।

कई बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता है। कई बार वह माता पिता के कहने पर पढ़ने तो बैठ जाते हैं लेकिन उनका ध्यान पढ़ाई में नहीं होता। कई बार माता पिता डांट फटकार कर बच्चों पर दबाव बनाते हैं। हालांकि डांटने या जबरन पढ़ाने से बच्चे की रुचि पढ़ाई में नहीं बढ़ती। आइए जानते हैं कि अगर आपका बच्चा भी पढ़ाई से मुंह चुराता है, तो क्या करें कि उनका मन पढ़ाई में लगने लगे।

प्रोत्साहन दें

बच्चे माता पिता से सराहना की उम्मीद रखते हैं। आपसे तारीफ सुनने के लिए वह पढ़ाई में मन लगाने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि अभिभावक अक्सर ही तुलना करके उनका मनोबल कम करते हैं। ऐसा न करें, हर वक्त बच्चे की गलती निकालने और दूसरों से तुलना करने के बजाए उनकी तारीफ करें। तारीफ से वह प्रोत्साहित होंगे और काम में मन लगेगा।

दबाव न डालें

बच्चों को किसी काम के लिए समझाने और दबाव डालने में फर्क है। उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें। हर समय पढ़ाई का दबाव डालने से उसके ऊपर नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है। इस कारण बच्चे को पढ़ाई बोझ की तरह लगती है। इसलिए उनपर जरूरत से अधिक दबाव न बनाएं, हंसते-खेलते बच्चों को पढ़ाई की कठिन बातें समझाने की कोशिश करें।

रूटीन बनाएं

बच्चे के लिए एक अच्छा रूटीन प्लान करें। योजना के साथ बच्चे को पढ़ाई की ओर प्रोत्साहित कर सकते हैं। हर दिन पढ़ाई के लिए टाइम टेबल चार्ट बनाएं और इसे दैनिक कार्य का हिस्सा बनाएं। ध्यान रखें 45 मिनट से ज्यादा पढ़ाई न कराएं।

योग और ध्यान

बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने के लिए योग का अभ्यास कराएं। इससे मस्तिष्क पर सकारात्मक असर पड़ता है और बच्चे का मन पढ़ाई से भटकता नहीं है। योग के साथ अच्छी डाइट भी बच्चे को फोकस बनाती है।

विवाह के बाद बदल जाता है भाई-बहनों के साथ रिश्ता

विवाह के बाद हर रिश्ता बदल जाता है। यहां तक कि जिन भाई-बहनों के साथ बचपन से साथ बड़े होते हैं, उनके साथ भी कुछ भी पहले की तरह नहीं रह जाता है। इसलिए जरूरी है कि शादी से पहले ही खुद को इस चीज के लिए तैयार कर लें।

विवाह के बाद नए रिश्तों के बनने पर जो चीज सबसे ज्यादा नजरअंदाज हो जाती है, वह भाई-बहनों का रिश्ता है। बचपन से एक-दूसरे की कमियों और सीक्रेट्स को जानते हुए, साथ लड़ते-खेलते बड़े होने के बावजूद एक समय के बाद भाई-बहनों के साथ रिश्ता बस सगे-संबंधियों वाला हो जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण शादी के बाद एक-दूसरे से बढ़ जाने वाली उम्मीद हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि शादी से पहले ही इन चीजों को अच्छी तरह से समझ लिया जाए। ताकि शादी के बाद भाई-बहनों के साथ रिश्ते को मजबूत रखने के लिए सही कदम उठाया जा सके।

पहले से ज्यादा नजदीकियां

यदि जीवनसाथी आपके भाई-बहनों के साथ अच्छी तरह से घुल मिल जाए, तो यह चीज आपके साथ भाई-बहनों को शादी के बाद भी जोड़े रखने का काम करती है। रिश्ते पहले से ज्यादा मजबूत हो जाते हैं। लेकिन इसका ठीक उल्टा होना भी दुर्भाग्यपूर्ण सच है। यदि आपके पार्टनर और सिबलिंग के बीच एक-दूसरे के प्रति नकारात्मक भावनाएं हैं, तो आपकी बॉन्डिंग भी इससे बिगड़ सकती है।

बातों को शेयर करने से बचना

शादी के बाद जजमेंट के डर से कई लोग अपनी परेशानियों और जीवनसाथी के साथ अपने निजी मुद्दों को भाई-बहन के साथ शेयर करने से बचने लगते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह से खुद को फैमिली ड्रामा का हिस्सा बनने से बचाने के लिए भी भाई-बहन अक्सर बातों को

खुलकर नहीं बताते हैं।

एक-दूसरे की चीजों से जलना

हम सब अपने भाई-बहनों के साथ बचपन से कई चीजों पर लड़ते बड़े होते हैं। कई बार माता-पिता से यह शिकायत भी रहती है कि उसे मुझसे ज्यादा या अच्छी चीज मिली। लेकिन शादी के बाद यह अंतर जलन में बदल जाती है, जो रिश्तों में खटास ला सकती है। इसलिए हमेशा शादी के बाद भाई-बहनों से बात करते समय इस चीज का ध्यान जरूर रखें कि उन्हें किसी तरह से कमतर महसूस ना हो।

उम्मीदों का बढ़ जाना

शादी के बाद भाई-बहनों की उम्मीद एक-दूसरे से बदलने के साथ बढ़ भी जाती है। हो सकता है वह आपकी वास्तविक स्थिति को समझे बिना आपसे मदद की उम्मीद करें। यह सोचें कि आप उन पर खुलकर खर्चा कर सकते हैं, फैमिली हॉलिडे प्लान कर सकते हैं। इसके अलावा जो भाई-बहन शादी से पहले बहुत करीब होते हैं, वह अक्सर इस चीज की उम्मीद शादी के बाद भी एक-दूसरे से करते हैं। लेकिन नए परिवार की जिम्मेदारियों के साथ हर समय एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना मुश्किल हो सकता है।

ज्यादा बात ना करना

यदि आप और आपके भाई-बहन एक ही शहर में नहीं रहते हैं, तो आप शायद टेक्स्ट मैसेज या फोन कॉल पर बात करने के आदी हो। लेकिन, जब आप में से कोई शादी कर रहा हो या नवविवाहित जीवन का आनंद ले रहा हो, तो आपस में हर दिन बात होना कम हो जाता है। इसलिए जरूरी है, कि बॉन्डिंग को स्ट्रांग रखने के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार समय निकालकर आपस में बात जरूर करें।

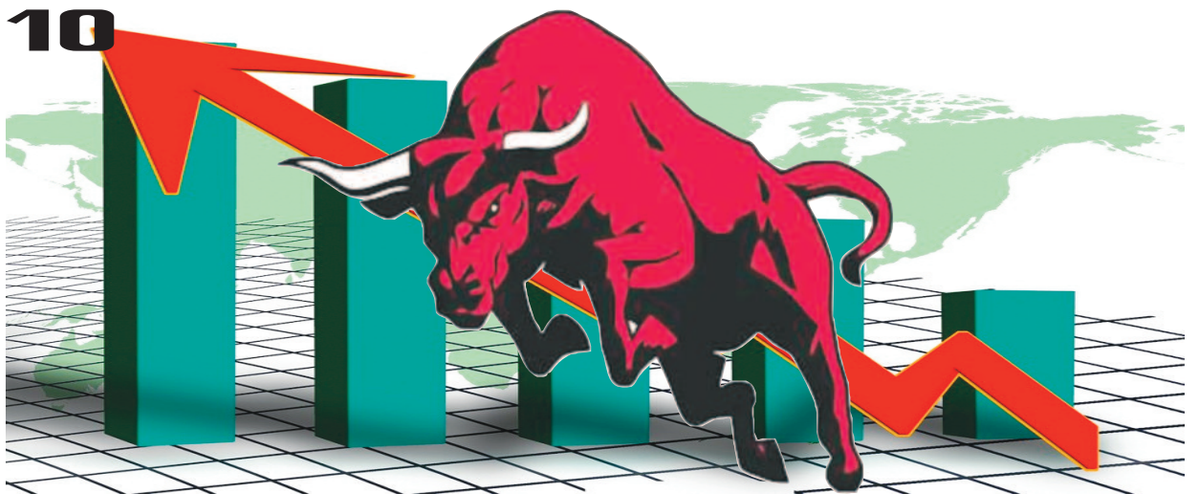

शेयर बाजार 523 अंक गिरकर 64,049 के लेवल पर बंद

निफ्टी 155 अंक गिरकर 19126 के लेवल पर

एनटीपीसी में बड़ी बिकवाली, टाटा स्टील हुआ तेज

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । बुधवार को शेयर बाजार 523 अंक गिरकर 64,049 के लेवल पर बंद हुआ है. निफ्टी 155 अंक गिरकर 19126 के लेवल पर बंद हुआ है. शेयर बाजार के एक्सपर्ट का कहना है कि निफ्टी दिसंबर तक कंसोलिडेशन के मोड में रह सकता है. विदेशी संस्थागत निवेदक और घरेलू संस्थागत निवेशक एक दूसरे के उलट कामकाज कर रहे हैं. दलाल स्ट्रीट में विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाली कर रहे हैं जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक खरीदारी कर रहे हैं. शेयर बाजार के एक्सपर्ट का कहना है कि दिसंबर में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने तक शेयर बाजार कंसोलिडेशन मोड में ही रह सकता है. बीएसई

सेंसेक्स में बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई और एनटीपीसी, इंफोसिस, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयरों में जमकर बिकवाली देखी गई.

टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, एसबीआई और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में तेजी दर्ज की गई. अगर शेयर बाजार में कमजोरी दिखाने वाले शेयरों की बात करें तो इंफोसिस में तीन फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 2.23 फीसदी, सिप्ला में 2.22 फीसदी, और अपोलो हॉस्पिटल में 2.20 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई.

निफ्टी मिड कैप 100, बीएसई स्मॉल कैप, निफ़्टी आईटी और निफ़्टी बैंक में भारी बिकवाली देखी गई है. बुधवार को शेयर बाजार के तकरीबन सभी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए.

बुधवार को शेयर बाजार के कारोबार में गौतम अडानी ग्रुप की आठ लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में कमजोरी दर्ज की गई. बुधवार के कारोबार में अंबुजा सीमेंट के शेयर 1 की मामूली तेजी पर बंद होने में सफल रहे. अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे अधिक 3.7 फ़ीसदी की कमजोरी दर्ज की गई और यह 552 रुपए के लेवल पर बंद हुए. मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनियों की बात करें तो मारुति सुजुकी, एसबीआई कार्ड के शेयरों में तेजी देखी गई जबकि इंफोसिस और पतंजलि फूड्स के साथ बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में भी काफी गिरावट देखी गई.

दुनियाभर में 2030 में चरम पर होगी तेल, गैस और कोयले की मांग, इस अवधि के बाद घटेगी खपत

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की जारी वार्षिक वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक में कहा कि 2030 में जीवाश्म ईंधन यानी तेल, गैस व कोयले की मांग चरम पर होगी। इसके बाद मांग घटने लगेगी। ऊर्जा एजेंसी ने मांग घटने के पीछे तर्क दिया कि तब तक बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक कारें सड़कों पर आ चुकी होंगी। चीनी अर्थव्यवस्था और ज्यादा धीमी गति से बढ़ रही होगी एवं दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाया जाना बढ़ेगा।

औद्योगिक देशों को परामर्श देने वाली अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की यह रिपोर्ट तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक के इस नजरिये के उलट है कि तेल क्षेत्र में खरबों डॉलर का नया निवेश किया जाना चाहिए। ओपेक ने इसी माह अपनी रिपोर्ट में 2030 से आगे जाकर मांग में और ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया था। साथ ही कहा था कि तेल क्षेत्र की परियोजनाओं में नए निवेश रोकने का आह्वान गुमराह करने वाला है। इससे ऊर्जा अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

आईईए की राय है कि तमाम देशों की मौजूदा सरकारी नीतियों को देखते हुए इस दशक में जीवाश्म ईंधन की खपत चरम पर पहुंचने के आसार दिख रहे हैं। आईईए के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने कहा, दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाया जा रहा है। अब यह सवाल ही नहीं रहा कि ऐसा होगा या नहीं, बल्कि बात सिर्फ इतनी है कि यह कितनी जल्दी होगा।

भारत में एसी के लिए बिजली की मांग अफ्रीका की कुल खपत से होगी अधिक

आईईए ने बताया कि एसी के इस्तेमाल से 2050 तक भारत में बिजली की मांग 9 गुना बढ़ जाएगी। यह अफ्रीका की मौजूदा कुल खपत से कहीं ज्यादा होगी। आईईए के मुताबिक, भारत में अगले तीन दशक में दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में ऊर्जा मांग में वृद्धि सबसे अधिक होगी। मौजूदा नीतिगत परिदृश्यों को आधार मानें तो भारत की ऊर्जा आपूर्ति 2022 में 42 एक्साजूल (ईजे) से बढ़कर 2030 में 53.7 ईजे और 2050 में 73 ईजे हो जाने का अनुमान है। इसी तरह, तेल की मांग 2022 में 52 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 में 68 लाख बीपीडी और 2050 में 78 लाख बीपीडी होने का अनुमान है।

स्पेस कूलिंग की जरूरत बढ़ी

भारत में बिजली की मांग इसलिए बढ़ रही है क्योंकि कई बार तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के भी पार चला जाता है। आज लगभग 10 प्रतिशत बिजली की मांग स्पेस कूलिंग जरूरतों की वजह से आती है।

दिवाली से पहले सरकार का किसानों को तोहफा, कैबिनेट ने दी खाद सब्सिडी को मंजूरी

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । दिवाली से पहले सरकार ने किसानों को तोहफा देने का एलान किया है। बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों के लिए फायदेमंद फैसले को मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय मंत्री ने किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए खाद सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार सरकार की तरह से न्यूट्रिएंट बेस्ड फर्टिलाइजर सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। इस बार के रबी सीजन के लिए यह मंजूरी दी गई है। इससे सरकार के ऊपर 22000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। मंत्रिमंडल ने फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त

(पीएंडके) उर्वरकों पर रबी मौसम, 2023-24 (01.10.2023 से 31.03.2024 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दे दी है। आगामी रबी सीजन 2023-24 में एनबीएस पर 22,303 करोड़ रुपये के खर्च की उम्मीद है। पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी रबी सीजन 2023-24 (01.10.2023 से 31.03.2024 तक लागू) के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को सस्ती कीमतों पर इन उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वह उर्वरक विनिर्माताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को सब्सिडाइज्ड मूल्यों पर पीएण्डके उर्वरकों के 25 ग्रेड उपलब्ध करा रही है। पीएण्डके उर्वरकों पर सब्सिडी दिनांक 01-04-2010 से एनबीएस स्कीम के तहत दी जा रही है।

सरकार अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुसार, किसानों को वहनीय मूल्यों पर पीएण्डके उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार सख्त, दावा- ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को भेजा गया एक लाख करोड़ रुपये का नोटिस

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को भारत के जीएसटी अधिकारियों की ओर से अब तक एक लाख करोड़ रुपये का नोटिस भेजा गया है। सूत्रों की ओर से यह दावा किया गया है। एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि एक अक्टूबर के बाद से भारत में पंजीकरण कराने वाली विदेशी गेमिंग कंपनियों का अभी तक कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

सरकार ने जीएसटी कानून में संशोधन करते हुए विदेशी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक अक्टूबर से भारत में पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। जीएसटी परिषद ने अगस्त में स्पष्ट किया था कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाएगा।

अधिकारी ने कहा, ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को जीएसटी अधिकारियों ने अब तक करीब एक लाख करोड़ रुपये के नोटिस दिए हैं। ड्रीम 11 जैसे ऑनलाइन गेमिंग और डेल्टा कॉर्प जैसे कैसीनो ऑपरेटर को करों के कथित कम भुगतान के लिए पिछले महीने जीएसटी अधिकारियों की ओर से कारण बताओ नोटिस मिला है। पिछले साल सितंबर में 21,000 करोड़ रुपये की कथित जीएसटी चोरी के लिए गेम्सक्राफ्ट को भी कारण बताओ नोटिस भेजा गया था।

आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, 60,606 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आया सोना

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । **आज यानी 25** अक्टूबर को सोना के दामों में गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 96 रुपए बढ़कर 60,606 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 45,452 रुपए हो गई है। इसके अलावा चांदी के दाम में भी आज गिरावट देखने को मिली है। ये 564 रुपए गिरकर 71,530 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 72,094 रुपए पर थी। अक्टूबर महीने में अब तक सोना-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। इस महीने अब तक सोने के दाम में 2,887 रुपए की तेजी देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 अक्टूबर को ये 57,719 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 60,698 रुपए पर है। वहीं चांदी में इस महीने मामूली गिरावट देखने को मिल है, और ये 71,603 रुपए प्रति किलोग्राम से 71,530 रुपए पर आ गई है।

सोने की कीमतों में उछाल की बड़ी वजहें

घरेलू बाजार में दिवाली तक सोने की जोरदार मांग रहेगी। फिर शादियों के सीजन में खूब सोना खरीदा जाएगा। इससे सपोर्ट मिल रहा है। पहले से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच इजराइल और हमास के बीच शुरू हुए ताजा सैन्य संघर्ष पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी।बाजार को लगता है कि अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ना अब बंद हो जाएगा। सोने के लिए ये सबसे बड़ा पॉजिटिव संकेत है।

62 हजार तक जा सकता है सोना

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी रहने के आसार हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बॉन्ड यील्ड घट रही है और डॉलर कमजोर हो रहा है। इससे गोल्ड को सपोर्ट जारी रहेगी। इसके अलावा घरेलू बाजार में त्योहारों के लिए मांग बढ़ेगी। इसके बाद शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। ऐसे में डिमांड बढ़ने का असर कीमतों पर होगा। इससे दिवाली तक सोना 62 हजार और चांदी 75 हजार तक जा सकती है।

इस साल पहली तिमाही में 6.4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया राजकोषीय घाटा, केंद्र सरकार पर बढ़ रहा कर्ज

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । पिछले साल केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 20 प्रतिशत बढ़ा था तो इस वर्ष की पहली तिमाही में यह घाटी 6.4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बुधवार को जारी अपने वक्तव्य में यह बात कही है। रमेश के मुताबिक, आरबीआई बुलेटिन, बेहद चिंताजनक आर्थिक ट्रेंड को दिखाता है। मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिस तरह से लगातार कुप्रबंधन किया है, वो इस बुलेटिन में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। याद कीजिए, सितंबर 2023 के बुलेटिन में कई नकारात्मक इंडीकेटर्स सामने आए थे। उनमें घरेलू बचत का 47 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचना, निजी क्षेत्र के लिए घरेलू ऋण में स्थिरता और श्रम-बल भागीदारी का एक ही तरह से बने रहना आदि शामिल थे। अब भी वे ट्रेंड्स या तो वैसे ही बने हुए हैं या और भी अधिक बिगड़ गए हैं। जयराम रमेश ने कहा क शुद्ध घरेलू बचत में कमी आने का एक प्रमुख कारण यह है कि घरेलू देनदारियों (लायबिलिटिज) में भारी बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय ने गुमराह करने के लिए दावा किया था कि यह बढ़ोतरी गृह और वाहन ऋण के कारण है। दूसरी तरफ आरबीआई के सितंबर माह के बुलेटिन ने स्पष्ट रूप से दिखाया था कि गोल्ड लोन में 23 प्रतिशत और पर्सनल लोन में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आरबीआई का अक्तूबर का बुलेटिन इसकी पुष्टि करता है। अगस्त 2023 में बैंक से लिए गए कुल लोन में सबसे ज़्यादा पर्सनल लोन लिए गए हैं। इसमें 23 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है। गोल्ड लोन में 22 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हुई है। वास्तव में, पिछले 15 महीने से गैर-आवासीय पर्सनल लोन, 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जो कम से कम 15 वर्षों में कभी नहीं हुआ।

औद्योगिक क्षेत्र की ऋण वृद्धि धीमी

औद्योगिक क्षेत्र की ऋण वृद्धि, जो निवेश और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है, धीमी हो रही है। अगस्त 2023 में यह केवल 6.1 प्रतिशत थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी और 2013 की सिर्फ़ एक-तिहाई है। इस बीच, उद्योग के लिए बैंक ऋण का हिस्सा मोदी सरकार द्वारा आधा कर दिया गया है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव ने कहा, 2013 में गैर-खाद्य ऋण 46 प्रतिशत था, जो 2023 में केवल 24 प्रतिशत रह गया। महंगाई दर 6.8 प्रतिशत के साथ नियंत्रण से बाहर है। यह आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी ऊपर है। आरबीआई ने अनाज, दालों और मसालों में निरंतर महंगाई के दबाव का मुद्दा उठाया। अधिकांश भारतीयों को अपनी आमदनी पर महंगाई के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से भोजन, शिक्षा और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

भविष्य में भारत पर बोझ पड़ेगा

बतौर जयराम रमेश, मोदी सरकार पर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। इससे भविष्य में भारत पर बोझ पड़ेगा। घाटा कम दिखाने के लिए मोदी सरकार राज्यों को कम कर ट्रांसफर करके संघवाद के सभी सिद्धांतों का उल्लंघन कर रही है। 'मेक इन इंडिया' का बुरी तरह से विफल होना और पीएलआई योजनाओं का प्रभावी न होना, इसका मतलब साफ है कि इस तिमाही में 4 प्रतिशत से भी कम निर्यात वृद्धि थी। निर्यात में मंदी से सबसे ज्यादा प्रभावित एमएसएमई हैं।

वजह, क्योंकि उन्हें मुनाफा कम हो रहा है, लेकिन लागत ज़्यादा लग रही है। यह कोई नया ट्रेंड नहीं है। साल 2004-2014 तक निर्यात प्रति वर्ष औसतन 14 प्रतिशत की दर से बढ़ा, लेकिन मोदी सरकार में निर्यात वृद्धि आधे से भी कम होकर सिर्फ 6 प्रतिशत रह गई है। हर महीने जारी होने वाले आरबीआई बुलेटिन को मोदी सरकार के लिए एक रिमाइंडर के रूप में काम करना चाहिए।

भारत ने आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को संचालित करने की अवधि जून 2024 तक बढ़ाई

नई दिल्ली , 25 अक्टूबर (एजेंसिया) । सरकार ने बिजली अधिनियम, 2003 के आपातकालीन खंड को बढ़ाते हुए आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को इस महीने के अंत के बजाय 30 जून, 2024 तक अपनी पूरी क्षमता पर चलने की मंजूरी दे दी है।

मांग में वृद्धि, घरेलू कोयले की अपर्याप्त आपूर्ति और जल विद्युत उत्पादन में कमी के कारण बिजली मंत्रालय की ओर से आयात कोयले से बिजली संयंत्रों को संचालित करने के लिए आठ महीने के विस्तार का निर्देश दिया गया है। अगले वर्ष (2024-25) के लिए, सरकार 256.53 गीगावॉट (256,530 मेगावाट)

की पीक बिजली की मांग की उम्मीद कर रही है। यह इस साल की अधिकतम मांग के अनुरूप है, जो पहली बार एक सितंबर को रिकॉर्ड 239.978 गीगावॉट (239,978 मेगावाट) पर पहुंच गई। हालांकि, मांग में असामान्य वृद्धि के परिणामस्वरूप बिजली की कमी में भी वृद्धि हुई, यह उसी दिन 10.745 गीगावॉट (10,745 मेगावाट) दर्ज की गई। बिजली की मांग में वृद्धि, घरेलू कोयले की अपर्याप्त आपूर्ति और जल विद्युत की कम उपलब्धता को देखते हुए सरकार ने आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) उत्पादन स्टेशनों से को 30 जून 2024 तक संचालन करने की अनुमति दी है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के साथ परामर्श के बाद, सरकार ने आयातित कोयला आधारित जनरेटर के संचालन की अवधि को धारा 11 के तहत 30.06.2024 तक बढ़ाने का फैसला किया है।

आपातकालीन खंड का उपयोग करते हुए जारी किए गए आदेश में आयातित कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों को देश की उच्च बिजली मांग को पूरा करने के लिए संचालित करने की अनुमति दी गई है। यह आदेश इस साल फरवरी में जारी किया गया था और तब से इसे चार बार इसकी अवधि बढ़ाई जा चुकी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	05-41 बजे
चंद्र-	मीन में	वृश्चिक.	07-50 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-04 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-11 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-01 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन ..	15-39 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-15 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-00 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-00 बजे
		कर्क...	23-12 बजे
		सिंह...	01-25 बजे
		कन्या..	03-31 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायनं ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-15 सूर्यअस्त - 17-44
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 09 -44- तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , गुरूवार 26 October
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - 11- 25 - तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - ध्रुव - 08 - 49 - तक उपरान्त व्याघात
करण- बालव - 09 -44 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - प्रदोष व्रत-उपवास

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:27 से 14:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:15 - 07:40 शुभ	अमृत.	17:44 - 19:20 शुभ
रोग	07:40 - 09:07 अशुभ	चंचल.	19:20 - 20:53 शुभ
उत्पात	09:07 - 10:33 अशुभ	रोग.	20:53 - 22:27 अशुभ
चंचल	10:33 - 11:59 शुभ	काल.	22:27 - 00:00 अशुभ
लाभ	11:59 - 13:27 शुभ	लाभ.	00:00 - 01:33 शुभ
अमृत	13:27 - 14:53 शुभ	उत्पात	01:33 - 03:07 अशुभ
काल	14:53 - 16:20 अशुभ	शुभ.	03:07 - 04:40 शुभ
शुभ	16:20 - 17:44 शुभ	अमृत	04:40 - 06:15 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें । आज स्थिति आपके लिए कुछ मुश्किल हो सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे ।लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संक्रमण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे ।शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैंविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है आज आप त्वचा और दांत से जुडी तकलीफों से परेशान हो सकते हैं ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

तो क्या कैरी बैग फ्री में मिलना चाहिए?

कंज्यूमर कोर्ट का फैसला गौर करने लायक

> कैरी बैग के पैसे लेने पर हो सकता है जुर्माना
> उपभोक्ता को मुफ्त में मिलना चाहिए कैरी बैग

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आप एक दुकान में जाते हैं और कोई सामान खरीदते हैं। दुकानदार आपको एक कैरी बैग देता है और आपको उसके लिए 10 या 5 रुपये लेने की कोशिश करता है। आप घर से अपना कोई कैरी बैग लाए नहीं रहते तो मजबूरन दुकानदार को 5,10,15 या 20 रुपये उस कैरी बैग के देने ही पडते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि जिस कैरी बैग के आपने 5 से 10 रुपये तक चुका दिए हैं वह दरअसल फ्री ऑफ कॉस्ट यानी मुफ्त है। जी हां, अगर आपसे दुकानदार कैरी बैग के पैसे ले रहा है तो इसके लिए अप कंज्यूमर कोर्ट या कहें उपभोक्ता अदालत में शिकायत कर सकते हैं। उपभोक्ता अदालतों के फैसलों के बावजूद, कैरी बैग्स पर अभी भी कीमतें लगाई जा रही हैं।

7 रुपये के कैरी बैग के लिए देना पड़ा 3 हजार का जुर्माना

पिछले महीने, दिल्ली की एक उपभोक्ता अदालत ने रिलायंस ट्रेंड्स को एक ग्राहक से कैरी बैग के लिए 7 रुपये चार्ज करने के लिए 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया। कंपनी ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता ने कोई वैध कारण नहीं बताया और यह आर्थिक रूप से लाभ उठाने का प्रयास अधिक लग रहा था। कंपनी ने कहा कि कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और ग्राहकों को इसे खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता ने स्वेच्छा से इसे खरीदा था और उसके अनुसार बिल बनाया गया था। इसी तरह के एक मामले में, बेंगलुरु की एक उपभोक्ता अदालत ने 4 अक्टूबर को फर्नीचर ब्रांड आइकिया पर कैरी बैग के लिए 20 रुपये चार्ज करने के लिए 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया था।

कैरी बैग खरीदना अतिरिक्त खर्च है

लोगों ने शिकायत की कि जब वे कुछ भी खरीदने के लिए बाहर जाते हैं तो यह एक अतिरिक्त खर्च होता है। 21 वर्षीय एमएनसी कार्यकारी रिया आनंद ने कहा, 'मुझे कमला नगर में डीआईवाय स्टोर पर गिफ्ट बैग के लिए 10 रुपये शुल्क लिया गया है। वे गिफ्ट बैग के अलावा कोई अन्य बैग नहीं देते हैं।' पूर्वी दिल्ली के निवासी मेहफूज आलम (37) ने कहा, 'कैरी बैग के लिए शुल्क लेना गलत प्रथा है और यह बंद होना चाहिए। मैं पिछले कई सालों से अपना खुद का बैग ले जा रहा हूं।'

दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली वकील मनीषा भंडारी ने बताया, 'हर बार जब मैं शॉपिंग करने जाती हूं तो मुझे लड़ना पड़ता है क्योंकि वे मुझसे कैरी बैग के लिए शुल्क लेते हैं। अब, मैं अपना खुद का बैग ले जाती हूं। यह स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए ताकि अगली पीढ़ी अधिक जागरूक हो।'

वकीलों ने भी इसे कहा गैरकानूनी

वकीलों के अनुसार, यह प्रथा अनुचित और गैरकानूनी है, लेकिन इसका कोई विश्वसनीय निवारण नहीं है क्योंकि ऐसे मामलों के निपटारे में चार साल तक लग सकते हैं। वकील संजय शर्मा ने कहा, 'नियमों के अनुसार, कोई भी ब्रांड, खुदरा विक्रेता या दुकानदार उपभोक्ताओं से उनके लोगो वाले प्लास्टिक/पेपर/कपड़े के कैरी बैग के लिए शुल्क नहीं ले सकता है। न ही ब्रांडों को उपभोक्ताओं को अपने विज्ञापन एजेंटों के रूप में मानना चाहिए और न ही उन्हें 'कानून के अज्ञान' का बहाना बनाना चाहिए।'

क्या कहता है नियम?

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन (संशोधित) नियम, 2018 के नियम 15 में प्लास्टिक बैगों के स्पष्ट मूल्यनिर्धारण का प्रावधान था, जिसे हटा दिया गया है। इसलिए, विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को बैग पर प्राइस टैग नहीं लगाना चाहिए।

वकील संजय शर्मा ने कहा, 'अगर कोई ब्रांड ऐसा करता है, तो उपभोक्ता को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 12 के तहत उपभोक्ता फोरम में अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए शिकायत दर्ज करने का अधिकार है।' इसके अलावा, अगर कोई ब्रांड उपभोक्ताओं से कैरी बैग के लिए शुल्क लेना चाहता है, तो कानून के तहत वह अनब्रांडेड बैग के लिए ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उनकी पूर्व सूचना और सहमति से और परिसर में विशिष्ट स्थानों पर जानकारी प्रदर्शित करने के बाद ही वह ऐसा कर सकता है।

कुछ ब्रांडों ने कहा कि वे उन कैरी बैग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं जिन पर उनका ब्रांड नाम है। लाइफस्टाइल के कार्यकारी निदेशक और सीईओ देवराजन अय्यर ने बताया कि हम कानून की भावना का पालन करते हैं और कैरी बैग के लिए शुल्क लेना बंद कर दिया है। हमारा ब्रांड स्थिरता के प्रति सजग है, इसलिए हम केवल पेपर बैग जारी करते हैं।

वकीलों के अनुसार, कैरी बैग के लिए शुल्क लेने की प्रथा 2011 में शुरू हुई जब केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट (प्रबंधन और संचालन) नियम जारी किए थे। इसमें कहा गया था कि किसी भी प्रकार के कैरी बैग को खुदरा विक्रेताओं की ओर से उपभोक्ताओं को मुफ्त में उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इसके बाद खुदरा विक्रेताओं ने पेपर/कपड़े के बैग के लिए शुल्क लेना शुरू कर दिया।

सिम्स की बदहाली पर छुट्टी के दिन हाईकोर्ट में सुनवाई

बिलासपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सीआईएमएस) की बदहाली और अव्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट में दशहरा पर्व पर छुट्टी के दिन भी सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने कलेक्टर की रिपोर्ट और तस्वीरों को देखकर नाराजगी जताई। अधीक्षक डॉ. नीरज शेंडे को भी हटा दिया गया है।

कोर्ट ने सिम्स में स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल जानने के लिए तीन वकील सूर्या कवलकर डांगी, संघर्ष पांडेय और अपूर्वा त्रिपाठी को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है। उन्हें स्वास्थ्य संचालक पी दयानंद के साथ 26 और 27 अक्टूबर को सिम्स का निरीक्षण कर हाईकोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। केस की सुनवाई एक नवंबर को होगी।

दरअसल, सिम्स की बदहाली को लेकर समाचार पत्रों में लगातार खबरें प्रकाशित हो रही है। जिसे स्वतः संज्ञान में लेकर हाईकोर्ट ने जनहित याचिका के रूप में स्वीकार किया है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने पहले स्वास्थ्य सचिव, कलेक्टर और कमिश्नर बिलासपुर समेत अन्य जवाबदार अफसरों से जवाब तलब किया।

कलेक्टर ने सिम्स का किया निरीक्षण

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स का निरीक्षण किया। मरीजों से उनकी समस्याओं को जाना और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सिम्स के अफसरों को निर्देश भी दिए। आनन-फानन में सिम्स में रविवार को डॉक्टरों की ड्यूटी चार्ट जरूर लगाई गई। लेकिन अब तक कॉरिडोर से कचरा नहीं हटाया गया है। जिसे सिम्स प्रबंधन की लापरवाही के रूप में देखा गया। कलेक्टर के बाद दूसरे दिन एसडीएम को भी भेजा गया। लेकिन साफ-सफाई नहीं की गई। सिम्स में सादे पानी से पोंछा लगाया जा रहा था। जगह-जगह गुटखा के दाग थे। सोमवार को सुबह से ही पूरा अमला सफाई करने के लिए जुटा। हर वार्ड के कोने-कोने की सफाई की गई। जिसकी वीडियो और फोटोग्राफी भी कराई गई। जिसे मंगलवार को हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया गया। जिसे देखकर चीफ जस्टिस ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दो दिन में दिखाने के लिए यह सब व्यवस्था की गई है। जबकि जमीनी हालात कुछ और हैं।

कांग्रेस के वोट में सेंध की तैयारी

शराब और कोयला घोटाले के बाद ईडी ने दिया भाजपा को एक और मुद्दा

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। किस्सा 2003 का है, जब अलग राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ में पहली बार विधानसभा चुनाव होने वाले थे। तब के मुख्यमंत्री अजीत जोगी से मैंने पूछा कि 90 में से कितनी सीटें जीतेंगे? उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया था-अभी से ज़्यादा।

कांग्रेस के पास तब 62 सीटें थीं। परिणाम आया तो कांग्रेस 37 सीटों पर आ गई थी। भाजपा ने 50 सीटें हासिल करके छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाई। 2003 के आंकड़े बताते हैं कि 90 में से 46 सीटों पर कांग्रेस को हराने में विद्याचरण शुक्ल के नेतृत्व वाली राकांपा और बसपा की बड़ी भूमिका थी। रही-सही कसर निर्दलीय उम्मीदवारों ने पूरी कर दी थी। इन सबने मिल कर 19 फ़ीसदी वोट हासिल किए थे। कांग्रेस और भाजपा के बीच हार जीत का अंतर केवल 3 फ़ीसदी का था। राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता और राजनीति में दो और दो चार भी नहीं होते। लेकिन पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार सर्व आदिवासी समाज की हमर राज पार्टी, पहले से कहीं और मज़बूत हो कर उतरी आम आदमी पार्टी, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना की जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जैसे कई दल चुनाव मैदान में हैं।

पिछले चुनाव में बसपा गठबंधन के साथ लगभग 12 फ़ीसदी वोट हासिल करने वाली जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी तो मैदान में है ही। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी भले इनकी परवाह नहीं कर रही है लेकिन धरातल पर हक़ीकत यही है कि इनमें से अधिकांश, कांग्रेस पार्टी के वोट में ही सेंध लगाएंगे। छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने में तीसरे दल की कोई भूमिका हो या न हो लेकिन सरकार के चुनावी गणित को बिगाड़ने का अपना इतिहास रहा है। इतिहास कब अपने को दुहराए, इसका अनुमान तो कोई नहीं लगा सकता।

माओवादियों ने छत्तीसगढ़ के मोहला मानपुर में, भाजपा नेता बिरजू तारम की हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि वोट मांगने के कारण बिरजू तारम की हत्या की गई। इस महीने की 20 तारीख़ को, भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बिरजू तारम की, घर में घुसकर संदिग्ध लोगों ने हत्या कर दी थी।

इस इलाके में 7 नवंबर को मतदान होने वाले हैं। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा था कि यह टारगेट किलिंग है। कांग्रेस ने इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए, भाजपा पर ही निशाना साधा था।

माओवादियों द्वारा हत्या की ज़िम्मेवारी लेने के बाद भले बिरजू तारम की हत्या चुनावी मुद्दा न बने लेकिन माओवाद प्रभावित इलाकों में चुनाव के दौरान सुरक्षा, एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है।

कांग्रेस के सभी सिपाही मिलकर करेंगे काम

केके ध्रुव बोले-जल्द दूर होगी नाराजगी

गौरेला, पेंड्रा, मरवाही, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मरवाही विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक डॉ. केके ध्रुव ने खुद को दोबारा कांग्रेस से टिकट मिलने पर नाराज कांग्रेसियों के विरोध को तात्कालिक नाराजगी बताते हुए कहा कि सभी कांग्रेस के सिपाही हैं सभी मिलजुल कर कांग्रेस को जीताने के लिए काम करेंगे।

कांग्रेस में नाराजगी को लेकर पेंड्रा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. केके ध्रुव ने कहा कि कुछ कांग्रेसी नेता जो संगठन में काम कर रहे थे वह टिकट नहीं मिलने से नाराज हैं इसलिए मेरा विरोध कर रहे हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराजगी कोई नई बात नहीं है परंतु टिकट तो किसी एक को ही मिलता है कांग्रेस पार्टी के सर्वे के हिसाब से मुझे टिकट दिया गया है और मैं कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में मरवाही विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का प्रत्याशी हूं।

भाजपा ने जारी की प्रत्याशियों की अंतिम सूची

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी में अपनी फाइनल लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में चार नामों का ऐलान किया है। अंबिकापुर से राजेश अग्रवाल को टिकट मिला है, बेमेतरा से दीपेश साहू को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही कांग्रेस के बाद अब बीजेपी ने भी छत्तीसगढ़ की सभी 90 सीटों पर अपने सियासी योद्धाओं को मैदान में उतार दिया है। पार्टी ने बेलतरा से सुशांत शुक्ला और कसडोल से धनीराम धीवर को टिकट दिया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी अंतिम सूची जारी कर दी है। अंतिम सूची में चार प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा ने तीसरी बार में कुल 86 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। अब कुल 90 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस ने भी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिया है।

इससे पहले बसपा ने आठ अगस्त को नौ प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें नौ प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की थी। इसके बाद 10 अक्टूबर को दूसरी सूची में 17 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा। तीसरी सूची में चार प्रत्याशियों को मौका दिया है। बहुजन समाज पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की चौथी और पांचवी सूची भी जारी कर चुकी है। पार्टी ने चौथी सूची में पांच उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। वहीं पांचवीं सूची में 13 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। पार्टी ने कुल 49 उम्मीदवारों को सियासी रण में उतार चुकी है।

चंदपुर विधानसभा सीट से लाल साय खूटे को मौका दिया गया। भाजपा ने 17 अगस्त को 21 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। फिर नौ अक्टूबर को 64 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की थी। इसके बाद 15 अक्टूबर को तीसरी सूची में पंडरिया सीट से भावना बोहरा को टिकट दिया था। 25 अक्टूबर को चार सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। इस तरह बीजेपी ने प्रदेश की कुल 90 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं।

कांग्रेस ने शारदीय नवरात्रि पर 15 अक्टूबर को 30 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसके बाद 18 अक्टूबर को दूसरी सूची में 53 सीटों पर प्रत्याशियों को उतारा था। फिर तीसरी सूची में सात प्रत्याशियों को चुनावी रण में उतार चुकी है। इस तरह कांग्रेस भी कुल 90 सीटों पर प्रत्याशी उतार चुकी है। कुल मिलाकर 90 विधानसभा सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस प्रत्याशियों की स्थिति साफ हो चुकी है। फिलहाल, दोनों दलों में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है।

छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होंगे। पहले चरण का मतदान सात नवंबर को होगा और 17 नवंबर को दूसरे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। वहीं तीन दिसंबर को नतीजे आएंगे।

स्कूली बच्चों की कला को मिलेगा मंच

रांची, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग राज्य के 24 जिलों के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों द्वारा तैयार की गयी शिल्प कला एवं रचनात्मक सामग्रियों की प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन करने जा रहा है। 3 नवंबर 2023 से 5 नवंबर 2023 तक यह प्रदर्शनी लगेगी। इस कार्यक्रम में राज्य भर से 150 प्रतिभागी बच्चे भाग लेंगे। इस कलात्मक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के हुनर और कला को मंच देने का प्रयास किया गया है।

कार्यक्रम में अपनी कलात्मक सामग्रियों का प्रदर्शन करने के लिए बच्चे जुलाई महीने से ही तैयारी कर रहे हैं। बच्चों को सामग्री निर्माण के लिए सामग्री विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। इस कार्यक्रम में बिकने वाली सामग्रियों का पैसा डीबीटी के माध्यम से बच्चे के खाते में सीधा भेजा जायगा। जिससे बच्चों के अंदर व्यावसायिक हुनर भी विकसित होगा।

इसमें भाग लेने वाले हुनरमंद प्रतिभागियों को शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन ट्रेडिंग के स्किल भी सिखाये जाएंगे। जिससे वे भविष्य में उत्पादों का ग्राहकों तक डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल करते हुए व्यवसाय कर सके। कार्यक्रम के विजेता बच्चों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुरस्कृत करेंगे।

साथ ही इस कार्यक्रम में शामिल हर प्रतिभागी बच्चो को सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

28 अक्टूबर को रांची आयेंगे जेपी नड्डा

संकल्प यात्रा समापन समारोह में शामिल होंगे भाजपा अध्यक्ष, मिशन 2024 का आगाज

रांची, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा का समापन रांची में होगा। 28 अक्टूबर को इस संबंध में एक वृहद कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। कार्यक्रम यहां के हरमू मैदान में होना है। जेपी नड्डा इस यात्रा के दौरान झारखंड को चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार रहने का संदेश देंगे।

मिशन 2024 की तैयारी

मिशन 2024 के लिए झारखंड में कमर कस कर तैयार होने का संदेश देंगे। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की राज्य व्यापी संकल्प यात्रा का समापन कार्यक्रम 28 अक्टूबर को रांची के हरमू मैदान में पूर्वाह्न 11 बजे से होना है। यात्रा

के संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री सह मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने बताया कि समापन कार्यक्रम की तैयारी जोर शोर से चल रही है।

हेमंत सरकार पर सभाओं में बाबूलाल ने साधा निशाना

संकल्प यात्रा के दौरान बाबूलाल मरांडी ने राज्य के कई विधानसभा सीटों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई सभाओं में राज्य सरकार की नाकामियों, विफलताओं, राज्य में व्याप्त सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, बेरोजगारी, खनिजों की लूट, तुष्टीकरण के खिलाफ 17 अगस्त से प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में संकल्प यात्रा प्रारंभ हुई थी।

अब तक 71 विधानसभा क्षेत्र की यात्रा

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बाबूलाल मरांडी ने 81 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हुए यात्रा शुरू की। अब तक 71 विधानसभा क्षेत्र में यह यात्रा आठ चरणों में संपन्न हो चुकी है। अब 28 अक्टूबर को हरमू मैदान में यात्रा का समापन होना है।

क्या होगा समापन समारोह में

इस समापन कार्यक्रम में छह विधानसभा सीट जिसमें रांची, हटिया, कांके, मांडर, खिजरी और तमाड़ क्षेत्र की संयुक्त सभा होगी। सभी 263 प्रखंड एवं 49 नगर निकाय क्षेत्र को मिलाकर 312 कलश 28 अक्टूबर को सम्मानपूर्वक हरमू मैदान लाया जाना है जिसे दिल्ली के लिए रवाना किया जायेगा। इसके जरिए झारखंड की प्रदेश भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि इन सभी प्रखंडों में भाजपा मजबूती से प्रचार कर रही है।

आचार संहिता के बाद पुलिस की कड़ी कार्रवाई

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर अब तक की स्थिति में 30 करोड़ 52 लाख 32 हजार रुपए की अवैध धन राशि और वस्तुएं जब्त की गई हैं। इसमें 8 करोड़ 13 लाख 43 हजार रुपए की नगद राशि शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से निगरानी के दौरान 23 अक्टूबर तक 21 हजार 838 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। इसकी कीमत 66 लाख 43 हजार 444 रुपए है। साथ ही 2731 किलोग्राम कई प्रकार के नशीली सामान, जिसकी कीमत लगभग दो करोड़ 16 लाख 66 हजार 577 रुपए है। जांच अभियान के दौरान 14 करोड़ 25 लाख 14 हजार रुपए कीमत के 158 किलोग्राम से अधिक कीमती आभूषण और रत्न भी तलाशी के दौरान जब्त किया गया है। इसके अलावा कई सामग्रियां जिनकी कीमत पांच करोड़ 30 लाख 64 हजार 561 रूपए है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने विधानसभा चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने के संबंध में सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं।

जारी निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन ऐजेंसी के माध्यम से धन और वस्तुओं की अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

भूपेश बोले-भाजपा मानसिक रूप से विपक्ष में बैठने को तैयार

रायपुर में कहा- सवाल ये है कि 13 का आंकड़ा भी मेंटेन कर पाएंगे या नहीं

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक बार फिर से किसानों की कर्ज माफी को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासत तेज हो गई है। कर्ज माफी पर बीजेपी के सवालों पर पलटवार करते हुए सीएम भूपेश बघेल ने कहा मैं बीजेपी के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। अभी भी वह सवाल कर रहे हैं, यानी कि वह मानसिक रूप से विपक्ष में बैठने के लिए तैयार हैं।

अब सवाल इस बात का है कि वे 13 का आंकड़ा मेंटेन कर पाएंगे या उससे भी नीचे जाएंगे। छत्तीसगढ़ किसानों का प्रदेश है और इसीलिए किसानों के लिए ही फैसले लिए जाते हैं। कोरोना काल भी था और भी कई चीजें रहीं हैं, इसलिए हमने फिर से घोषणा की है। पूर्व सीएम रमन सिंह के आवास देने की घोषणा पर सीएम ने कहा आवास के लिए तो हमने एक किस्त दे भी दी है। राहुल गांधी के हाथ से बटन दबाकर साढ़े 7 लाख लोगों को आवास दिया है। 7 लाख वो थे जो 2011 की सर्वे में थे और 47000 ऐसे लोग थे, जिनका सर्वे भारत सरकार ने नहीं किया। हमने उन्हें आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर दिया। बचे 10 लाख लोगों को भी हम देंगे। रमन सिंह किस आधार पर आवास देंगे, क्योंकि भारत सरकार का ना तो आर्थिक सर्वेक्षण हो रहा है ना जनगणना हो रही है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का प्रदेश है। रमन सिंह और बीजेपी को 15 साल में उनकी याद नहीं आई। यह दुनिया का इकलौता मंदिर है। ना तो इन लोगों ने उस मंदिर का विकास किया, ना की कोई काम किया है। राम वन गमन पथ के तहत हम लगातार काम कर रहे हैं। ये लोग राम के नाम पर वोट भी मांगते हैं और नोट भी भी मांगते हैं। राम हमारे लिए आस्था का विषय हैं, ना कि वोट या नोट का। हमने कभी राम के नाम पर वोट नहीं मांगा। अपने बूते यह लोग कुछ भी नहीं करेंगे, 'राम नाम जपना, पराया माल अपना' इनका यही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के मणिपुर में बाहरी ताकतों के हाथ होने की बात पर सीएम ने कहा मैं आप लोगों को दो प्रमुख बात बता देता हूं। एक हमारे विश्व गुरु हैं, जो कहते हैं कि हमारी सारी सीमाएं सुरक्षित हैं। दूसरी ओर संघ प्रमुख हैं जो कह रहे हैं कि बाहरी ताकत उसमें लगी हुई हैं। दोनों मिलकर तय कर ले की कौन सच बोल रहा है, क्योंकि दोनों की ही बात में बिल्कुल विरोधाभास है। दोनों मिलकर तय कर ले और देश को बताएं।

देश अगर सुरक्षित है तो बाहरी ताकत कैसे आई। दोनों मिलकर गुमराह ना करें देश को। शराबबंदी को लेकर सीएम ने कहा मैं तो पीएम मोदी से मांग करता हूं कि पूरे देश में शराबबंदी करें हमारे अपने आप बंद हो जाएगा। वो तो प्रधानमंत्री हैं, जहां से वो आते हैं गुजरात में वहां वैसे ही बंद है। अगर वह आदेश देंगे तो पूरे देश में वैसे ही बंद हो जाएगा।

जमशेदपुर में हुआ बड़ा हादसा

प्रतिमा विसर्जन को ले जा रहे ट्रक ने डेढ़ दर्जन लोगों को कुचला, दो की मौत

जमशेदपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन दौरान बड़ा हादसा हुआ है। एक बेकाबू ट्रक ने डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार दो लोगों की मौत हो चुकी हैं। वहीं गंभीर रूप से घायल लोगों को टीएमएच के आईसीयू में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दरअसल जमशेदपुर के बिष्टुपुर के पास स्थित बेलीबोधनवाला घाट पर यह घटना घटी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जिस ट्रक से यह हादसा हुआ है उसी ट्रक पर जुगसलाई नया बाजार समिति प्रतिमा विसर्जित करने मूर्ति लेकर आई हुई थी। इस ट्रक के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। जिस वजह से यह हादसा हो गया। हादसे में कई लोग ट्रक के नीचे फंसे रहे। घटना के बाद ट्रक का चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक हल्की चढ़ाई चढ़ रहा था, इसी दौरान ब्रेक नहीं लग पाने की वजह से वह पीछे लुढ़क गया। जिस वजह से यह हादसा हो गया।

इस घटना के बाद कई लोग ट्रक के नीचे फंसे रहे। लोकेशन पर अंधेरा होने की वजह से राहत और बचाव कार्य में परेशानी हुई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं भगदड़ की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस को लोगों की नाराजगी का सामना भी करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद आखिरकार ट्रक में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को पास के अस्पताल और टीएमएच में भर्ती कराया गया है।

इजराइल-हमास संघर्ष पर चर्चा के बीच पाक ने किया कश्मीर का जिक्र

भारत ने कहा- प्रतिक्रिया के लायक नहीं

न्यूयॉर्क, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा के बीच पाकिस्तान की तरफ से बार-बार कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया जाना जारी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा समेत अधिकतर मंचों पर उसे भारत की तरफ से हर बार करारा जवाब मिलता है। हालांकि इस बार सुरक्षा परिषद में एक बैठक के दौरान पाकिस्तान की तरफ से फिर कश्मीर मुद्दा उठाने के बाद भारत ने उसे जवाब न देने का निर्णय लिया। भारत ने साफ किया कि पाकिस्तान की तरफ से इस मुद्दे पर सवाल न तो प्रतिक्रिया के लायक हैं, और न हीं भारत इस मुद्दे पर जवाब देकर मामले को तूल देना चाहता है।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मंगलवार को ही इजराइल-हमास संघर्ष और इसके चलते पश्चिमी एशिया में उपजी स्थिति को लेकर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने कश्मीर के मुद्दे को भी उठाया। हालांकि, भारत की ओर से उप-स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने कहा कि एक डेलिगेशन (पाकिस्तानी डेलिगेशन) की तरफ से भारत के केंद्र शासित प्रदेश को लेकर टिप्पणी की गई, जो कि भारत का अखंड और अविभाज्य अंग हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने मुंबई 26/11 हमले का किया जिक्र

इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि सभी तरह के आतंकवादी कृत्य गैर-कानूनी और अनुचित हैं, चाहे उन्हें लश्कर-ए-तैयबा ने मुंबई में लोगों को निशाना बनाकर अंजाम दिया हो या हमास ने किबुत्ज बेरी में लोगों को निशाना बनाया हो। गौरतलब है कि मुंबई पर 2008 में हुए 26/11 हमलों में लश्कर-ए-तयैबा आतंकी संगठन का हाथ था। इसे लेकर भारत ने पाकिस्तान को कई सबूत भी सौंपे। लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ब्लिंकन ने आगे कहा, ''हमें अपनी रक्षा करने और ऐसी भयावहता को फिर होने से रोकने के किसी भी राष्ट्र के अधिकार की सुरक्षा करनी चाहिए। इस परिषद का कोई भी सदस्य, इस संपूर्ण निकाय का कोई भी राष्ट्र अपने लोगों की हत्या बर्दाश्त नहीं कर सकता और न ही करेगा।''

उन्होंने कहा, ''जैसा कि इस परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बार-बार कहा है कि आतंकवाद के सभी कृत्य गैरकानूनी और अनुचित हैं। ये गैरकानूनी और अनुचित हैं, फिर चाहे नैरोबी में लोगों को निशाना बनाया गया हो या बाली में... ये हमले इस्तांबुल में हुए हों या मुंबई में, न्यूयॉर्क में हुए हों या किबुत्ज बेरी में।'' उन्होंने कहा, ''ये गैरकानूनी और अनुचित हैं, चाहे उन्हें आईएसआईएस ने अंजाम दिया हो या बोको हराम, अल शबाब, लश्कर-ए-तैयबा या हमास ने अंजाम दिया हो।''

भारत के एस-400 से घबराया पाकिस्तान

चीन के 'कबाड़' फाइटर जेट से मार गिराने का किया अभ्यास

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना में रूस के एस-400 एयर डिफेंस सस्टिम के शामिल होने के बाद से ही पाकिस्तानी सेना घबराई हुई है। पाकिस्तान ने हाल ही में अबाबील मिसाइल का परीक्षण किया था लेकिन वह फेल रहा। पाकिस्तान अबाबील को एस-400 को मार गिराने के लिए तैयार कर रहा है लेकिन अब तक उसे निराशा ही हाथ लगी है।

अब पाकिस्तान चीनी फाइटर जेट की मदद से भारत के हवाई कलि को ध्वस्त करने का अभ्यास कर रहा है। पाकिस्तान अभी इंडस शील्ड हवाई अभ्यास कर रहा है और उसने इस दौरान भारत के एस-400 सिस्टम को नष्ट करने का ड्रिल किया है। पाकिस्तानी वायुसेना इसके लिए चीन के कबाड़ साबित हो रहे जेएफ-17 और हाल ही में शामिल किए गए जे-10सी फाइटर जेट का इस्तेमाल करना चाहती है।

हमास का पक्ष लेने पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव पर भड़का इजराइल

कहा- जल्द दें अपना इस्तीफा

यरुशलम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए अब 19 दिन होने जा रहे हैं। हमलों में मौतों का आंकड़ा सात हजार के पार चला गया है। इस युद्ध पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी लगातार इस जंग को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मंगलवार को हो रही चर्चा में कुछ अलग हुआ। चर्चा के बीच, इजराइल के राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस पर भड़क गए। उन्होंने उनसे इस्तीफा देने की मांग कर डाली।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने गुतारेस से तुरंत इस्तीफा देने को कहा। एर्दान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सामूहिक हत्या को लेकर जो समझ दिखाई है, वह संयुक्त राष्ट्र का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। मैं उनसे तुरंत इस्तीफा देने की मांग करता हूं। ऐसे लोगों से बात करने का कोई औचित्य नहीं है, जो इजराइल और यहूदी लोगों के खिलाफ सबसे भयावह अत्याचारों को लेकर संवेदना जताते हैं। मेरे पास शब्द नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए गुतारेस ने कहा था कि यह भी जानना जरूरी है कि हमास ने हमले बेमतलब में नहीं किए होंगे। फलस्तीन के लोग 56 वर्षों से कब्जे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि हालांकि, फलस्तीनी लोगों की शिकायतें हमास द्वारा भयावह हमलों को सही नहीं ठहरा सकती हैं। वहीं, ये भयावह हमले फलस्तीनी लोगों की सामूहिक सजा को सही नहीं ठहरा सकते।

इजराइल के प्रवक्ता लियोर हयात ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के भाषण में हमास आतंकवादियों द्वारा अत्याचारों के खिलाफ बोलने के लिए उनके पास केवल एक मिनट था।

इजराइली सेना ने हमास लड़ाके का ऑडियो जारी किया

माता-पिता से कहा- मैंने 10 यहूदियों को मारा, परिजन बोले-अल्लाह तुम्हारी रक्षा करे

यरुशलम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद सेना अब तक सीमा के पास वाले इलाके में शवों की तलाश कर रही है। इस हमले में करीब 1400 इजराइलियों की मौत हुई थी। छानबीन के दौरान मंगलवार को इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसे एक कॉल रिकॉर्डिंग मिली है।

दरअसल, सेना को यह रिकॉर्डिंग मेफल्सिम इलाके से एक यहूदी महिला के फोन में मिली। आईडीएफ के मुताबिक, हमास के लड़ाके ने महिला और उसके पति की हत्या के बाद उसी के फोन से अपने घर कॉल की थी। इस लड़ाके का नाम माहमूद है और वो नुखबा सेना का सदस्य है।

सेना ने बताया- कॉल पर लड़ाके ने अपने माता-पिता को कहा कि वो अब तक 10 यहूदियों की हत्या कर चुका है। वो वीडियो कॉल पर इजराइल के हालात दिखाने की भी बाद करता है। हमास लड़ाके के माता-पिता उसकी बातें सुनकर बेहद खुश सुनाई देते हैं। वो उसके जल्द घर लौटने की भी कामना करते हैं।

आईडीएफ ने बताया कि माहमूद ने एक यहूदी महिला को मारने के बाद उसके फोन से अपने घर पर कॉल किया। उसने अपने पिता से कहा, "मैं मेफल्सिम इलाके से बात कर रहा हूं। आप व्हॉट्सऐप खोलकर देखिए मैंने कितने लोगों को मार दिया है। आपके बेटे ने खुद अपने हाथों से यहूदियों की हत्या की है।"

हमास के लड़ाका ने कहा, "मैं आपको एक यहूदी के फोन से ही कॉल कर रहा हूं। मैं उसे और उसके पति को मार चुका हूं। मैं अब तक 10 यहूदियों की हत्या कर चुका हूं। उनका खून मेरे हाथों पर लगा है।" ये सुनकर उसके पिता खुशी से रोने लगते हैं। उन्होंने कहा- अल्लाह तुम्हारी रक्षा करे बेटा। इसके बाद माहमूद की मां ने कहा- काश मैं वहां तुम्हारे साथ होती।

इतने में माहमूद अपने साथियों की तरफ देखकर चिल्लाने लगता है। वो कहता है- किल देम यानी इन सभी को मार डालो। उसने आगे कहा- मां मैं अल्लाह की मदद से यहां सबसे पहले पहुंचा था। आपका बेटा एक हीरो है। अब आप लोगों का सिर गर्व से उठ जाएगा। मैंने अकेले अपने हाथों से 10 यहूदियों की हत्या की है। इसके बाद उस लड़ाके का भाई आला कहता है, "माहमूद अब तुम्हें वापस गाजा आ जाना चाहिए। इतना काफी था। अब लौटना चाहिए। इस पर हमास के लड़ाके ने कहा- यहां से अब कोई वापसी नहीं है।

अब या तो मैं मौत है या जीत। मेरी मां ने मुझे इस्लाम के लिए जन्म दिया था। अब मैं वापस कैसे आ सकता हूं माहमूद। तुम फोन उठाओ और देखो मैंने कितने लोगों को मार दिया है। वो अपने माता-पिता से भी व्हॉट्सऐप चेक करने को कहता है।"

गोलीबारी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत

पुलिस को शक- करीबी साथियों के बीच हुई हिंसा

ओंटारियो, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के उत्तरी ओंटारियो में पांच लोगों की गोली लगने से मौत हो गई, जिसमें तीन बच्चे और एक शूटर भी शामिल था। यह घटना मंगलवार की रात करीब 10:30 बजे की है, जिसमें एक छह वर्षीय, सात वर्षीय, 12 वर्षीय बच्चे और एक 41 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। कनाडाई पुलिस के अनुसार उन्हें रात के करीब 10:20 में घटना की जानकारी मिली। उन्हें टेंक्रेड स्ट्रीट में एक 41 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला जिसके शरीर पर गोली लगने का निशान था। हालांकि, इसके दस मिनट बाद उन्हें एक और फोन आया, जिसमें पास के इलाके में तीन बच्चों के मरने की जानकारी दी गई। पुलिस ने आगे बताया कि इसी के साथ उन्हें एक 44 वर्षीय व्यक्ति का भी शव मिला, जिसने खुद को गोली मार ली थी। प्राथमिकी जांच के दौरान पुलिस को मालूम चला कि ये सभी मौतें आपस में जुड़ी हुई है। उन्होंने इसे करीबी साथियों के बीच हुई हिंसा बताया है।

गाजा में बंधकों का सुराग देने वाले को इनाम मिलेगा

इजराइली फौज ने गाजा में पर्चे गिराए, मैक्रों बोले- हमास से मिलकर लड़ें

तेल अवीव, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास की जंग का आज 18वां दिन है। इजराइल की आर्मी ने गाजा में कुछ पर्चे गिराए हैं। इन पर लिखा है कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों का सुराग देने वालों को इनाम दिया जाएगा। यह जानकारी न्यूज एजेंसी एएफपी ने दी है। अरबी भाषा वाले इन पर्चों पर लिखा है- अगर आप अपने और बच्चों के लिए बेहतर फ्यूचर चाहते हैं तो हमें होस्टेज लोगों के बारे में जानकारी दें।

पर्चों में आगे लिखा है- इजराइली फौज आपकी हिफाजत और इनाम का वादा करती है। इसमें एक फोन नंबर के साथ टेलिग्राम, वॉट्सअप और सिग्नल मैसेज सर्विस के आईडीस भी दिए गए हैं।

हमास की कैद से रिहा हुई 85 साल की महिला ने बताया कि लड़ाकों ने उसके साथ पहले दिन तो मारपीट की फिर इलाज कराया। उन्होंने बताया कि इजराइल से ले जाए गए बंधकों को गाजा के नीचे सुरंगों के जाल में छिपा कर रखा गया है।

वहीं, इजराइल पहुंचे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि हमास को हराने के लिए इंटरनेशनल अलायंस बनाने की जरूरत है। जो देश आईएसआईएस के खिलाफ लड़ रहे हैं उन्हें हमास से भी लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई न सिर्फ इजराइल बल्कि हम सब के अस्तित्व के लिए जरूरी है।

बंधक इजराइली महिला ने हमास लड़ाके से हाथ क्यों मिलाया?

85 साल की योचेवेड लिफशिट्ज ने बताया कि जिस दिन उन्हें अगवा किया था। उस दिन लड़ाकों ने उन्हें छड़ी से मारा था। वो कहती हैं- आतंकियों ने उनकी घड़ी और सारी ज्वेलरी ले ली। फिर खेतों से होते हुए मकड़जाल जैसी सुरंगों में ले गए।

आतंकियों ने उन्हें कहा कि वो कुरान में विश्वास करते हैं और उन्हें मारेंगे नहीं। उनके सुरंग में पहुंचने के कुछ 2-3 घंटों के बाद 4 और बंधकों को वहां लाया गया था। उनका इलाज करने के लिए वहां डॉक्टर को भी बुलाया गया था। लिफशिट्ज ने बताया कि जब लड़ाकों ने उनसे बातचीत करने की कोशिश की तो उन्होंने कहा कि हम राजनीति के बारे में कुछ भी बात नहीं करेंगे। उन्होंने हमारी सारी जरूरतों का ध्यान रखा। हमें वही खाने के लिए दिया गया जो वो लोग खाते थे। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि आपने रिहा होते वक्त आतंकियों से हाथ क्यों मिलाया। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे साथ बुरा व्यवहार नहीं करने की वजह से।

अमेरिका बोला- इजराइल जमीनी हमले के लिए तैयार नहीं

अमेरिका ने कहा है कि हो सकता है कि गाजा में जमीनी ऑपरेशन चलाने से इजराइल को मनचाहे नतीजे नहीं मिल पाएं। अमेरिका ने इजराइली अधिकारियों से कई मुलाकात की हैं। इसके बाद ये कहा है कि इजराइल अभी गाजा में जमीनी ऑपरेशन के लिए तैयार नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल सोमवार को ही गाजा में घुसकर अपना जमीनी ऑपरेशन शुरू करने वाला था।

मैजिक मशरूम खाकर फ्लाइट के दौरान विमान का इंजन बंद करने वाले पायलट का खुलासा

जूनो, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलास्का एयरलाइंस के एक ऑफ-ड्यूटी पायलट ने रविवार को विमान के इंजन को बंद करने की कोशिश की थी। ऐसा करने के कारण उनपर हत्या का आरोप लगाया गया है है। मंगलवार को अदालती दस्तावेजों से पता चला कि पायलट ने मैजिक मशरूम खाया था, जिस वजह से उसे घबराहत हो रही थी। रविवार को ऑफ ड्यूटी पायलट जोसेफ एमरसन ने एक ऐसे हैंडल की तरफ इशारा कर रहे थे जिससे इंजन में इंधन की कमी हो जाती है और विमान ग्लाइडर में बदल जाता है। पुलिस के अनुसार एमरसन पिछले 40 घंटों से सोया नहीं था। उसने विमान का आपातकालीन द्वार भी खोलने की कोशिश की थी। पायलट ने कहा, 'मैंने दोनों आपातकालीन शटऑफ हैंडल खींचा, क्योंकि मुझे ऐसा लगा कि मैं सपना देख रहा हूं और मैं नींद से उठना चाहता हूं'। साइकेडेलिक मशरूम के बारे में पूछे जाने पर एमरसन ने बताया कि उसने पहली बार ऐसा मशरूम खाया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, होराइजन एयर एम्ब्रेयर ई-175 एवरेट में 80 यात्री सफर कर रहे थे। अलास्का एयरलाइंस ने कहा कि होराइजन एयर पायलटों ने पायलट जोसेफ इमर्सन (44) के खिलाफ शिकायत की। पायलट ने इंजन को बंद करने की कोशिश की, हालांकि उसकी कोशिश असफल रही। होराइजन कैप्टन और फर्स्ट ऑफिसर ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विमान को तुरंत पोर्टलैंड, ओरेगॉन की ओर मोड़ दिया और सुरक्षित लैंडिंग की।

आयरलैंड के डिप्टी पीएम ने की हमास की निंदा

कहा- युद्ध में आम लोगों की जान जाना सही नहीं

डबलिन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। डबलिन में मंगलवार को ग्लोबल आयरलैंड शिखर सम्मेलन के मौके पर आयरलैंड के उप प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने मीडिया से इस्राइल-हमास के बीच जरी युद्ध पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि हमास की निंदा करने में पूरा यूरोप एक साथ है, लेकिन इस्राइल द्वारा उठाया गया कोई भी कदम मानवीय कानून के मापदंडों के भीतर होनी चाहिए

आयरलैंड के डिप्टी पीएम ने की हमास की निंदा

माइकल मार्टिन आयरलैंड के डिप्टी पीएम होने के साथ-साथ विदेश मंत्री और रक्षी मंत्री भी है। उन्होंने कहा, 'मैं इस्राइल पर हमास के हमले की निंदा करता हूं। अपने लोगों की रक्षा करने का इस्राइल को पूरा अधिकार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'युद्ध में आम लोगों की जान जाना सही नहीं है। मुद्दा यह है कि अब गाजा के लोगों की मौत के साथ जितनी क्षति हो चुकी है उससे ज्यादा क्षति अब न हो इसके लिए किस प्रणाली को अपनाया जाए।' उन्होंने कहा कि हमास नागरिकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। क्षेत्र में उनके कुछ समर्थक है, जो स्थिति को और समस्यात्मक बना रहे हैं।

विदेश मामलों के मंत्री के रूप में अपनी भूमिका में माइकल मार्टिन ने शिखर सम्मेलन में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए देश की प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया है। भारत नवीनीकृत एशिया प्रशांत रणनीति का एक प्रमुख पहलू है। मुंबई में एक नए महावाणिज्य दूतावास का निर्माण किया जा रहा है। पीएम मार्टिन ने कहा, 'हम भारत के अच्छे दोस्त हैं और सीमा विवादों के संदर्भ में बहुपक्षीय व्यवस्था को बढ़ाने के लिए काम करना जारी रखेंगे। हम यूक्रेन का समर्थन करते हैं।

हमारा मानना है कि रूस ने यूएन चार्टर का उल्लंघन किया है। इसी के साथ हम अन्य देशों को भी कड़ा रुख अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।'

चीन में देशभक्ति शिक्षा कानून पारित

इसका मकसद- जिनपिंग की पार्टी के प्रति वफादारी पैदा करना, 1 जनवरी 2024 से लागू होगा

बीजिंग, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन देशभक्ति शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए सरकार ने देशभक्ति शिक्षा कानून पारित किया है। इस कानून का उद्देश्य जीवन के सभी पहलुओं में चीनी युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी पैदा करना है।

चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ के मुताबिक, ये कानून स्कूल, कॉलेज में देशभक्ति से जुड़ी बातें पढ़ाने को लीगल गारंटी देता है। इसमें ये भी कहा गया कि कुछ लोग देशभक्ति भूल रहे हैं, उन्हें इसके प्रति जगरुक करने की जरूरत है। ये कानून 1 जनवरी 2024 से लागू होगा।

चीन को दुनिया से जोड़ेगा ये कानून

सरकार का कहना है कि हिस्टॉरिकल नाइलीज्म (ऐतिहासिक शून्यवाद) जैसी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए इस कानून की जरूरत थी। चीन में जब लोगों का भरोसा कम्यूनिस्ट पार्टी से उठने लगे या पार्टी की काबिलियत पर शक होने लगे तो इसे हिस्टोरिकल नाइलीज्म कहा जाता है।

सरकार ने कहा कि कानून देशभक्ति को बढ़ावा देने के साथ तर्कसंगत, समावेशी और खुले विचारों वाला है। ये देश को दुनिया से जोड़ने और अन्य सभ्यताओं को अपनाने की आवश्यकता पर जोर देता है। कानून के मुताबिक देशभक्ति शिक्षा अन्य देशों के इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती है और मानव सभ्यता की सभी उपलब्धियों से प्रेरित है।

विदेशों में भी अपनी सरकार का प्रचार कर रहा चीन

दिसंबर 2022 में चोसन मीडिया ग्रुप ने साउथ कोरिया में एक ऐसे रेस्टोरेंट का खुलासा किया था जहां जिनपिंग की आइडियोलॉजी का प्रचार किया जाता था। ये चीनी रेस्टोरेंट 2017 से राजधानी सियोल में चल रहा था। चोसन के मुताबिक, रेस्टोरेंट की आड़ में चीन देश में शी जिनपिंग और उनकी सरकार का प्रचार करने का काम कर रहा था। रेस्टोरेंट के अंदर जिनपिंग की आइडियोलॉजी से जुड़ी कई किताबें भी मौजूद थीं।

फिलिस्तीन संग खड़ा है हिंदुस्तान

संकट की घड़ी में हम इजरायल के साथ संयुक्त राष्ट्र से भारत का दुनिया को संदेश

न्यूयॉर्क, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्रपति सुरक्षा परिषद से एक बड़ा संदेश दुनिया को दिया है। परिषद में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि (डीपीआर) राजदूत आर रवींद्र ने बुधवार को इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के बीच गाजा पट्टी में नागरिकों को मानवीय सहायता भेजने के नई दिल्ली के प्रयासों को दोहराया। उन्होंने कहा है कि अब तक भारत की तरफ से 38 टन खाद्य सामग्री भेजी गई है। इसके साथ ही महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण भी फिलिस्तीन गए हैं। रवींद्र ने स्पष्ट कर दिया कि फिलिस्तीन को भेजी जाने वाली यह मदद जारी रहेगी।

हमास, हिज्बुल्ला और पीआईजे के कमांडरों ने की बैठक

इजरायल को घेरने की तैयारी

बेरूत, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के चल रही जंग के बीच तीन बड़े आंतकी संगठनों की अहम बैठक हुई है। लेबनान स्थित हिज्बुल्ला के लीडर सैय्यद हसन नसरल्लाह, हमास डिप्टी चीफ सालेह अल-अरौरी और फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) प्रमुख जियाद की बुधवार को बेरूत में मीटिंग हुई है। गाजा में इजरायल सेना के जमीनी आक्रामण की खबरों के बीच इन नेताओं संगठनों के कमांडरों की मुलाकात हुई है।

हिज्बुल्ला के अलमनार टीवी के मुताबिक, हमास, हिज्बुल्ला और पीआईजे के नेताओं ने गाजा में इजरायल के खिलाफ एक 'सच्ची जीत' हासिल करने के लिए अपने आगे के कदमों पर चर्चा की है। बैठक के बाद जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा गया है कि तीनों नेताओं ने गाजा में संघर्ष और वेस्ट बैंक में लोगों के खिलाफ इजरायल की विश्वासघाती और क्रूर आक्रामकता को रोकने के तरीकों पर चर्चा की गई है। बैठक के बारे में ज्यादा जानकारी इन संगठनों की ओर से नहीं गई है।

इजरायल को चौतरफा घेरने की है कोशिश

गाजा में इजरायल के हमलों के खिलाफ हमास के साथ फिलीस्तानी इस्लामिक जिहाद, और ईरान समर्थित हिज्बुल्ला भी साथ आए हैं। ये तीनों संगठन इजरायल के विरोध में दूसरे लेबनानी, फिलिस्तीनी, सीरियाई और ईरान समर्थित सशस्त्र बलों को भी एकजुट कर रहे हैं। इसे इजरायल के खिलाफ एक मोर्चे की तरह देखा जा रहा है। जिससे इजरायल को चौतरफा घेरने की कोशिश की जाए। हमास, हिज्बुल्ला और पीआईजे की इस मीटिंग के बाद माना जा रहा है कि ये तीनों मिलकर इजरायल के खिलाफ किसी बड़े अभियान की शुरुआत कर सकते हैं।

बराक ओबामा ने इजरायल-हमास जंग पर आखिरकार तोड़ी चुप्पी

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इजरायल और हमास की वजह से गाजा में मौजूदा स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। ओबामा को पिछले कुछ दिनों से लोग उनकी चुप्पी की वजह से एक्स (ट्विटर) पर निशाना बना रहे थे। अब बराक ओबामा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर हालातों पर अपनी राय जाहिर की है। ओबामा ने इजरायल के रक्षा के अधिकार की वकालत तो की लेकिन यह भी कहा कि इस देश के फैसलों की वजह से गाजा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। साथ ही उन्होंने हमास के आतंकी संगठन की भी कड़े शब्दों में निंदा की है। ओबामा की मानें तो इजरायल के रुख की वजह से फिलिस्तीन के लिए जो मुश्किलें पैदा हो रही हैं। लेकिन साथ ही साथ इजरायली लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन भी कमजोर होता जा रहा है। कुछ जानकार राष्ट्रपति पद से हटने के बाद ओबामा को विदेश नीति संकट पर टिप्पणी न करने वाला नेता करार देते हैं। ऐसे में मौजूदा संकट पर उनका बयान असाधारण करार दिया जा रहा है।

ओबामा ने कहा है कि कोई भी इजरायली सैन्य रणनीति जो युद्ध की मानवीय कीमत को नजरअंदाज करती है, आखिर में उलटा असर डाल सकती है।

पूर्व विधायक ने प्रत्याशी उतारने का किया फैसला

वल्लभनगर सीट से रणधीर सिंह ने किया ऐलान

बोले- मेवाड़ के कई नेता सम्पर्क में, अपनी पार्टी को चुनाव लड़ाएंगे

उदयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले वल्लभनगर सीट पर कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित कर दिया है। लेकिन, भाजपा में यहां सस्पेंस बरकरार है। इधर, वल्लभनगर सीट के पूर्व विधायक रहे और जनता सेना के संरक्षक रणधीर सिंह भींडर ने ऐलान कर दिया है कि वे अपनी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में उतारेंगे।

जनता सेना राजस्थान की भींडर राजमहल में विधानसभा चुनाव को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जनता सेना संरक्षक व वल्लभनगर के पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने कहा कि मेवाड़ में कई नेता उनकी पार्टी के सम्पर्क में हैं और अन्य सीटों पर भी संगठन जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे।

भींडर ने कहा कि उन्होंने वल्लभनगर विधानसभा के लिए अपनी पार्टी से 4 नवंबर को नामांकन दाखिल कराने का कार्यक्रम भी तय कर दिया है। बता दें कि वे पहले भाजपा से वल्लभनगर सीट पर चुनाव लड़े थे और इसके बाद उन्होंने निर्दलीय भी चुनाव लड़ा था।

उन्होंने कहा कि अबकी बार आर-पार की लड़ाई लड़नी है। इस बार के चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं को अपने आप को रणधीर बनकर उतरना है। बैठक को जनता सेना प्रदेश प्रभारी मांगीलाल जोशी, संभाग प्रभारी हरिसिंह कुराबड़, प्रधान हरिसिंह सोनिगरा भी मौजूद रहे।

भींडर को भाजपा में लेने की कवायद भी चली

वल्लभनगर सीट पर रणधीर सिंह भींडर की वापस भाजपा में घर वापसी की बात जयपुर से दिल्ली तक चल रही थी लेकिन कोई निर्णय नहीं हो पाया। भाजपा के शीर्ष नेता भी चाहते थे कि भींडर पार्टी में आ जाए और उनको उम्मीदवार बनाए तो यह सीट भाजपा के लिए कमजोर सीट की सूची से बाहर हो जाती। पार्टी स्तर पर प्रयास के बाद भी परिणाम सामने नहीं आए।

कांग्रेस ने विधायक प्रीति पर भरोसा किया

इस सीट पर कांग्रेस पार्टी ने अपनी विधायक प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत पर ही विश्वास जताते हुए उनको टिकट दिया है। भाजपा अभी फैसला नहीं कर पाई है। पार्टी इस सीट को जीतने के लिए पूरा प्लान बना रही है।

पार्टी सारे समीकरण देख रही है। पार्टी ने भाजपा में रहते हुए भाजपा के घर से बाहर हुए रणधीर सिंह भींडर से लेकर उदयलाल डांगी की वापसी के लिए भी प्रयास कर रही है। पिछला चुनाव लड़े हिम्मत सिंह झाला सहित कई दावेदार भी अपना पूरा जोर लगा रहे है।

प्रचार करते समय रोने लगीं कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा, बोलीं- मैं ये चुनाव हारी तो...

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनावों में जयपुर की मालवीय नगर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा चुनाव प्रचार कर रही थीं, इसी दौरान वो भावुक हो गईं। अर्चना के समर्थकों ने उन्हें ढांढस बंधाया।

भाजपा और कांग्रेस राजस्थान में अपने प्रत्याशियों की 2-2 सूची जारी कर चुकी हैं। अब प्रत्याशी अपनी विधानसभाओं में प्रचार के लिए जुट भी गए हैं। जयपुर की मालवीय नगर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा एक चुनाव प्रचार सभा में भावुक होकर रोने लगीं। अर्चना इस सीट पर लगातार तीसरा चुनाव लड़ रही हैं।

पिछले दो चुनाव वे हारी भी हैं। लेकिन फिर भी सीएम अशोक गहलोत ने अर्चना शर्मा को यहां से टिकट दिलवाया। अब अर्चना शर्मा चुनाव प्रचार में इस मुद्दे को लेकर बेहद भावुक नजर आ रही हैं। एक सभा के दौरान अर्चना शर्मा ने कहा...अगर मैं ये चुनाव हारी तो ये मेरे जीवन का...इतना बोलकर अर्चना फफक पड़ीं। इसके बाद अर्चना के समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए।

गौरतलब है कि अर्चना शर्मा का मुकाबला इस सीट पर भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ से है। सराफ छह बार के विधायक हैं और मालवीय नगर को भाजपा का गढ़ माना जाता है। हालांकि, पिछला चुनाव यहां सबसे ज्यादा टक्कर वाला हुआ था, जिसमें अर्चना एक हजार से भी कम वोटों के अंतर से हार गई थीं। इसके बाद भी गहलोत सरकार में अर्चना को तवज्जो मिली और उन्हें समाज कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया गया।

पिछले दिनों हुआ था वीडियो वायरल

गौरतलब है कि पिछले दिनों भी अर्चना शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे अपनी ही पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगा रही थीं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। इधर, अर्चना का विरोध कर रहे कांग्रेस नेता महेश शर्मा सरकार के विप्र कल्याण बोर्ड से इस्तीफा भी दे चुके हैं।

दीपावली के पटाखों के साथ राजस्थान में होगा पाप का अंत- गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजयादशमी पर नंदनवन मयूर सेवा समिति की ओर चोपासनी हाऊसिंग बोर्ड क्षेत्र के सेक्टर 16 में आयोजित रावण दहन के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आप सबके आशीर्वाद से देश में नरेंद्र मोदी जी की सरकार चल रही है। श्रीराम का मंदिर बनने का इंतजार हम पिछले 450 साल से कर रहे थे। हमने जो एक वोट दिया था, उस एक वोट की ताकत से राम मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। 450 साल तक हजारों बलिदानों के बाद में भी जो नहीं हो पाया, एक सही जगह पर वोट देने के चलते आज भगवान श्रीराम का मंदिर बन रहा है। हम सौभाग्यशाली हैं कि आने वाली 25 जनवरी के बाद में रामलाल के दर्शन और मंदिर के शिखर पर फहराती

ध्वज के दर्शन कर पाएंगे।

सनातन पर हमलों का जिक्र करते हुए शेखावत ने कहा कि जिस तरह से भारत की सनातन संस्कृति पर कुछ लोग गिद्ध दृष्टि से देख रहे हैं। जिस सनातन संस्कृति को बचाए रखने के लिए हमारे पूर्वजों ने अनेक वर्षों, अनेक शताब्दियों, हजारों सालों तक संघर्ष किया। आज उस सनातन को देश के भीतर और देश के बाहर से अनेक ताकतें चुनौती दे रही हैं। आज संकल्प का दिन है। हम सबको इस बात का भी संकल्प करने की आवश्यकता है, जो सनातन के विरोध में बात करेगा, हम उसको अस्वीकार करेंगे, उसका प्रतिकार करेंगे और उसका भी इस रावण के साथ में दहन करने का काम करेंगे। इस दौरान भाजपा के जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा, पूर्व जिला अध्यक्ष देवेन्द्र जोशी सहित अनेक भाजपा नेता और बड़ी संख्या में जन समूह उपस्थित रहा। शेखावत सुबह स्थानीय सांसद सेवा केंद्र और निज निवास स्थान पर विविध क्षेत्रों से आए गणमान्य लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं से मिले। जनता जनार्दन की समस्याएं सुनीं और यथासम्भव निराकरण का प्रयास किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव पर चर्चा की और प्रदेश में कमल खिलाने के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया।

युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या: रास्ते के विवाद में 8 बार पहिया से रौंदा, लोग बचाने की जगह वीडियो बनाते रहे

बयाना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना गांव में रास्ते के मामूली विवाद पर एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने युवक पर 8 बार ट्रैक्टर का पहिया चढ़ाया। इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है।

सदर थाना के एसएचओ जयप्रकाश परमार ने बताया कि अड्डा गांव के बहादुर गुर्जर और अतर सिंह गुर्जर गुटों के बीच पिछले लंबे समय से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर बुधवार सुबह करीब 8 बजे दोनों पक्ष फिर से आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने के साथ ही पथराव कर दिया। इसमें दोनों पक्षों की महिलाएं भी मारपीट में शामिल थीं।

झगड़े के दौरान 35 साल का निरपत गुर्जर जमीन पर गिर गया। तभी बहादुर पक्ष के एक युवक ने निरपत के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। रोकने के बावजूद आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर नहीं रुका और जमीन पर गिरे निरपत के ऊपर 8 बार ट्रैक्टर का पहिया चढ़ा दिया। घायल निरपत की मौके पर ही मौत हो गई। मर्डर के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बयाना सीएचसी भेजा गया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है। ग्रामीणों के मुताबिक झगड़े के दौरान फायरिंग की आवाज भी आई थी। आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर के बारे में पता लगाया जा रहा है।

युवक को उसके ही ट्रैक्टर से कुचला

मृतक निरपत के भाई विनोद के बताया कि सुबह ट्रैक्टर लेकर खेत में जा रहा था, तभी बहादुर पक्ष के लोगों ने मकान के ऊपर चढ़कर पथराव कर दिया। घबराकर वापस घर आ गया था। आरोपी लाठी-डंडे लेकर घर में आ गए और मारपीट की। इस दौरान आरोपी दिनेश और मुनेश ने मेरे भाई निरपत को उठाकर ट्रैक्टर के आगे पटक दिया। मेरे ही ट्रैक्टर से आरोपी हनुमत सिंह मेरे भाई पर ट्रैक्टर चढ़ाता रहा।

पुलिस पर 15 हजार लेकर छोड़ने का आरोप

मृतक के पिता अतर सिंह ने कहा कि 5 दिन पहले भी आरोपियों के घर की महिलाओं ने रास्ते से निकलते समय मेरे बेटे निरपत पर कचरा और सड़ी-गली सब्जियां फेंकी थीं। विरोध करने करने पर झगड़ा किया था। आरोपी बहादुर सिंह के बेटे दिनेश ने मेरे और मेरे बेटों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

इसके बाद पुलिस ने मुझे दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक थाने में बैठाकर रखा था। 15 हजार रुपए लेकर छोड़ा। पुलिस ने कहा था कि सभी लोगों को पाबंद कर दिया है। अब कहीं भी आना, कहीं भी जाना कोई दिक्कत नहीं होगी। कोई कुछ नहीं कहेगा। पुलिस ने हमारी रिपोर्ट पर मामला दर्ज नहीं किया।

विवाद के बाद 22 लोगों को किया था पाबंद

एएसपी ओमप्रकाश ने बताया कि घटना के बाद बयाना एसएचओ और सीओ मौके पर पहुंचे थे। पांच दिन पहले दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। दोनों गुटों की शिकायत पर मामला दर्ज कर 22 लोगों को पाबंद किया था। ट्रैक्टर ड्राइवर को जल्द आईडेंटिफाई कर पकड़ लिया जाएगा।

दोनों पार्टियों को 2-2 चेहरों ने किया परेशान: कांग्रेस को दीया-राठौड़, भाजपा को

गहलोत-पायलट के सामने नहीं मिल रहे उम्मीदवार, 40 विधायकों को गुपचुप फोन

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान चुनाव में दोनों ही पार्टियों को एक दूसरे के दो-दो दिग्गज चेहरों ने परेशान कर दिया है। कांग्रेस को दीया कुमारी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तो वहीं बीजेपी को मुख्यमंत्री गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सामने मजबूत चेहरा नहीं मिल रहा है।

दोनों ही पार्टियां अंदरखाने चेहरे तलाश रही हैं, लेकिन पार्टी जिन प्रत्याशियों को लड़ाना चाह रही है, वे राजी नहीं हो रहे। वहीं, दो मंत्रियों महेश जोशी, शांति धारीवाल और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के अलावा भी 5 सीटें ऐसी हैं जिनको होल्ड पर रखा गया है। 5 सीटों पर गठबंधन का फैसला राहुल गांधी लेंगे।

इस खबर में हम जानेंगे दोनों ही पार्टियों की अगली लिस्ट में क्या होगा? कब तक जारी होंगी? क्यों दिग्गज नेताओं के आगे नेताओं ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है? कौनसी सीटें कांग्रेस गठबंधन के लिए छोड़ सकती है?

दीया कुमारी, विद्याधर नगर - दो राजपूत नेताओं ने खड़े किए हाथ

जब तक भाजपा ने अपनी सूची जारी नहीं की थी, तब तक इस सीट पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल का नाम चल रहा था। भाजपा ने जयपुर पूर्व राजघराने की सदस्य व सांसद दीया कुमारी के नाम की घोषणा की तो यहां की तस्वीर ही बदल गई। अब कांग्रेस इस सीट से राजपूत चेहरा ढूंढ रही है।

सूत्रों के अनुसार पार्टी ने अपने दो राजपूत नेताओं को टटोला, लेकिन दोनों ने ही इस सीट से चुनाव लड़ने से मना कर दिया। एक हैं- प्रताप सिंह खाचरियावास, जब इनसे विद्याधर नगर से दीया के सामने चुनाव लड़ने के लिए पूछा था तो उन्होंने कहा कि वे सीट नहीं बदलना चाहते।

इसके बाद कांग्रेस ने अपनी दूसरी सूची में सिविल लाइंस से प्रताप सिंह का नाम घोषित कर दिया। दूसरे हैं, कांग्रेस

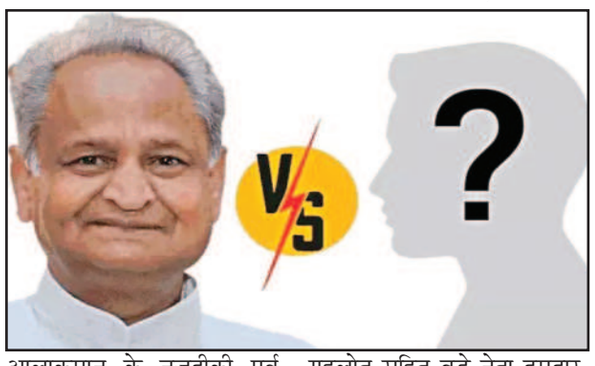

आलाकमान के नजदीकी पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह। वे भी यहां से चुनाव लड़ने पर सहमत नहीं बताए जा रहे। ऐसे में पार्टी ने मंथन और प्रयास के लिए यह सीट होल्ड पर डाल दी है।

भाजपा ने इस सीट से भी कांग्रेस के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। यहां से बीजेपी ने जयपुर ग्रामीण सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर जीत हासिल कर चुके गहलोत सरकार के कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। गहलोत सहित बड़े नेता दमदार प्रत्याशी कटारिया को मनाने में जुट गए हैं।

कटारिया फैसला बदलते, उससे पहले ही उनकी मार्कशीट का विवाद सामने आ गया। अब पार्टी कटारिया को मना भी लेती है, तो ये विवाद पूरे चुनाव में गूंजेगा। पिछले सभी चुनाव में उनकी जीत बेमानी साबित करने के प्रयास किए जाएंगे। इस सीट पर भी कांग्रेस के लिए मजबूत प्रत्याशी ढूंढने का संकट खड़ा हो गया है। यही कारण है कि अभी सीट होल्ड कर दी गई है।

भाजपा के लिए अशोक गहलोत सबसे बड़ी चुनौती हैं। भाजपा इस सीट पर खास रणनीति अपनाना चाह रही है। कोई ऐसा मजबूत चेहरा उनके सामने खड़ा किया जाए जो गहलोत को चुनौती के साथ-साथ टेंशन भी दे। सीधा सा मकसद यही है कि चुनौती मिलेगी तो वे अपनी सीट पर फोकस बढ़ाएंगे और उनके प्रदेशभर में होने वाले दौर भी कम होंगे। यह रणनीति उन्हें उनकी सीट पर बांधे रखने की है।

सूत्रों के अनुसार भाजपा आलाकमान जोधपुर राजघराने के संपर्क में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दिनों जब अपने जोधपुर दौरे पर आए, तो राजपरिवार के पूर्व सदस्य गजसिंह ने उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव भी किया था।

सूत्रों के अनुसार मोदी और गजसिंह ने 15-20 मिनट अकेले में चर्चा भी की। माना जा रहा है कि इस विधानसभा चुनाव में मारवाड़ की सीटों पर भाजपा को समर्थन देने की बातें हुई। भाजपा आलाकमान चाह रहा है कि इस चुनाव में ही राजघराने से कोई सदस्य राजनीति में सक्रिय हो जाए। हालांकि पूर्व राजपरिवार ने अभी तक इस पर कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है।

सूत्रों ने बताया कि पूर्व में पार्टी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भी सरदारपुरा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा चुकी है, लेकिन उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने में रुचि नहीं दिखाई है। पार्टी को अब भी यहां से चेहरे की तलाश है।

सचिन पायलट, टोंक : दो सांसदों को लेकर चल रहा मंथन

सचिन पायलट के कारण कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाने वाली टोंक सीट पर भाजपा को अभी कोई स्थानीय मजबूत नेता नजर नहीं आ रहा। भाजपा ने इस क्षेत्र से सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया से भी पायलट के सामने चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा की थी, लेकिन जौनापुरिया ने स्पष्ट मना कर दिया है। उन्होंने भास्कर को कहा कि वे विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक ही नहीं है।

महिलाओं को 10 हजार रुपये हर साल देगी कांग्रेस, 500 में सिलेंडर का भी किया वादा

जयपुर, अशोक गहलोत ने कहा, "हमारी सरकार आई तो 1 करोड़ 5 लाख परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर मिलेगा. परिवार की महिला मुखिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी." राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में वापस आने पर 1 करोड़ 5 लाख परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा. परिवार की महिला मुखिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी.

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की मौजूदगी में झुंझुनू के अरड़ावता में जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की. अशोक गहलोत ने कहा, "हमारी सरकार आई तो 1 करोड़ 5 लाख परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर मिलेगा. परिवार की महिला मुखिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी."

उन्होंने कहा, ₹गृहलक्ष्मी गारंटी

के रूप में परिवार की महिला मुखिया को सम्मान के रूप में किस्तों में 10,000 रुपये प्रति वर्ष मिलेंगे.₹ राजस्थान की 200 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा. वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी.

प्रियंका गांधी की सभा में बीजेपी से कई नेता कांग्रेस में शामिल हुए. राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा ने मंच पर पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ली. इसके अलावा किशनगढ़ से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके विकास चौधरी ने भी कांग्रेस पार्टी ज्वॉइन की. धौलपुर से विधायक शोभारानी कुशवाह ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली. राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट देने के बाद बीजेपी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था.

बेनीवाल बोले-गठबंधन नहीं तो 200 सीट पर उम्मीदवार उतारेगी पार्टी

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और किसानों की कर्ज माफी मुद्दे पर लड़ेंगे चुनाव

श्रीगंगानग, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो और नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी सत्ता संकल्प यात्रा में श्रीगंगानगर आए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रमुख दलों की सरकार बेहतर काम नहीं कर पा रही हैं। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ इलाकों में नहरों में गंदा पानी परेशानी बना हुआ है। ऐसे में आरएलपी तीसरा विकल्प हो सकती है।

बेनीवाल ने कहा कि वे भाजपा और कांग्रेस के अलावा अन्य पार्टियों से विकल्प की तैयारी कर

रहे हैं। अगर गठबंधन हो जाता है तो ठीक है, वरना पार्टी सभी 200 सीटों पर अपने दम पर उम्मीदवार उतारेगी।

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और किसानों की कर्ज माफी होंगे मुद्दे

प्रदेश में बदलाव लाने का विश्वास जताते हुए कहा कि पार्टी प्रदेश में बदलाव लाएगी। प्रदेश में बढ़ता भ्रष्टाचार, किसानों की कर्ज माफी और बेरोजगारी बड़े मुद्दे रहेंगे। वे ही संगरिया के लिए रवाना हुए। उनका श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में कार्यक्रम रहेगा।

उनके स्वागत के लिए आरएलपी के स्थानीय पदाधिकारी पूर्व पार्षद सलीम अली चोपदार, डॉ.बालकिशन पंवार, प्रिया मेघवाल सहित कई लोग पहुंचे। इससे पहले बेनीवाल का कोडा चौक पर स्वागत किया गया।

दहेज के लिए पत्नी से झगड़ा कर जलाया

पति और ससुराल वालों पर परेशान करने का आरोप, विवाहिता के हैं 4 बच्चे

पाली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। विवाहिता को दहेज के लिए परेशान करने और जलाने का मामला सामने आया है। महिला का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़िता का बयान लेकर मेडिकल करवाया है।

पाली के पुराना बस स्टैंड चारिणयों का बास निवासी तिलोक पुत्र मोहनलाल ने मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन हीरा की शादी सामाजिक रीति-रिवाज से करीब 25 साल पहले चारणिया बास निवासी सुखदेव से हुई थी।

शादी के बाद दोनों के 4 बच्चे है। आरोप है कि शादी के बाद से उसकी बहन को पति और ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए परेशान करते थे। 23 अक्टूबर को रिश्तेदार की सूचना पर बहन के घर पहुंचे तो वह जली हालत में मिली। उसे बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती करवाया, जहां इलाज जारी है।

पीड़िता का करवाया मेडिकल

विवाहिता ने अपनी बहन को बताया कि दहेज को लेकर पति से झगड़ा हुआ था। उसने केरोसीन ऊपर डालकर जान से मारने की कोशिश की। महिला थाना प्रभारी अनिता रानी ने बताया कि पीड़िता का बयान लिया गया है। मेडिकल भी करवाया गया है। जांच जारी है।

ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी

हादसे में युवक की मौके पर ही मौत, ड्राइवर को हिरासत में लिया

डीडवाना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हादसे में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान डीडवाना के गांव बगतपुरा निवासी नरपतसिंह के रूप में की गई है। आपको बता दें कि बाइक पर सवार दो लोग लाडनूं रोड़ से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ड्राइवर ने उनसे आगे का रास्ता पूछा,जिस पर बाइक सवार नरपतसिंह और उसके साथी ने ट्रक चालक को रास्ते की जानकारी दी। मगर कुछ ही देर बाद उसी ट्रक ने इन बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में नरपतसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को बांगड़ जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और ट्रक को भी जब्त कर लिया है।

गांजे के साथ पकड़ा गया नाबालिग

नाकाबंदी तोड़कर बाइक पर भाग रहा था, तलाशी में मिला नशा

चित्तौड़गढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाबालिग को गांजा के साथ डिटेन किया गया है। वह बाइक पर नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने शक होने पर तलाशी ली, जिसमें 60 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने नाबालिग की बाइक भी जब्त कर ली। मामला डूंगला थाना क्षेत्र का है। डूंगला थानाधिकारी देवेंद्र सिंह अपने पुलिस जाब्ता हेड कॉन्स्टेबल हरि सिंह कॉन्स्टेबल पप्पू लाल अनिल राज के साथ मिलकर बांसी-बोहेडा रोड पर नाकाबंदी कर रहे थे। इस दौरान एक बाइक सवार युवक को आते हुए देखा गया युवक नाकाबंदी को देखकर वापस भागने लगा। लेकिन पुलिस ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद युवक काफी घबरा गया था। इस दौरान मौके पर नायब तहसीलदार मदनलाल जटिया भी मौके पर पहुंच गए। शक होने पर युवक से उसका नाम पूछा गया। युवक 17 साल का नाबालिग निकला। तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक प्लास्टिक की थैली मिली। थैली में 60 ग्राम गांजा रखा हुआ था। पुलिस ने नाबालिग को डिटेन कर पूछताछ की लेकिन उसने कुछ भी नहीं बताया। बाल अपचारी से बाइक और गंज पुलिस ने जप्त कर लिया। बता दे कि नाबालिगों में नशे की प्रवत्ति बढ़ती जा रही है। चुनाव नजदीक होने के कारण तस्कर नाबालिगों से भी तस्करी करवाते है। ऐसे में पुलिस ज्यादा एक्टिव हो चुकी है।

श्री वीरभद्र स्वामी वारी विधि पल्लेम महोत्सव दिसंबर में, प्रचार सामग्री जारी

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री भद्र काली समता श्री वीरभद्र स्वामी आराध्य जनसेवा वाहिनी ट्रस्ट लोगों के कल्याण और स्वास्थ्य (लोक कल्याणार्धम) के लिए हमारे शहर में पहली बार श्री भद्र काली समता श्री वीरभद्र स्वामी वेदिपलेम महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष तादिकोंडा विजय कुमार ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता तनिकेला भरानी के साथ विवरण की घोषणा की। इस अवसर पर मुक्तेश्वर राव, डॉ. मुदिगोंडा शिवप्रसाद, वरिष्ठ पत्रकार वल्लेश्वर, प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता बंगरैया शर्मा, ट्रस्ट के सदस्य सुधाकर गुप्ता, कैलाश, शशिधर और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने इस महोत्सव का एक ब्रोशर जारी किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए विजय कुमार ने कहा कि 14 से 17 दिसंबर तक चार दिनों के लिए सिकंदराबाद जिमखाना मैदान में विधि पल्लेम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। चार शैव मंदिर श्री भद्रकाली का कल्याण महोत्सव मनाएंगे। 14, 15, 16 और 17 दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह से रात तक शिव नाम जपम, रुद्राभिषेक, चंडी होम, कुमकुम अर्चना, भजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, श्री तनिकेला भरणी गरु अतागादरा शिव गीत प्रस्तुत करेंगे, बमगरैया शर्मा, गरिका पति नरसिम्हा राव गरु वीरभद्र स्वामी और भगवान शिवपुराणम के बारे में व्याख्यान देंगे, पारंपरिक नृत्य पी, सिम्हाचला शास्त्री गरु द्वारा शिव कल्याणम हरिकथा और कई अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान एक दिन फिल्म गायक एसपी शैलजा और एसपी चरण के साथ एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बीआरएस ने कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता दासोजू श्रवण ने तेलंगाना में रायथु बंधु योजना के कार्यान्वयन को रोकने की मांग करने के लिए कांग्रेस नेता माणिकराव ठाकरे की आलोचना की। बुधवार को सोशल मीडिया पर श्रवण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर बेशर्मी से भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास शिकायत दर्ज करके रायथु बंधु योजना के कार्यान्वयन को रोकने की मांग करके अपने हृदयहीन, किसान विरोधी और गरीब विरोधी रुख का प्रदर्शन किया है।

बजरंग सेना टीम प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और बंडारू विजया द्वारा आयोजित अलाई बलाई कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में बंडारू हरि, के.राघव कुमार, नरेश, साई, संगीता, सुरेश, के.विजयलक्ष्मी और टीम के अन्य सदस्य शामिल हुए।

मारवाड़ मेवाड़ जैन परिषद की साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ मेवाड़ जैन परिषद हैदराबाद की साधारण सभा तेरापंथ भवन डी वी कालोनी सिकंदराबाद में अध्यक्ष भंवरलाल कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्व प्रथम अध्यक्ष भंवरलाल कोठारी ने आगंतुक सभी सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन किया, व सभी सदस्यों के उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में प्रदत्त सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके साथ ही आगामी कार्यकाल 2023-25 के लिए पारस मल गेलड़ा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपने आगामी कार्यकाल के लिए अपने सहयोगी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को मनोनीत किया। इसमें परामर्शदाताओं में बालचंद संचेती, अमोलक चंद गांधी, रतन लाल सांखला, अमृत कुमार जैन, संपत राज भंडारी, उगमराज सुराणा, केवलचंद लुणावत, भंवरलाल बंबोली, सुरेश चंद संचेती, अध्यक्ष पारस मल गेलड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष भंवर लाल कोठारी, उपाध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी, हिमांशु बापणा, प्रकाश कोठारी, अनिल कातरेला, अशोक मेड़तवाल, मंत्री विजय आंचलिया, सहमंत्री कीर्ति दुगड़, सुरेश सुराणा, मुकेश गांधी, राजेश आंचलिया, कोषाध्यक्ष अशोक संचेती, सह-कोषाध्यक्ष दीपक संचेती, संगठन मंत्री निर्मल कोठारी, राकेश सुराणा, प्रचार-प्रसार मंत्री अशोक बंबोली, हुक्मीचंद कोचेटा, सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री कमल आछा, कार्यकारिणी सदस्य गण सुभाष पीरोदिया, विनोद संचेती, महेन्द्र सुराणा, माणक चंद रांका, सुनील नाहर, महावीर भटेवरा, अमृत पोरवाल, राजु दक, संजय संचेती, श्रीरतन सुराणा, राकेश सांखला, कनक मल बंबोली, संजय पोकरणा, प्रमोद बंबोली, विनोद संकलेचा, धर्मेन्द्र चोरड़िया, ललित सकलेचा, मुकेश गेलड़ा शामिल हैं।

केबीआर पार्क में गणेश मूर्ति की पूजा-अर्चना करते हुए गोपाल बल्देवा, शंकरलाल अग्रवाल, संजय संघी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मनसरसम अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, विट्ठलदास बड्डु गांव वाले व अन्य।

श्री पांडुरंग भजन मंडली, मराठा भजन मंडल, जनता नगर, मूसापेट द्वारा आयोजित नित्य नियम भजन अखंड हरिनाम सप्ताह में पधारे एकनाथ महाराज हर्षदकर का स्वागत करते हुए दिलीप जाधव, नंदा जाधव, किशन राव, उमाकांत पोल, गुंडेराव व अन्य।

रावण दहन के साथ 51वें रामायण मेला हर्षोल्लास से संपन्न

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एक्सिबिशन सोसाइटी द्वारा आयोजित 51वां रामयण मेला नुमाईश मैदान में कमलनारायण अग्रवाल के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविन्द नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 51वां रामायण मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि हरियाण के राज्यपाल बन्डारू दत्तात्रय एवं गोशामहल विधायक राजासिंह द्वारा भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया गया। घंटों तक छोड़ी आतिशबाजी के मध्य रावण, मेघनाथ एवं कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया। रामायण मेले के संयोजक नंदगोपाल भट्टड ने जैसे ही रावन दहन की घोषणा की, प्रदर्शनी मैदान गगनभेदी जयकार से गूंज उठा। मुख्य अतिथि बंडारू दत्तात्रेय ने राजस्थानी प्रगति समाज की सराहना की और कहा कि 51 वर्ष से यह कार्यक्रम लगातार हो रहा है। यह अपने आपमें एक विशाल कार्य है और आगे कहा कि हमें श्री राम जी से सिख लेनी चाहिए। गोशामहल विधायक टी. राजासिंह ने राजस्थानी प्रगति समाज की प्रशंसा की और कहा कि 51 वर्ष से यह कार्यक्रम लगातार चलने हर्ष व गौरव की बात है।

राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री गोविन्द राठी ने बंडारू दातात्रेय तथा राजासिंह का साफा तथा शाल पहनाकर स्वागत किया। गोविन्द राठी ने एक्सिबिशन सोसाईटी के उपाध्यक्ष सत्येन्दर, मंत्री हनुमन्तराव, सहयमंत्री चंदीजित सिंह, डॉ. गंगावर राव का शाल पहनाकर स्वागत किया। संयोजक सुमीत राठी, मनोज जयसवाल, गिरिधारी लाल डागा ने डॉ. टीएन वंशातिक, एन. विनय कुमार, बी. सुरेन्द रेड्डी, लक्ष्मीनिवास शर्मा, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता, एस.वी. काबरा, हरिनारायण राठी, कैलाश, देवेन्द्र कीमती, जिग्नेश दोशी, किरण तायल, वेदप्रकाश अग्रवाल, एके वाजपेयी, अविनाश देवड़ा, पवन गुरु, हरिकिशन ओझा, शंकर यादव, जगदीश प्रसाद मायछ, गोपाल दायमा, हरिनारायण व्यास, बेगम बाजार एसएचओ शेखर, सुकेश रेड्डी आदि का सम्मान किया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। अंत में श्री राठी ने इस भव्य आयोजन के लिए सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों व लोगों को धन्यवाद दिया।

कड़ी सुरक्षा के बीच शोभायात्रा में विधायक विट्ठल रेड्डी ने विशेष पूजा की

निर्मल, 25 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। देवी नवरात्रि महोत्सव भक्तिमय हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बुधवार को शहर के संबंधित इलाकों में मां दुर्गा का विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक जी. विट्ठल रेड्डी और भाजपा प्रत्याशी पवार रामा राव पटेल ने भवानी चौक और पुराना बाजार में सार्वजनिक दुर्गा देवी की विशेष पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा की शुरुआत की। भक्तों के साथ नृत्य किया। जुलूस के दौरान युवाओं ने डीजे की थाप पर नृत्य कर मनोरंजन किया। कुछ भक्तों ने पारंपरिक भजन प्रस्तुत किये। महिलाएं भिड़ गईं। भवानीमाता के सामने पोताराजू की कलाबाजी आकर्षण रही। आप को बतादे शोभायात्रा सुबह 10 बजे प्रारंभ की गई और विसर्जन 4 बजे से शुरू जो रात जारी रहा।

देवी दुर्गा की शोभा यात्रा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एसपी चल्ला प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा की व्यवस्था की गयी थी। स्थानीय एएसपी कांतिलाल पाटिल व एक अन्य एएसपी और तीन डीएससी के साथ व्यवस्था की निगरानी की। तैनाती में 15 सीआई, 27 एसएसआई, 400 से अधिक पुलिसकर्मी और विशेष सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। संवेदनशील इलाकों पर सीसीटीवी कैमरों से कड़ी निगरानी रखी गई।

प्रवासी व्यापारियों की आत्मीय सभा आयोजित

मंत्री तलसानी श्रीनिवास को दी अपनी समस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट में सनतनगर विधानसभा क्षेत्र प्रवासी व्यापारियों व समाज बन्धुओं द्वारा आत्मीय सभा का आयोजन कर पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव व पूर्व पार्षद शेशु कुमारी को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। बी.आर.एस. युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित व उत्तमसिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रवासी व्यापारियों व समाज बन्धुओं द्वारा चाय पर चर्चा आत्मीय सभा का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव व पूर्व पार्षद शेशु कुमारी उपस्थित रहे, जिनका प्रवासी बन्धुओं द्वारा विशेष सम्मानकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। संबोधन भाषण में मंत्री ने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में किये गये विकास शील कार्यों मे बिजली, पानी, सडक का विस्तार, फुट-पाथ की व्यवस्था, साफ-सफाई, ड्रैनेज सिस्टम, गरीबो को आवास सुविधा, सभी की सुरक्षा नेकलस रोड़ का सौन्दर्यकरण, येलम्मा पोचम्मा मंदिर का नवीनीकरण एवं सरकार द्वारा जारी विकास शील योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के व्यापारियों व प्रवासी बन्धुओं के हितों की रक्षा के लिए उन्होंने हमेशा कार्य किया है। आप सभी के सहयोग से ही मुझे मंत्री बनने का सौभाग्य मिला। अगर क्षेत्र में कोई समस्या है तो आप सभी का आशीर्वाद, सहयोग मुझे मिलेगा तभी आने वाले वक्त में यह संभव हो सकेगा। पूर्व पार्षद शेशु कुमारी ने सभी से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में 36 कोम, जैन, अग्रवाल, महेश्वरी, गुजराती, मराठी, राजपुरोहित, सौरवी समाज के बहुत से व्यापारी व समाज बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, उत्तमसिंह राजपुरोहित, चेनसिंह राजपुरोहित, पुरुषोत्तम मान्धणा, सुरेश काकाणी, पवन लोहिया, वासुदेव काबरा, श्रीकान्त भक्कड़, आनन्द सोनी, लड्डु चाण्डक, हंसराज कोठारी, सज्जन कोठारी, राजकुमार, सुरेश दुगड़, सुरेश जगनानी, संजय पंसारी, मनोज मित्तल, रमेश अग्रवाल, जनार्दन सुरेखा, राजेन्द्र महेश्वरी, कांतिलाल पटेल,मोहन पटेल, भरत पटेल, रसिकलाल पटेल, अशोक सिंह राजपुरोहित, हुकमसिंह, अशोक सिंह ढालोप, श्रवणसिंह, देवेन्द्रसिंह, विजयसिंह, गणपतसिंह, श्यामसिंह, महावीर सिंह, सुरेन्द्र, मनोहरसिंह राजपुरोहित, शैलेन्द्र बाबेल, भुराराम चौधरी, मगराज चौधरी, पोकरराम चौधरी, ताराराम चौधरी, गुनाराम चौधरी, सी.ए.विकास चौधरी, किशोर रावल, प्रशान्त चव्हाण, महेश जाधव, दादोस कोडेक, अन्कुश, डॉ.शिवाजी, नीरज माथुर, हनुमतराव, सन्तोष, सरदार सुमित सिंह व बहुत से समाज बन्धु व व्यापारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित व उत्तमसिंह राजपुरोहित ने संयुक्तरुप से किया।

वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को 309 रन से हराया, मैक्सवेल के नाम सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।ऑस्ट्रेलिया ने वनडे वर्ल्ड कप में बुधवार को नीदरलैंड पर 309 रन से जीत दर्ज की। यह वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी टीम की रन के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 257 रन का था। ऑस्ट्रेलिया ने ही 2015 में पर्थ में अफगानिस्तान को इस अंतर से हराया था।

ग्लेन मैक्सवेल (44 गेंद पर 106 रन) वर्ल्ड कप में सबसे तेज शतक जमाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 40 गेंदों पर शतक जमाया। उनके अलावा डेविड वार्नर (93 गेंद पर 104 रन) ने भी सेंचुरी जमाई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हिए 50 ओवर में 9 विकेट पर 399 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 20.5 ओवर में 90 रन के स्कोर पर सिमट गई।

दुर्गा पूजा समिति हेमा नगर द्वारा विभिन्न परीक्षाओं में सफल प्रदर्शन करने पर बिहार की बेटियों भावना झा, मीनाक्षी कुमारी का सम्मान किया गया। उपस्थित हैं रवींद्र कुमार झा, दिलीप कुमार यादव, पंकज झा व अन्य।

आईआईआईटी-हैदराबाद ने ऑनलाइन पीजी कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी 25वीं वर्षगांठ समारोह को चिह्नित करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) हैदराबाद ने एआई और एमएल डोमेन में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान में एक ऑनलाइन मास्टर्स प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की। टैलेंटस्प्रिंट के सहयोग से पेश किया गया यह कार्यक्रम एक इंटरैक्टिव वर्चुअल लर्निंग प्लेटफॉर्म का लाभ उठाता है, जो कम से कम एक वर्ष के उद्योग अनुभव के साथ शुरुआती कैरियर पेशेवरों को प्रदान करता है, एक सहज और समृद्ध ई-लर्निंग अनुभव प्रदान करता है। दो साल के ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रवेश गेट स्कोर के बिना सुरक्षित किया जा सकता है और यह कार्यक्रम कामकाजी पेशेवरों के कार्यक्रम को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह आईआईआईटी-हैदराबाद के संकाय और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा तैयार एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। छात्रों को प्रशिक्षकों के साथ लाइव, इंटरैक्टिव सत्रों में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें वास्तविक समय में संदेहों का स्पष्टीकरण मिल सकेगा।

प्रदर्शनी मैदान में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिलकर उन्हें दशहरे की शुभकमनाएं देते हुए कांग्रेस नेता एनके सिंह।

बिहार सहयोग समिति ने धूमधाम से मनायी 40वीं दुर्गा पूजा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, हैदराबाद द्वारा 40वां दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रम, डांडिया नृत्य, भथकम्मा पूजन, भजन आरती, महाप्रसाद का प्रतिदिन नियमित रूप से आयोजित किया गया। तेलंगाना संस्कृति और बिहार के संस्कृति को एक समन्वय रूप दिया गया। इस संस्था के पदाधिकारी एवं प्रभारी सदैव प्रशंसा के पात्र हैं जिन्होंने अपनी भक्ति, आस्था से इस महोत्सव को सफल बनाया। इस मौके पर मल्काजगिरी विधायक प्रत्याशी मैरी राजशेखर रेड्डी, गौतम नगर पार्षद रामु यादव, वरिष्ठ नेता एएन नायडू और भारी मात्रा में कार्यकर्ता ने मंदिर में आकर पूजा की।

फिर मल्काजगिरी के एमएलए एम. हनुमंत राव, कुमरया, रामचंद्र यादव नागराज एवं सभी कार्यकर्ताओं ने आकर मां दूर्गा की पूजा की। इस मौके पर अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष सागर भगत, जयंत यादव, बिजेंद्र गुप्ता, महासचिव मनोज यादव, राजनारायन सिंह, कोषाध्यक्ष आंनद गुप्ता, पंकज यादव, हरीश यादव, सुनील भगत, दिपक यादव, सुनील ठाकुर, ललन मिश्रा, सतीश यादव, मनोज भगत,जय प्रकाश भगत, राजेश यादव, दिनेश यादव, बिकास,निरज, आकाश, सुरज, गुलशन, मैन्क, बिनोद गुप्ता, राहुल, एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ताओं ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

केंद्रीय कर्मी चूके...

अगर सबसे कम कीमत वाली टिकट उपलब्ध नहीं हो तो ये कंपनियां उससे 10 प्रतिशत अधिक किराए वाली टिकटों की सूची प्रदर्शित करेंगी।

तय स्लॉट में बुकिंग है तो स्क्रीन शॉट की जरूरत नहीं

इससे पहले भी कर्मियों को एलटीसी की टिकट का क्लेम लेने के लिए बुकिंग का स्क्रीन शॉट लेकर क्लेम फार्म के उसकी प्रति जमा करानी पड़ती थी। अगर फाइल में टिकट बुक कराने का स्क्रीन शॉट नहीं होता तो संबंधित कर्मी के बिल मंजूर होने में दिक्कतें आती थीं।

एनसीईआरटी की किताबों...

इंडिया नाम आमतौर पर ईस्ट इंडिया कंपनी और 1757 के प्लासी के युद्ध के बाद इस्तेमाल होना शुरू हुआ। ऐसे में देश के लिए भारत नाम का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आईजैक ने एनसीईआरटी के सिलेबस में क्लासिकल हिस्ट्री शामिल करने के पीछे तर्क दिया- अंग्रेजों ने भारतीय इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक में बांट दिया। प्राचीन इतिहास बताता है कि देश अंधेरे में था, उसमें वैज्ञानिक जागरूकता नहीं थी। हमारा सुझाव है कि बच्चों को मध्यकाल और आधुनिक इतिहास के साथ-साथ क्लासिकल हिस्ट्री भी पढ़ाई जानी चाहिए।

सत्यपाल मलिक से राहुल...

अगर इसी विचारधारा पर देश चलेगा, तभी चल पाएगा, नहीं तो टुकड़े हो जाएगा। हमें मिल-जुल कर बिना लड़ाई-झगड़े के रहना होगा।

उन्होंने आगे कहा, मेरी राय है कि अपने लोगों में (महात्मा) गांधी और का कांग्रेस का दृष्टिकोण प्रसारित हो। लोगों को पता चले कि उनसे कितना अलग हैं। भारत में कोई भी व्यक्ति राजनीति में सक्रि है, वह अपने तक सक्रिय है, वह देश के बारे में नहीं सोचता। देश के बारे में राय नहीं बनाता। उसको प्रसारित नहीं करता। मलिक ने कहा, एक अच्छी बात यह है कि लोगों ने टीवी देखना बंद कर दिया है। हमारे पास अब सोशल मीडिया है। लेकिन ये लोग उस पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे यूट्यूब को अकाउंट को दबा रखा है।

इस दौरान राहुल गांधी कहते हैं, जब भी सरकार पर कोई दबाव आता है, ये कुछ न कुछ (नया मुद्दा) निकाल देते हैं। जब मैंने (कारोबारी) गौतम अदाणी पर चर्चा की, तो पहले टीवी बंद कर दी, फिर मुझे संसद से निकाल दिया। फिर विशेष सत्र की बात हुई, उसमें भारत और इंडिया पर चर्चा की बात हुई है। आखिर में ये लोग महिला आरक्षण विधेयक लाए। वह भी अभी नहीं, दस साल बाद आएगा। चाहे पुलवामा हो, महिलाओं का मुद्दा हो, इनके पास चर्चा को भटकाने का अच्छा तरीका है।

सत्यपाल मलिक ने कहा, ये किसी भी चीज को इवेंट बना देते हैं। फिर अपने पक्ष में लाभ उठाते हैं। महिला आरक्षण विधेयक का भी यही किया।

टीम इंडिया टॉप पर, लेकिन रन रेट का टेंशन

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के प्वाइंट्स टेबल में नंबर एक पर पहुंच गई है। लेकिन भारतीय टीम के लिए आगे की राह बहुत ज्यादा आसान नहीं रहने वाली।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 प्वाइंट्स टेबल में टीम इंडिया फिर से नंबर एक की कुर्सी पर काबिज हो गई है। अभी तक न्यूजीलैंड टॉप पर थी। यानी मुकाबला नंबर वन और 2 के बीच हुआ, जिसमें भारतीय टीम ने बाजी मार ली है। अभी तक खेले गए पांच के पांच मैच भारतीय टीम जीत चुकी है और इस बात की पूरी संभावना है कि सेमीफाइनल तक का रास्ता तो तय हो जाएगा। लेकिन अब सवाल ये है कि अगर टीम इंडिया नंबर एक पर चल रही है तो फिर टेंशन किस बात की है। तो चलिए इस पर विस्तार से बात करते हैं।

टीम इंडिया का नेट रन रेट न्यूजीलैंड से कम

वनडे विश्व कप 2023 के प्वाइंट्स टेबल पर नजर डालें तो पांच के पांच मैच जीतकर भारतीय टीम नंबर एक पर पहुंच गई है। वहीं पांच में से चार मैच जीतने के बाद न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है। लेकिन टीम इंडिया का नेट रन रेट न्यूजीलैंड से कम है। भारतीय टीम का नेट रन रेट इस वक्त +1.353 है, वहीं न्यूजीलैंड की बात की जाए तो उसका नेट रन रेट +1.481 है। भारत के दस और न्यूजीलैंड के आठ अंक हैं। यही कारण है कि भारतीय टीम नंबर वन और न्यूजीलैंड नंबर दो पर है। इसके बाद साउथ अफ्रीका है, जिसने चार में से अपने तीन मैच जीते हैं और एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया

नंबर चार पर है और उसके पास चार में से दो जीत और दो हार हैं।

दो टीमों के समान अंक होने पर फंसेगा नेट रन रेट का मामला

अब दिक्कत की बात ये है कि पहले तो भारतीय टीम का नेट रन रेट न्यूजीलैंड से कम है। सभी जानते हैं कि जब लीग चरण का समापन होगा, तब जो चार टीमें टॉप पर रहेंगी, वे सेमीफाइनल में जाएंगी और बाकी 6 टीमों का ये विश्व कप खत्म हो जाएगा। इसके बाद नंबर एक टीम का मुकाबला चार से होगा, वहीं नंबर दो की टीम का मैच तीन नंबर की टीम से होगा। अगर दो टीमों के अंक बराबर रहते हैं तो फिर नेट रन रेट के आधार पर ही तय होगा कि कौन सी टीम आगे है और कौन सी पीछे। ऐसे में हर टीम की कोशिश यही होती है कि वो नंबर एक पर फिनिश करे, ताकि उसे चौथे नंबर की टीम से मुकाबला करना पड़े। ऐसे में भारतीय टीम के लिए ये जरूरी है कि उस न केवल अपने अंक बढ़ने हैं, बल्कि नेट रन रेट पर भी एक नजर रखनी होगी, ताकि आगे चलकर कोई दिक्कत न आए।

साउथ अफ्रीका की जीत से न्यूजीलैंड को हुआ नुकसान

पॉइंट टेबल में पहुंची तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका का वनडे वर्ल्ड कप में लगातार शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी अफ्रीका ने 149 रनों से जीत हासिल करने के साथ प्वाइंट्स टेबल में अपनी स्थिति को और भी मजबूत कर लिया है।

साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम

वनडे वर्ल्ड कप 2023 की पॉइंट टेबल में टॉप-3 की जंग इस समय काफी रोमांचक देखने को मिल रही है। साउथ अफ्रीका की टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 149 रनों से जीत हासिल की। अफ्रीकी टीम ने इस जीत के साथ प्वाइंट्स टेबल में न्यूजीलैंड को दूसरे स्थान से हटाते हुए आठ अंकों के साथ काबिज हो गई है। अफ्रीका ने अब तक 5 मैच

मेगा इवेंट में खेले हैं जिसमें से उन्होंने सिर्फ नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच में हार का सामना किया। वहीं पिछले मैचों को उन्होंने बड़े अंतर से जीतने के साथ अब अपना नेट रनरेट भी काफी बेहतर कर लिया है, जो 2.370 का है।

भारत पहले स्थान पर बरकरार, न्यूजीलैंड पहुंचा तीसरे पर

भारतीय टीम का अब तक वर्ल्ड कप में एकतरफा प्रदर्शन देखने को मिला है और उन्होंने अपने सभी पांच मैचों में जीत हासिल करते हुए 10 अंकों के साथ Points Table में पहले स्थान पर कब्जा बरकरार रखा हुआ है। टीम इंडिया का नेट रनरेट अभी 1.353 का है। वहीं प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर अब न्यूजीलैंड की टीम 8 अंकों के साथ आ गई है और उनका नेट रनरेट 1.481 का है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उनका नेट रनरेट -0.193 का है।

बांग्लादेश की हार से इंग्लैंड पहुंचा नौवें स्थान पर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद बांग्लादेश की टीम अब पॉइंट टेबल में 2 अंकों के साथ आखिरी पायदान पर पहुंच गया है। वहीं इंग्लैंड की टीम 2 अंकों के साथ नौवें स्थान पर आ गई है जिसमें उनका नेट रनरेट -1.248 का है। इसके अलावा पाकिस्तान अभी 4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है जबकि इतने ही अंकों के साथ अफगानिस्तान की टीम छठे नंबर पर पहुंच गई है। नीदरलैंड्स और श्रीलंका की टीम 2-2 अंकों के साथ सातवें और आठवें नंबर पर हैं।

पैरा एशियाई खेलः पति मनीष-पत्नी प्राची ने एक ही दिन जीते पदक, दूसरे दिन भारत को चार स्वर्ण सहित 18 पदक

हांगझोऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस प्रतियोगिता में देश के लिए पदक जीतने वाले सभी पैरा खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य पदक जीते।

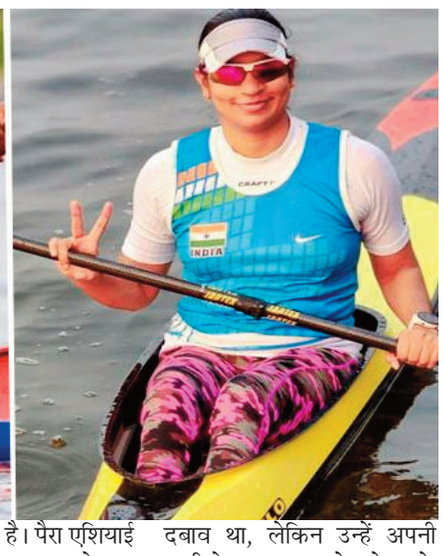

पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और 8 कांस्य पदक जीते। दिन का आकर्षण पति-पत्नी मनीष कौरव-प्राची यादव और लगातार दूसरे एशियाड में स्वर्ण जीतने वाले नीरज यादव रहे। भोपाल में ट्रेनिंग करने वाली ग्वालियर की प्राची कनोइंग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बनी। वह केएल-2 कैटेगरी में जीतीं तो उनके पति मनीष कौरव ने कनोइंग में ही केएल-3 कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। वहीं जकार्ता पैरा एशियाड में स्वर्ण जीतने वाले नीरज यादव ने लगातार दूसरे पैरा एशियाड में एशियाई रिकॉर्ड के साथ डिस्कस थ्रो की एफ-54, 55, 56 कैटेगरी में स्वर्ण जीता। दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी-20 में और एमएस शरत ने पुरुषों की 5000 मीटर टी-13 कैटेगरी में देश को स्वर्ण पदक दिलाए। भारत को अब तक 10 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य समेत कुल 35 पदक मिल चुके हैं। पदक तालिका में उसका चौथा स्थान है।

इस प्रतियोगिता में देश के लिए पदक जीतने वाले सभी पैरा खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य पदक जीते।

पति से बोलीं प्राची यहां से खाली हाथ नहीं जाएंगे

हम दोनों यहां से खाली हाथ नहीं जाएंगे। प्राची ने हांगझोऊ में पहुंचने के बाद अपने पति मनीष से यही बात कही। प्राची सोमवार को रजत जीत गई। मनीष पर दबाव था, लेकिन उन्हें अपनी पत्नी के शब्द याद रहे, जो उनके पदक जीतने के लिए प्रेरणा बने। मनीष ने जहां कांस्य जीता तो प्राची स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। प्राची बताती हैं कि वे और मनीष एमपी वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, भोपाल में मिले थे और दोनों ने तीन वर्ष पहले शादी की है, लेकिन दोनों का एक साथ पदक जीतना उनकी जिंदगी की सबसे सुखद उपलब्धि है।

पहले चलना बंद हुआ, फिर पिता को खोया अब पैरा एशियाड में दोहरा स्वर्ण

जावली (गाजियाबाद) के रहने वाले नीरज सात साल के थे जब न्यूरॉजिकल समस्या के चलते उनके शरीर के निचले हिस्से ने एकदम से काम करना बंद कर दिया। 2011 में उनके पिता का देहांत हो गया। नीरज ने इस दौरान व्हील चेयर टेनिस खेलना शुरू किया। वह देश के पहले पैरा व्हील चेयर टेनिस राष्ट्रीय चैंपियन बनें, लेकिन उपेक्षा के चलते उन्होंने यह खेल छोड़ एथलेटिक्स को अपना लिया। वह डिस्कस, शॉटपुट करने लगे। जकार्ता पैरा एशियाड में उन्होंने स्वर्ण जीता और 38.56 की थ्रो लगाकर गेम्स और एशियाई रिकॉर्ड के साथ फिर स्वर्ण जीता। नीरज कहते हैं कि उनका लगातार दूसरे एशियाड में जीतने का सपना था, जो पूरा हो गया है। नीरज की इस कैटेगरी में टोक्यो पैरालंपिक के पदक विजेता योगेश कथूनिया ने रजत और मुत्थु राजा ने कांस्य जीता।

सुमित अंतिल ने तोड़ा जैवलिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड, भारत को दिलाया गोल्ड

हांगझोऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियन पैरा गेम्स में भी भारत का दबदवा जारी है। सुमित अंतिल ने जेवलिन थ्रो में भारत को गोल्ड जीता दिया है।

एशियाई पैरा खेल में भारत का दबदवा जारी है। भारत के दिग्गज एथलीट सुमित अंतिल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीत लिया है। सुमित अंतिल और पुष्पेंद्र सिंह ने चौथे एशियन पैरा गेम्स के तीसरे दिन पुरुष जैवलिन थ्रो- एफ 64 के फाइनल में बेहतरीन शानदार प्रदर्शन किया और गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सुमित अंतिल ने 73.29 मीटर के थ्रो के साथ एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

तीसरे स्थान पर भी रहा भारतीय

सुमित अंतिल ने दिन के अपने तीसरे प्रयास में इस मार्क पर पहुंचने में कामयाब रहे। जेवलिन थ्रो में दूसरे स्थान पर श्रीलंका के अरचचिगे समित रहे, उन्होंने ने 62.42 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता। वहीं, पुष्पेंद्र सिंह ने 62.06 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे, उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस तरह भारत ने एशियन पैरा गेम्स में अभी तक कुल 36 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 10 गोल्ड, 12 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है।

पहला दिन मिले थे 17 मेडल

एशियन पैरा खेल में सबसे अधिक मेडल जीतने की सूची में भारत पांचवें स्थान पर विराजमान है। भारत ने एशियन पैरा गेम्स की शुरुआत काफी शानदार रूप में किया था। भारत ने पहले ही दिन 6 गोल्ड, 6 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज सहित कुल 17 मेडल अपने नाम कर लिया था। ऐसे में फैंस को उम्मीद होगी कि एथलीट फिर से पहले दिन के फॉर्म में दिखेंगे और भारत को इस सीजन अधिक से अधिक मेडल दिलाएंगे।

मेडल का लगाएंगे शतक

एशियन पैरा खेल में इस सीजन भारत के कुल 303 एथलीट्स ने हिस्सा लिया है। इनमें 191 पुरुष और 113 महिला एथलीट शामिल है। भारत द्वारा भेजे गए यह सबसे बड़ा दल है। इससे पहले भारत ने साल 2018 में 190 एथलीट दल को एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेने के लिए भेजा था। इस साल भारत ने कुल 72 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें 15 गोल्ड शामिल थे। ऐसे में इस सीजन भारत ने जिस अंदाज में शुरुआत की है, इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत का प्रदर्शन इस साल शानदार रहने वाला है।

बीसीसीआई ने बताया हार्दिक पांड्या किस मैच में करेंगे वापसी

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हार्दिक पांड्या पर बीसीसीआई ने बड़ा अपडेट दे दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हुए हार्दिक पांड्या की वापसी को लेकर बीसीसीआई ने यह अपडेट दिया है। भारत इस विश्व कप का अगला मुकाबला 29 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ खेलने वाला है। इस मैच को लेकर फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पांड्या इंग्लैंड के खिलाफ मैच में वापसी करेंगे या फिर नहीं। बीसीसीआई ने इसको लेकर सटीक जवाब दे दिया है कि पांड्या किस मैच में वापसी कर सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ बाहर रहेगा दिग्गज

बीसीसीआई ने हार्दिक पांड्या पर अपडेट देते हुए कहा कि पांड्या को अभी रेस्ट करने की सलाह दी गई है। ऐसे में दिग्गज ऑलराउंडर इंग्लैंड के खिलाफ भी वापसी नहीं कर सकेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि हार्दिक पांड्या अगले दो मुकाबले में वापसी नहीं कर पाएंगे। भारत इंग्लैंड के बाद अगला मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाला है। भारतीय टीम 2 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ दो-दो हाथ करती दिखेगी। लेकिन अफसोस है कि हार्दिक का जलवा इस मैच में भी देखने को नहीं मिलेगा।

बीसीसीआई ने हार्दिक पांड्या की वापसी पर कहा कि दिग्गज ऑलराउंडर साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकेंगे। भारत बनाम साउथ अफ्रीका के बीच 5 नवंबर को मैच खेला जाएगा। ऐसे में दिग्गज ऑलराउंडर 5 नवंबर को मैदान पर खेलते दिखेंगे। भारत को दो और मुकाबले बिना हार्दिक पांड्या के बिना ही खेलना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ भी भारत बिना हार्दिक पांड्या के उतरा था। ऐसे में चेज के दौरान पांड्या की कमी काफी खल रही थी क्योंकि जडेजा के अलावा कोई भी ऑलराउंडर टीम में नहीं है। ऐसे में पांड्या का टीम में नहीं होना भारतीय टीम के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

स्टोक्स ने ईसीबी के साथ सालभर का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया

लंडन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने प्लेयर्स के साथ मल्टी ईयर कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी की। इसमें इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने आश्चर्यजनक रूप से सिर्फ एक साल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया हैं।

ईसीबी पहले सालभर के कॉन्ट्रैक्ट ही साइन कराता था, लेकिन दुनियाभर में प्रोफेशनल लीग के चलते कई खिलाड़ियों ने ईसीबी से अनुबंध तोड़ दिए हैं। इसलिए इस बार ईसीबी ने 3 साल तक के कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं।

इंग्लैंड के 41 साल के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भी ईसीबी के साथ 1 साल का अनुबंध किया है। जबकि, वर्ल्ड कप स्क्वाड में शामिल डेविड विली को कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला। हैरी ब्रूक, जो रूट और मार्क वुड ने तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया हैं। लेकिन टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने सिर्फ 1 साल का अनुबंध किया। स्टोक्स पिछले 9 साल से ईसीबी कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा हैं। पिछले हफ्ते स्टोक्स ने बदलते क्रिकेट पर बोला था कि, मैं इंग्लैंड के लिए ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेलना चाहता हूं। चाहे वह टेस्ट हो, वनडे हो या टी-20 क्रिकेट। मुझे इंग्लैंड से प्यार है। पिछले महीने स्टोक्स ने कहा था कि, पैसे कमाने के लिए क्रिकेट बोर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने में कोई बुराई नहीं हैं।

ब्रूक, रूट और वुड तीन खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीन साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया हैं। अगस्त में वुड ने ILT20 में दुबई कैपिटल्स के साथ भी एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इंग्लैंड के साथ कॉन्ट्रैक्ट में वुड ने यह बात साझा की और कहा कि वह इंग्लैंड के भारत के आगामी टेस्ट दौरे को छोड़ने पर विचार कर सकते हैं।

अफगानिस्तान की जीत पर गंभीर को आई कोहली की याद

नवीन-उल-हक से बातचीत में की विराट की प्रशंसा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने अफगानिस्तान की जीत पर विराट कोहली का नवीन उल हक को गले लगाने का जिक्र किया है।

अफगानिस्तान ने विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर सभी को चौंका दिया है। इस जीत के बाद अफगानिस्तान की दुनियाभर में तारीफ हो रही है। जीत के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक से बात करते हुए भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को याद किया है। गंभीर ने नवीन उल से स्पेशल बातचीत करते हुए आईपीएल में कोहली और नवीन उल के बीच हुए झगड़े के बाद विश्व कप मुकाबले में दोनों के एक दूसरे को गले लगाने पर बयान दिया है। बता दें कि दिल्ली में खेले जा रहे भारत बनाम अफगानिस्तान मैच के दौरान जब कोहली बल्लेबाजी करने आए, तो दूसरी ओर गेंदबाजी के लिए अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक पहुंचे। इस दौरान आईपीएल के झगड़े को भुलाते हुए दोनों ने एक दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया। इसके साथ ही महीनों से चल रहा झगड़ा शांत हो गया। गौतम गंभीर ने नवीन उल हक से बातचीत करते हुए इस घटना का जिक्र किया है। गंभीर ने नवीन उल से बात करते हुए कहा कि कोहली और नवीन उल हक ने जिस कदर गले लगाकर झगड़े को भुलाया यह एक महान इशारा है।

गौतम गंभीर ने कोहली के अंदाज को काफी पसंद किया। इसको लेकर उन्होंने कोहली की जमकर तारीफ भी की और कहा कि मुझे उम्मीद है कि यहां से आने वाले मैचों में लोगों को विराट के इशारे की याद दिलाई जाएगी, क्योंकि हर पेशेवर क्रिकेटर देश के लिए खेलता है। आईपीएल में खेलने से लेकर इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है। बता दें कि गंभीर ने इसका जिक्र स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में किया है। बता दें कि जब नवीन उल हक और कोहली के बीच आईपीएल के दौरान झगड़ा हुआ था, तब गौतम गंभीर भी बीच बचाव के लिए आए थे, इस दौरान उन दोनों के बीच भी कुछ कहासुनी हुई थी।

टीम के सपोर्टिंग स्टाफ के साथ ट्रैकिंग पर गए द्रविड़

अफगानिस्तान से हार के बाद रो पड़े थे बाबर

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत रविवार (22 अक्टूबर) को धर्मशाला में न्यूजीलैंड को हराकर इस वर्ल्ड कप में लगातार 5वीं जीत हासिल किया। इस मैच के बाद टीम इंडिया को दो दिन का ब्रेक दिया गया था और टीम धर्मशाला में ही रुकी थी। दो दिन की छुट्टियों में सभी ने जमकर मस्ती की। हेड कोच राहुल द्रविड़ समेत पूरा सपोर्टिंग स्टाफ ट्रैकिंग पर गया।

द्रविड़ के साथ बैटिंग कोच विक्रम राठौर भी थे और वो दूसरे स्टाफ के साथ मैकलॉडगंज के ऊपर त्रियुंड घूमने गए। बता दें त्रियुंड पहुंचने के लिए लगभग 10 किमी. पैदल चलना पड़ता है और द्रविड़ ने इसका जमकर मजा उठाय।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने टीवी शो पर दावा किया है कि अफगानिस्तान से 8 विकेट से हारने के बाद टीम के कप्तान बाबर आजम रो पड़े थे। उन्होंने पाकिस्तानी टीवी शो पर कहा, 'मैंने कल रात अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद बाबर आजम को रोते हुए सुना। इसमें बाबर की गलती नहीं है, इसमें पूरी टीम और मैनेजमेंट शामिल है। इस कठिन समय में हम बाबर आजम के साथ हैं और पूरा देश उनके साथ है।'

इंग्लैंड के खिलाफ मैच में चोटिल हार्दिक पंड्या के खेलने पर संशय बरकरार है। हालांकि, अभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

क्रिकेट की बेवसाइट क्रिकेटनेक्स्ट ने दावा किया है कि 29 अक्टूबर को लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में हार्दिक पंड्या नहीं खेलेंगे। वेबसाइट ने BCCI सूत्रों के हवाले से बताया है कि हार्दिक के लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ अगला मैच मिस करने की संभावना है। उनकी चोट गंभीर नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर ऐसा किया जा रहा है। पंड्या धर्मशाला में 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भी नहीं खेले थे।

पीसीबी प्रमुख पर आग बबूला हुए वसीम अकरम

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के लिए ठहराया जिम्मेदार

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम ने पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पीसीबी पर ही सवाल उठा दिया है। उनका मानना है कि पाकिस्तान टीम इस विश्व कप खराब प्रदर्शन कर रही है, इसके लिए खुद पीसीबी जिम्मेदार है। पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन पर वसीम अकरम ने पीसीबी को नसीहत देते हुए कहा कि कभी अपने मुल्क के बारे में भी सोच लिया कीजिए।

वसीम अकरम ने एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल से बात करते हुए पीसीबी को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि उनके पास अपनी नाराजगी जनता के सामने जाहिर करने की क्षमता है। उन्होंने पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन पर पीसीबी प्रमुख जका अशरफ की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि एशिया कप से पहले नजम सेठी की जगह सीईओ का पद संभालने वाले अशरफ अब तक टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहे हैं। अगर पीसीबी अभी भी पुराने ढांचे पर टिकी होती तो, अच्छा होता। अशरफ ने आते ही कई नए बदलाव लाए हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे नहीं रहे हैं।

वसीम अकरम ने आगे कहा कि आप पीसीबी के अध्यक्ष के रूप में आए और अपने कर्मियों को लाते ही तुरंत बदलाव कर दिया। आप विदेशी प्रशिक्षकों को नियुक्त करने में रुचि रखते थे और आपकी इच्छा पूरी हो गई। वसीम अकरम ने पीसीबी को नसीहत दी है कि अगली बार कृपया अपने बारे में न सोचें, बल्कि पहले टीम के बारे में सोचें। पीसीबी के सभी पिछले सीईओ ने बहुत सावधानी से सिस्टम बनाया था और टीम को पहले रखा था, लेकिन आपने सब बदल दिया, इससे टीम को काफी नुकसान हुआ है।

मतदान केंद्रों पर न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएगी : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत मतदान केंद्रों में न्यूनतम बुनियादी ढांचा स्थापित करना चाहिए। बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में डिप्टी डीईओ अनुदीप दुरीशेट्टी समेत रिटर्निंग अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी मतदान केंद्रों में न्यूनतम बुनियादी ढांचे जैसे रैंप, पीने का पानी, शौचालय और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करनी चाहिए। कर्नल ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर सरकारी एवं निजी स्थानों पर पार्किंग की सुविधा चिह्नित की जाये। चुनाव आयोग ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या निर्धारित संख्या से अधिक होने पर मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र स्थापित करने के उपाय किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सूचना पर्चियां यथाशीघ्र घर-घर पहुंचाई जाएं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचना पर्ची में मतदाता का मतदाता क्रमांक, मतदान तिथि, मतदान केन्द्र एवं समय की जानकारी रहेगी। राजनीतिक नेताओं द्वारा बीएलओ के माध्यम से घर-घर मतदाता पर्ची बंटवाने के आरोप के आलोक में एटीआई ने एआर को बीएलओ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया. उन्होंने कहा कि इसे उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि रूट मैप बनाकर गूगल मैप में शामिल किया जाए ताकि मतदाता अपने मतदान केन्द्र तक आसानी से पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर दावे एवं आपत्तियों का निष्पादन शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ विधानसभा क्षेत्रों द्वारा एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत्यु) सूची एकत्र करें और राजनीतिक दलों के एजेंटों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन जब एएसडी सूची में शामिल मतदाता मतदान केंद्र पर आएं तो उन्हें सही दस्तावेजों की जांच करनी चाहिए और पृष्ठभूमि में मतदान का अधिकार प्रदान करना चाहिए और ऐसे विवरण अलग से दर्ज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का फोन नंबर एकत्रित कर लिया जाए ताकि उन्हें अपने मत का प्रयोग करने के लिए एसएमएस के माध्यम से संक्षिप्त जानकारी दी जा सके। उन्होंने कहा कि चुनाव में 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों को फॉर्म-12डी के माध्यम से घर बैठे मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि मतदान कर्मियों और अन्य कर्तव्यों का पालन करने वालों के लिए एक विशेष दिन आरक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की शंकाओं के समाधान के लिए मतदान केन्द्रों पर मतदाता सहायक बूथ स्थापित किये जाए। रिटर्निंग अधिकारियों ने कहा कि सेक्टर अधिकारी उन्हें आवंटित वितरण एवं स्वागत केन्द्रों में आवश्यक मरम्मत करा लें। उन्होंने कहा कि उन्हें डीईएमपी (जिला चुनाव प्रबंधन योजना) की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, खैरताबाद आरओ, जोनल आयुक्त वेंकटेश डोत्रे, याकतपुरा आरओ वेंकटचारी, छावनी सीईओ मधुकर नाइक, अतिरिक्त आयुक्त चुनाव शंकरैया और अन्य ने भाग लिया।

नगर में गिरा रात का तापमान, ठंड ने दे दी दस्तक

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले तीन दिनों में रात के तापमान में भारी गिरावट के साथ हैदराबाद में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इस अचानक मौसम परिवर्तन का कारण राज्य में चल रही शुष्क उत्तरी हवाओं के प्रभाव को बताता है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी द्वारा बुधवार सुबह 8.30 बजे तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, सेरिलिंगमपल्ली मंडल शहर का सबसे ठंडा क्षेत्र बनकर उभरा।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के आसपास, पारा 13.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे निवासियों को अतिरिक्त कंबल और स्वेटर खरीदने पड़े। मौलाली ने 13.5 डिग्री सेल्सियस की रिकॉर्डिंग के साथ निकटता दर्ज की, जबकि बीएचईएल फैक्ट्री ने अपेक्षाकृत गर्म 14.2 डिग्री सेल्सियस की सूचना दी। शुरुआती घंटों में, शहर धुंध में लिपटा हुआ था, जिससे एक शांत, शांत सर्दियों की सुबह का आभास हो रहा है। हालांकि, दिन भर उमस और उमस भरी गर्मी का असर बना रहा।

आईएमडी का अनुमान है कि हैदराबाद की रात को कुछ और सर्द शामें झेलनी पड़ेंगी, साथ ही अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है।

दमरे महाप्रबंधक ने ट्रेनों के परिचालन की सुरक्षा पर समीक्षा की

पटरियों और पुलों के रखरखाव को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने बुधवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में जोन के ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समयपालन पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने सलाह दी कि ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए पटरियों और पुलों के रखरखाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि स्टेशनों पर अधिकतम अनुमेय गति से गाड़ी चलाने के लिए लूप लाइनों, बिंदुओं और टर्नआउट पर ध्यान दिया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने रेलवे परिसर में पथराव और उपद्रवी गतिविधियों के मामलों की समीक्षा की. उन्होंने सभी डिवीजनों को सभी चिन्हित संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा निरीक्षण तेज करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने चालक दल के काम के घंटों पर भी चर्चा की, उन्होंने सभी अधिकारियों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले

उचित आराम पर सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। श्री जैन ने पूरे जोन में ट्रेनों की समयपालनता पर समीक्षा की। उन्होंने मंडलवार समयपालन आंकड़ों की जांच की और मंडल रेल प्रबंधकों को ट्रेन संचालन की पहचान और निगरानी करने और उनकी समयपालनता में सुधार के लिए उचित उपाय करने का निर्देश दिया।

वैजाग में 1.3 करोड़ रुपये जब्त

विशाखापत्तनम, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी क्राइम पुलिस ने बुधवार को 1.3 करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जब इसे वॉशिंग मशीन में यहां से विजयवाड़ा ले जाया जा रहा था। नकदी शहर की एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान की होने का पता चला है।

एक गुप्त सूचना पर कि नकदी, जिसे हवाला का पैसा बताया जा रहा है, एक वॉशिंग मशीन में छिपाकर रखी गई थी और ले जाया जा रहा था, पुलिस ने हवाई अड्डे के क्षेत्र के पास वाहनों का निरीक्षण किया और वॉशिंग मशीन देखी। उचित बिल नहीं दिखाने पर नकदी जब्त कर ली गई। क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर नकदी एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दी।

देवरगट्टू उत्सव में एक की मौत, 100 घायल

कुर्नूल, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात कुर्नूल जिले में आयोजित वार्षिक देवरगट्टू उत्सव के दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हो गए। इस त्यौहार का सांस्कृतिक महत्व है क्योंकि दशहरा उत्सव के दौरान स्थानीय मंदिर के देवता, मालामल्लेश्वर का सम्मान करने के लिए परंपरा के हिस्से के रूप में श्रद्धालु, स्थानीय और सीमा पार के लोग छड़ी लड़ाई में भाग लेते हैं। खबरों के मुताबिक, जब स्थानीय युवक छड़ी की लड़ाई देखने के लिए एक पेड़ पर चढ़े, तो पेड़ की एक शाखा टूट गई और उसके नीचे मौजूद लोगों पर गिर गई। मृतक की पहचान गणेश के रूप में की गई और घायलों का इलाज अलुरु के सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है।

पुलिस ने 58,44,374 नकदी जब्त की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोज ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने 58,44,374 रुपये नकद जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 39,56,31,660 रुपये नकद जब्त किये गये हैं। कानून एवं व्यवस्था के तहत आज 13 लाइसेंसी आग्नेयास्त्र जमा किये गये तथा अब तक 4429 हथियार जमा किये गये हैं। बुधवार को एमसीसी के उल्लंघन के तहत सार्वजनिक संपत्तियों से 795 पोस्टर हटाए गए और कुल 70940 पोस्टर हटाए गए। आज 444 बैनर हटाए गए हैं और अब तक 23208 बैनर हटाए जा चुके हैं। आज, सार्वजनिक संपत्तियों में राजनेताओं की 829 मूर्तियों को नकाबपोश कर दिया गया है। अब तक 76433 मूर्तियों को मुखौटा पहनाया जा चुका है।

राजगोपाल रेड्डी ने भाजपा छोड़ी, कांग्रेस में होंगे शामिल

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा को झटका देते हुए पूर्व विधायक और भाजपा नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने आज भगवा पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजगोपाल रेड्डी ने आज यहां एक बयान में कहा कि वह जल्द ही कांग्रेस पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव परिवार के कुशासन से मुक्त कराने की उनकी महत्वाकांक्षा अगले पांच हफ्तों में पूरी हो जाएगी। राज्य में सत्ता विरोधी लहर अब तक के उच्चतम स्तर पर है। यह स्पष्ट है कि लोग बदलाव चाहते हैं।' डेढ़ साल पहले तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस के विकल्प के रूप में उभरी भाजपा को इसके बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रम में कुछ झटके लगे हैं। अब तेलंगाना के लोग कांग्रेस पार्टी को सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसलिए मैंने भी तेलंगाना के लोगों की सोच के अनुरूप काम करने का फैसला किया है.'' कोमाटिरेड्डी ने कहा कि यह सर्वविदित है कि उन्होंने 15 महीने पहले कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। मैंने मुनुगोडु विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गया क्योंकि मुझे लगा कि भारतीय जनता पार्टी केसीआर शासन को समाप्त करने की शक्ति है। पिछले

साल अक्टूबर के अंत में मुनुगोडु विधानसभा के उपचुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के आशीर्वाद से, मैंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और सत्तारूढ़ बीआरएस से हार गया। मुनुगोडु उपचुनाव में, जो एक राजनीतिक लड़ाई की तरह लड़ा गया था, सत्तारूढ़ बीआरएस ने 100 विधायकों और 100 अन्य वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा और सत्ता का दुरुपयोग किया। बीआरएस प्रत्यशी मामूली अंतर से जीत गया और मैं नैतिक रूप से हार गया।'' उन्होंने मुनुगोडु उपचुनाव में उनकी जीत के लिए प्रयास करने वाले सभी भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं क्योंकि लोगों की यह मांग कि केंद्र भ्रष्टाचार में लिप्त केसीआर सरकार के खिलाफ कार्रवाई करेगा, पूरी नहीं हुई है। कांग्रेस उस स्थान पर आई क्योंकि भाजपा सत्तारूढ़ बीआरएस के विकल्प के रूप में उभर नहीं सकी। तेलंगाना में 10 साल पुरानी केसीआर सरकार, जो सभी लोगों के संघर्ष से वास्तविकता बनी, अराजक शासन से पटरी से उतर गई है।

मैंने तेलंगाना के लोगों के विचारों के अनुरूप कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया है, जो सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। मैं अपरिहार्य परिस्थितियों में भाजपा से इस्तीफा दे रहा हूं। मुनुगोडु उपचुनाव के माध्यम से मुझे केसीआर सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मौका देने के लिए मैं भाजपा को धन्यवाद देता हूं। केसीआर सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मैं हमेशा केंद्रीय मंत्री अमित शाह का आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा कि हालांकि वह अपनी पार्टी बदल रहे हैं, लेकिन सीएम केसीआर के परिवार को हराना और राज्य को भ्रष्टाचार और अलोकतांत्रिक शासन से मुक्त करना उनका लक्ष्य वही रहेगा।

बीजेपी नेताओं ने राजगोपाल रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा नेताओं ने आज पार्टी नेता और पूर्व विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा कि पार्टी छोड़ने का फैसला राजगोपाल रेड्डी का था। राजगोपाल रेड्डी की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा मैदान में नहीं है, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। "राजगोपाल रेड्डी वही हैं, जिन्होंने कहा था कि हमारी पार्टी राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी का विकल्प है। अब उन्होंने अपना बयान कैसे बदल दिया?" हुजूराबाद विधायक और भाजपा की ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष इटेला राजेंदर ने पूछा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस आगामी चुनाव जीतने के लिए अपने धन के थैलों पर भरोसा कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सत्तारूढ़ दल से नहीं डरते हैं और विश्वास जताया कि वह हुजूराबाद और गजवेल विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल करेंगे। राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे पर पूर्व सांसद और बीजेपी नेता बूरा नरसैया गौड़ ने भी प्रतिक्रिया दी. "केवल राजगोपाल रेड्डी का शरीर भाजपा में था। उनके इस्तीफे के बाद से उनकी आत्मा कांग्रेस पार्टी में ही रही। यह कोई ब्रेकिंग न्यूज नहीं है। हम सभी को इसकी उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि भाजपा बीआरएस पार्टी का विकल्प बनेगी और उन्होंने कहा कि लोग राज्य में वे कांग्रेस पार्टी पर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान जहां से भी उन्हें चुनाव लड़ना चाहेगा, वह वहां से चुनाव लड़ेंगे और उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा भुवनागिरी एमपी सीट से चुनाव लड़ने की है।पार्टी के एक अन्य नेता विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि उन्हें राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे की जानकारी नहीं है। उन खबरों पर टिप्पणी करते हुए कि वह जल्द ही पार्टी छोड़ देंगे, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अगले आम चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में पेद्दापल्ली एमपी सीट से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सांसद जीतेंद्र रेड्डी ने राजगोपाल रेड्डी को महज उड़ता हुआ बादल करार दिया। उन्होंने साफ किया कि राज्य में बीजेपी काफी मजबूत है। राज्यसभा सांसद लक्ष्मण ने राजगोपाल रेड्डी की टिप्पणियों को गलत ठहराया और कहा कि राजगोपाल रेड्डी के लिए उनकी पार्टी के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां करना उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि पार्टी ने राजगोपाल रेड्डी को राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग सभी घटनाक्रमों पर नजर रख रहे हैं।

चार लोगों पर हमला करने के आरोप में ग्यारह लोगों पर मामला दर्ज

मंचेरियल, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के वेलगनूर गांव में चार लोगों पर हमला करने के आरोप में ग्यारह लोगों पर मामला दर्ज किया गया। दांडेपल्ली उप-निरीक्षक प्रसाद ने कहा कि समान गांव के पेटेम विकास, पेत्तम श्रीहरि, गाडीकोप्पुला राकेश और पेटेम वामशी पर लाठियों और पत्थरों से हमला करने के आरोप में वेलगानूर के ग्यारह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। ग्यारह लोगों ने कथित तौर पर एक छोटी सी बात पर और किसी पुरानी दुश्मनी के चलते लाठियों और पत्थरों से चारों पर हमला किया। कुछ देर के लिए उस समय हल्का तनाव व्याप्त हो गया जब ग्यारह लोगों ने सोमवार की रात दशहरा समारोह के दौरान पेटेम श्रीधर को लगी मामूली चोट के लिए उसे दोषी ठहराते हुए उसके घर में घुसने की कोशिश की। श्रीधर के चचेरे भाइयों ने उन्हें घर में घुसने से रोका। नतीजतन, श्रीधर के चार रिश्तेदारों को चोटें आईं जब समूह ने उन पर हमला किया।

कालेश्वरम परियोजना में कोई संरचनात्मक दोष नहीं : ईएनसी

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) मुरलीधर ने कहा, कालेश्वरम परियोजना में कोई संरचनात्मक दोष नहीं है। मुरलीधर ने इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां केंद्रीय टीम के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया। जयशंकर भूपालपल्ली जिले में केएलआईपी के लक्ष्मी (मेडिगड्डा) बैराज के पुल का छोटा हिस्सा 21 अक्टूबर को ढह जाने के बाद से राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल जैन के नेतृत्व में केंद्रीय टीम तेलंगाना में है। इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना ईएनसी मुरलीधर ने स्पष्ट किया कि कालेश्वरम परियोजना में कोई संरचनात्मक दोष नहीं थे। उन्होंने कहा कि रेत की कुछ गुणवत्ता और निर्माण के कारण पुल का छोटा हिस्सा धंस गया है, लेकिन परियोजना में कोई संरचनात्मक खामी नहीं है। ईएनसी ने आगे कहा कि वे बाढ़ कम होने के बाद नवंबर में तांबे के बांध का व्यापक निरीक्षण करेंगे।

सेक्टर अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की पूरी जानकारी होनी चाहिए : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के चुनाव सम्पन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, वे सतर्क रहें और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें तथा ईवीएम की पूरी जानकारी रखें। बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन सभाकक्ष में सेक्टर अधिकारियों के लिए आयोजित मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर दसारी वेणु के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव के सुचारु संचालन में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों पर आधारभूत संरचना उपलब्ध करायें, साथ ही उन्हें ईवीएम, वीवी पट्टू की पूरी जानकारी होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उन्हें मतदान केंद्रों में बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट की स्थापना, मॉक पोलिंग के प्रबंधन की पूरी समझ होनी चाहिए और हैंड बुक के हर पहलू की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दिन चुनाव ड्यूटी करने आने वाले कर्मचारियों को उचित निर्देश दिये जायें। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए तहसीलदारों और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय करना चाहिए कि चुनाव से एक दिन पहले उन्हें आवंटित मार्ग, चुनाव सामग्री के वितरण, कर्मियों की आवाजाही के भीतर कानून और व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी के बिना चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों। और चुनाव के दिन. उन्होंने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी होने पर रिजर्व ईवीएम उपलब्ध करायी जाये।उन्होंने कहा कि यदि कोई शंका हो तो उसे प्रशिक्षकों से दूर कराया जाए और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाए कि चुनाव बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्वक एवं सुचारु रूप से संपन्न हो।

कर्तव्य में लापरवाही के लिए एसीपी के खिलाफ कार्रवाई

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त, संदीप शांडिल्य ने बुधवार को एसआर नगर डिवीजन के एसीपी, वाई वेंकटेश्वर राव और एसआर नगर इंस्पेक्टर, वेंकट राम प्रसाद राव पायडी को कर्तव्य में लापरवाही के लिए चार्ज मेमो जारी किया। जिस व्यक्ति के खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में उपद्रवी पत्रक रखा गया था, उसकी सोमवार रात एसआर नगर में मोहम्मद सरवर नामक व्यक्ति ने हत्या कर दी। हत्या के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। अधिकारियों ने कहा कि शहर के पुलिस आयुक्त, जिन्होंने जांच का आदेश दिया, ने पाया कि स्थानीय एसीपी और इंस्पेक्टर घटना को अंजाम देने वाले उपद्रवी लोगों पर निगरानी नहीं रख रहे थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, विजयनगरम
एमआईजी-2, विवेकानंद कॉलोनी, जिया अस्पतल जंक्शन
केण्टोंमेंट, विजयनगरम - 535 003

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को निम्नलिखित स्थान के पास अच्छी तरह निर्मित एक व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है। इसकी परिसीमा/क्षेत्र लगभग 1200 ft. (10% अधिक या कम) कार्पेट एरिया होनी चाहिए।

आवश्यक स्थान	जिला एवं राज्य	आवश्यक कार्पेट एरिया
रविकमतम् विल्लेज	अनकापल्ली ज़िला, आंध्र प्रदेश	1200 (±10%) Sq. Ft.

टेंडर कागजाद एवं अन्य जानाकारी हेतु कृपया हमारे बैंक के वैबसाइट www.unionbankofindia.com एवं https://eprocure.gov.in को देखें। विधिवत प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 15-11-2023 के शाम बजे तक है। बैंक बिना कारण बताएं किसी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का एक सुरक्षित रखती है।
क्षेत्र प्रमुख

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.